NEET Bulletin Helpline No.
8800265682
Completely NEET Counselling Guidance specially for
MBBS BDS BAMS BHMS BUMS
B.Sc Nursing GNM D./ B. Pharma
BPT MPT D/BMLT D.Optometry
OT Technician Clinical Research
B.Sc Ag. Micro Bio Bio Chem
Bio tech. BNYS etc.

R.N.I.NO.-UPHIN/2011/41608
राष्ट्रीय हिंदी दैनिक
विजडम इंडिया
निर्भीक और बेबाक अभिव्यक्ति
EMAIL: sheelshukla100@gmail.com
लखनऊ से प्रकाशित

वर्ष: 15 अंक: 317 लखनऊ, बुधवार 15 जुलाई 2026 मूल्य: 02 रुपये पृष्ठ- 08

राजनाथ सिंह का बयान आपरेशन विजय सिर्फ सैन्य जीत नहीं, साहस और देशभक्ति का अध्याय था

एजेंसी।

दिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कारगिल युद्ध की 27वीं वर्षगांठ पर ऑपरेशन विजय को मात्र सैन्य जीत नहीं, बल्कि साहस, धैर्य और देशभक्ति का अध्याय बताया। उन्होंने 'शौर्य विजय यात्रा' को हरी झंडी दिखाते हुए कहा कि यह अभियान भारतीय सैनिकों के अटूट जज्बे, बलिदान और राष्ट्र के सम्मान के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को समर्पित है, जो युवाओं को शहीदों की विरासत से जोड़ेगा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 1999 के कारगिल युद्ध की 27वीं वर्षगांठ के मौके पर आयोजित एक समारोह में श्ऑपरेशन विजयश को न केवल एक सैन्य जीत, बल्कि साहस, धैर्य, अनुशासन और देशभक्ति के प्रदर्शन के तौर पर भी बताया। मंगलवार को कारगिल विजय दिवस से पहले, सिंह ने नेशनल वॉर मेमोरियल पर 'शौर्य विजय यात्रा' मोटरसाइकिल अभियान को हरी झंडी दिखाई। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम उन भारतीय सैनिकों के साहस, बलिदान और अटूट जज्बे को श्रद्धांजलि है जिन्होंने इस लड़ाई में हिस्सा लिया था। सिंह ने कहा कि आज का यह मौका सिर्फ मोटरसाइकिल अभियान को हरी झंडी दिखाने का नहीं है, बल्कि उस अटूट जज्बे को नमन करने का है, जिसकी वजह से हमारे बहादुर नायकों ने भारत के सम्मान, गर्व और गौरव के लिए सब कुछ न्योछावर कर दिया। मैं उस संकल्प को नमन करने आया हूँ, जो हमारी अमर शहीदों की यादों को पीढ़ी–दर–पीढ़ी जिंदा रखने के वादे के साथ आगे बढ़ रहा है। रक्षा मंत्री ने इस अभियान के नाम और मोटो (ध्येय वाक्य) का महत्व बताते हुए कहा कि इस यात्रा का नाम ही–'शौर्य विजय यात्रा' (वीरता और जीत की यात्रा)–अपने आप में एक प्रेरणा है। और इसका मोटो–'एक राइड, एक राष्ट्र, एक सलाम'–इस अभियान की भावना को बहुत गहरे और सार्थक ढंग से जाहिर करता है। शायद इससे ज्यादा सुंदर या प्रभावशाली संदेश कोई और नहीं हो सकता।युद्ध के दौरान सैनिकों की बहादुरी को याद करते हुए सिंह ने कहा कि लगभग 20,000 फीट की ऊंचाई पर – जहां सांस लेना मुश्किल होता है,

ऑक्सीजन का स्तर कम होता है और तापमान माइनस 40 डिग्री तक गिर जाता है, हमारे बहादुर सैनिकों ने ऐसे मुश्किल और विपरीत माहौल में भी नामुमकिन को मुमकिन कर दिखाया। जहां कुदरत ने रास्ता रोक दिया था, वहां हमारे सैनिकों ने अपनी बेमिसाल हिम्मत से इतिहास में एक नया रास्ता बनाया। सिंह के मुताबिक, ऑपरेशन विजय एक ऐसा अध्याय है जिसका अध्ययन दुनिया भर की सेनाएं करती हैं और उसे सम्मान की नजर से देखती हैं।उन्होंने बताया कि यह अभियान 13 दिनों में लगभग 1,900 किलोमीटर की दूरी तय करेगा। इसकी शुरुआत नेशनल वॉर मेमोरियल से होगी और यह चंडीमंदिर, पंजाब, हिमाचल प्रदेश और लद्दाख से होते हुए 26 जुलाई को कारगिल वॉर मेमोरियल पहुंचेगा। सिंह ने कहा कि यह सिर्फ दूरी तय करने का सफर नहीं होगाय यह इतिहास, बलिदान और देशभक्ति से जुड़ने का सफर होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि कारगिल में मिली जीत, अपनी जमीन, पहचान और सम्मान की रक्षा करने के भारत के अटूट संकल्प को दर्शाती है।उन्होंने कहा कि कारगिल की जीत किसी एक तारीखध तक सीमित नहीं हैय यह भारत का वह अटूट संकल्प है कि हमारी जमीन, हमारी पहचान और हमारे सम्मान पर उठने वाली हर नजर का भारत पूरी ताकत से जवाब देगा। सिंह ने भरोसा जताया कि यह अभियान युवाओं को प्रेरित करेगा और शहीदों की याद को संजोकर रखेगा।

मुख्यमंत्री योगी से मिलीं महापौर सुषमा खर्कवाल, लखनऊ के समग्र विकास और नागरिक सुविधाओं पर हुई विस्तृत चर्चा

संवाददाता।

लखनऊ। नगर निगम लखनऊ की महापौर सुषमा खर्कवाल ने मंगलवार को 5, कालिदास मार्ग स्थित मुख्यमंत्री आवास पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट कर राजधानी के विकास, नगर निगम की योजनाओं और नागरिक सुविधाओं के विस्तार से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। इस दौरान शहर के समग्र एवं सुनियोजित विकास को लेकर भविष्य की कार्ययोजना पर भी विचार–विमर्श किया गया।भेंट के दौरान महापौर ने मुख्यमंत्री को नगर निगम द्वारा शहर में संचालित विकास परियोजनाओं, आधारभूत सुविधाओं के विस्तार, स्वच्छता व्यवस्था, जनसुविधाओं के सुदृढ़ीकरण तथा नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने नगर निगम की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में किए जा रहे कार्यों और आगामी योजनाओं से भी मुख्यमंत्री को अवगत कराया।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने नगर निगम के

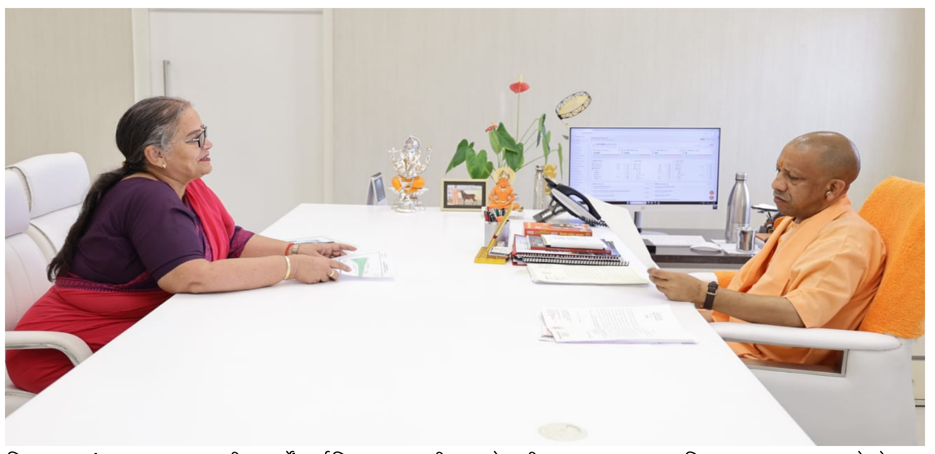

विकास एवं जनकल्याणकारी कार्यों की जानकारी प्राप्त करते हुए नागरिक सुविधाओं को और अधिक प्रभावी, आधुनिक और सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता सुनिश्चित की जाए ताकि आम नागरिकों को योजनाओं का लाभ समय पर मिल सके। मुख्यमंत्री ने जनहित को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए नगर निगम को शहर के विकास कार्यों में गति बनाए रखने और सभी परियोजनाओं को निर्धारित समयसीमा के भीतर पूरा करने पर विशेष जोर दिया।बैठक में राजधानी लखनऊ के समग्र विकास, बेहतर शहरी प्रबंधन, आधारभूत ढांचे को मजबूत करने तथा नागरिकों को अधिक सुविधाजनक और सुगम सेवाएं उपलब्ध कराने से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने नगर निगम को जनअपेक्षाओं के अनुरूप कार्य करते हुए विकास योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन के निर्देश दिए।महापौर सुषमा खर्कवाल ने मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन और सहयोग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि नगर निगम लखनऊ उनके नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में शहर के सर्वांगीण विकास, आधुनिक शहरी सुविधाओं के विस्तार तथा नागरिकों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य करता रहेगा। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री के मार्गदर्शन में लखनऊ को एक स्वच्छ, सुंदर, सुव्यवस्थित और आधुनिक महानगर के रूप में विकसित करने की दिशा में नगर निगम निरंतर प्रभावी कदम उठाता रहेगा।

बांकीपुर उपचुनाव मे नितिन नवीन ने भाजपा प्रत्याशी नीरज कुमार सिन्हा को बताया समर्पित कार्यकर्ता, दिया पूरा समर्थन

एजेंसी।

पटना बिहार। पूर्व विधायक नितिन नवीन ने बांकीपुर उपचुनाव में बीजेपी उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा का समर्थन करते हुए उन्हें समर्पित कार्यकर्ता बताया, जो मंडल अध्यक्ष से बूथ मंत्री तक जमीनी स्तर पर सेवा कर चुके हैं। नवीन ने सिन्हा की जीत की उम्मीद जताई और कहा कि उनका अनुभव उन्हें जनता का विश्वास जीतने में मदद करेगा, जो बिहार की राजनीति में जमीनी कार्यकर्ता के महत्व को दर्शाता है। बिहार में बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव से पहले, पूर्व बांकीपुर विधायक और बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन ने पार्टी के उम्मीदवार नीरज कुमार सिन्हा पर भरोसा जताया। नवीन ने सिन्हा को 'समर्पित कार्यकर्ता' बताया और उम्मीद जताई कि वे अपने क्षेत्र के लोगों का भरोसा और आशीर्वाद जीतेंगे। मंगलवार को पत्रकारों से बात करते हुए नबिन ने कहा कि मैं यहां अपने इलाके के लोगों के साथ खड़ा हूं क्योंकि एक कार्यकर्ता और (पूर्व) विधायक के तौर पर मैं उनके प्रति जवाबदेह हूं। मुझे खुशी है कि बीजेपी ने बांकीपुर के लोगों की सेवा करने का मौका एक मंडल अध्यक्ष को दिया है। मुझे उम्मीद है कि हमारी

पार्टी के जिस कार्यकर्ता को यहां से चुनाव लड़ने का मौका मिला है, उसे बांकीपुर के लोगों का आशीर्वाद मिलेगा और वह उनकी सेवा करेगा।बांकीपुर से चार बार विधायक रहे नवीन ने अपने अनुभव को याद करते हुए अपनी सफलता का श्रेय स्थानीय लोगों के समर्थन को दिया। उन्होंने कहा कि मैंने भी इस इलाके के लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर 20 साल बिताए हैं। उनके सुख–दुख में साथ रहते हुए, मैंने उनके साथ काम करना और काम को आगे बढ़ाना सीखा है। मैं हमेशा कहता हूं कि मेरे चुनाव क्षेत्र के कार्यकर्ताओं और जनता ने ही मुझे काम करना सिखाया है, और अगर आज मैं इस मुकाम पर पहुंचा हूं, तो यह मेरे चुनाव क्षेत्र के लोगों के आशीर्वाद और प्यार की वजह से ही संभव हुआ है।समुदाय के लिए सिन्हा की सेवा का जिक्र करते हुए नवीन ने कहा कि वह एक ऐसे युवा हैं जिन्हें इलाके के लोग एक समर्पित कार्यकर्ता के तौर पर जानते हैं। वह मुश्किल समय में हर किसी के साथ खड़े रहते हैं। यह कहा जा सकता है कि भले ही उनकी व्यक्तिगत पहचान बहुत बड़ी न हो, लेकिन जिस इलाके में वह काम करते हैं, वहां उनकी सेवा का दायरा बहुत बड़ा है। मार्च में राज्यसभा के लिए चुने जाने के बाद नितिन नवीन के बिहार विधानसभा से इस्तीफा देने के कारण बांकीपुर में उपचुनाव हो रहा है। बीजेपी ने नीरज कुमार सिन्हा को अपना उम्मीदवार घोषित किया है, उन्होंने अभिषेक कुमार सिन्हा की जगह ली है, जिन्होंने पारिवारिक कारणों से अपना नाम वापस ले लिया था। शुक्रवार को घोषणा के बाद, बिहार बीजेपी अध्यक्ष संजय सरावगी ने पटना में पार्टी कार्यालय में नीरज कुमार सिन्हा को बधाई दी। आभार व्यक्त करते हुए सिन्हा ने कहा कि मैं बहुत खुश हूँ। मैं शीर्ष नेतृत्व, प्रदेश अध्यक्ष, हमारे नेता नितिन नवीन जी, साथ ही अमित शाह जी और नरेंद्र मोदी जी का बहुत आभारी हूँ। मैं उन सभी का शुक्रगुजार हूँ। मैंने बूथ मंत्री के तौर पर शुरुआत की थीय मैंने दो बार मंडल अध्यक्ष के रूप में सेवा की और युवा मोर्चा में जिला उपाध्यक्ष के तौर पर भी काम किया। मुझे बड़ी जीत का भरोसा है। पार्टी कार्यकर्ताओं और आम जनतादृजो बांकीपुर निर्वाचन क्षेत्र में अपना आशीर्वाद बरसाने जा रहे हैंदृके साथ मिलकर काम करते हुए हम सफल होंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले अनुराग ठाकुर, विभिन्न मुद्दों पर हुई चर्चा

संवाददाता।

लखनऊ । पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से उनके सरकारी आवास पर शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान दोनों नेताओं के बीच विभिन्न समसामयिक विषयों पर चर्चा हुई।

मुलाकात के बाद अनुराग ठाकुर ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ विभिन्न विषयों पर सार्थक चर्चा का अवसर मिला। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के श्आत्मनिर्भर भारतश के संकल्प को उत्तर प्रदेश सरकार 'आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश' की अवधारणा के माध्यम से आगे बढ़ा रही है।अनुराग ठाकुर ने कहा कि योगी सरकार आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के निर्माण की दिशा में उल्लेखनीय और सराहनीय प्रयास कर रही है। उनके अनुसार, राज्य में विकास और जनकल्याण को केंद्र में रखकर अनेक योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है।पूर्व केंद्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश भयमुक्त और माफियामुक्त वातावरण की ओर बढ़ा है तथा सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण और

लोककल्याण की दिशा में भी महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं।मुख्यमंत्री और अनुराग ठाकुर की मुलाकात के दौरान प्रदेश के विकास, सुशासन तथा अन्य समसामयिक विषयों पर भी विचार–विमर्श हुआ।

वीणा मानवी का नामांकन रद्द, तेज प्रताप यादव ने बताया बड़ी साजिश

एजेंसी। बांकीपुर उपचुनाव में जन शक्ति जनता दल की उम्मीदवार वीणा मानवी का नामांकन पत्र अनिवार्य 10 प्रस्तावकों के बजाय केवल 9 हस्ताक्षर होने के कारण रद्द कर दिया गया, जिससे चुनाव में नाटकीय मोड़ आया। तेज प्रताप यादव ने इसे राजनीतिक साजिश बताते हुए अदालत में चुनौती देने और न्याय पाने का ऐलान किया है।मंगलवार को बाकीपुर विधानसभा उपचुनाव में एक और नाटकीय मोड़ आया, जब तेज प्रताप यादव की जन शक्ति जनता दल (JJD) की उम्मीदवार वीणा मानवी का नामांकन रिटर्निंग ऑफिसर ने खारिज कर दिया। इस फैसले ने बिहार के सबसे चर्चित उपचुनावों में से एक माने जा रहे इस चुनाव में एक नया मोड़ ला दिया है। वीणा मानवी नामांकन प्रक्रिया के दौरान ही

चर्चा में रही थीं और उनके नामांकन दाखिल करने को लेकर काफी हंगामा हुआ था। नामांकन पत्र जमा करने के कुछ ही समय बाद उन्हें गिरफ्तार भी कर लिया गया था, जिससे यह घटनाक्रम और भी अहम हो गया है।चुनाव नियमों के अनुसार, निर्दलीय या गैर–मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के उम्मीदवारों को 10 प्रस्तावकों के हस्ताक्षर वाले नामांकन पत्र जमा करने होते हैं। अधिकारियों ने पाया कि वीना मानवी के नामांकन पत्र में केवल नौ प्रस्तावकों के हस्ताक्षर थे। परिणामस्वरूप, अनिवार्य शर्त पूरी न करने के कारण उनका नामांकन रद्द कर दिया गया। अपनी पार्टी के उम्मीदवार का नॉमिनेशन रद्द होने की खबर मिलते ही, श्श्रक के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार के पूर्व मंत्री तेज प्रताप यादव पटना कलेक्ट्रेट पहुंचे और फैसले की जानकारी लेने के लिए रिटर्निंग ऑफिसर से मुलाकात की।बाद में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने आरोप लगाया कि उनकी पार्टी के उम्मीदवार के खिलाफ साजिश रची गई थी और दावा किया कि नॉमिनेशन जान–बूझकर रद्द किया गया। तेज प्रताप ने कहा कि उन्हें न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है और घोषणा की कि पार्टी इस फैसले को अदालत में चुनौती देगी। उन्होंने कहा कि वीणा मानवी के साथ अन्याय हुआ है और भरोसा जताया कि कानूनी प्रक्रिया के जरिए पार्टी को न्याय मिलेगा। बांकीपुर विधानसभा उपचुनाव में पहले ही कई अप्रत्याशित घटनाक्रम देखने को मिले हैं।

जेल में बंद आसाराम ने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट से फिर लगाई गुहार

एजेंसी।

दिल्ली। मेडिकल इमरजेंसी का हवाला देते हुए सीनियर वकील ने अनुरोध किया कि मामले पर तुरंत सुनवाई की जाए। इस दलील पर ध्यान देते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि याचिका को शुक्रवार, 17 जुलाई को सुनवाई के लिए लिस्ट किया जाए। आसाराम अभी रेप के एक मामले में सजा काट रहे हैं और राहत पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को जेल में बंद खुद को भगवान बताने वाले आसाराम बापू की तरफ से दायर याचिका पर तुरंत सुनवाई करने पर सहमति जताई। उनके वकील ने कोर्ट को बताया कि उन्हें हाल ही में गंभीर इंटरनल ब्लीडिंग (अंदरूनी रक्तस्राव) हुई थी, उन्हें गंभीर हालत में एम्स जोधपुर ले जाया गया था और उन्हें ब्लड ट्रांसफ्यूजन (खून चढ़ाना) की जरूरत पड़ी थी। सीनियर वकील डीएस नायडू ने जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस पीबी वराले की बेंच के सामने यह मामला उठाया और मेडिकल आधार पर इसे तुरंत लिस्ट करने की मांग की। मामला उठाते हुए नायडू ने बताया कि 8 जुलाई को आसाराम को गंभीर इंटरनल ब्लीडिंग हुई थी, जिसके बाद उन्हें एम्स जोधपुर में भर्ती कराया गया। उन्होंने कोर्ट को बताया कि आसाराम को श्हाई–रिस्कश मरीज माना गया है और गंभीर हालत में भर्ती होने के बाद उन्हें ब्लड ट्रांसफ्यूजन की जरूरत पड़ी थी।मेडिकल इमरजेंसी का हवाला देते हुए सीनियर वकील ने अनुरोध किया कि मामले पर तुरंत

सुनवाई की जाए। इस दलील पर ध्यान देते हुए, सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया कि याचिका को शुक्रवार, 17 जुलाई को सुनवाई के लिए लिस्ट किया जाए। आसाराम अभी रेप के एक मामले में सजा काट रहे हैं और राहत पाने के लिए सुप्रीम कोर्ट पहुंचे हैं। अब तय तारीख पर उनकी याचिका के गुण–दोष पर विचार किया जाएगा। जून में बापू ने राजस्थान हाई कोर्ट के मई 2026 के फैसले के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था। हाई कोर्ट ने एक नाबालिग लड़की के साथ 2013 में हुए यौन उत्पीड़न के मामले में खुद को आध्यात्मिक गुरु बताने वाले आसाराम और उनके सह–आरोपियों की अपील को आंशिक रूप से मंजूरी दी थी। कोर्ट ने भारतीय दंड संहिता की धारा 376D (गैंग रेप) और बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण अधिनियम, 2012 (POCSO एक्ट) के कुछ प्रावधानों के तहत दोषसिद्धि को रद्द कर दिया था, लेकिन IPC की धारा 376 के तहत रेप के लिए आसाराम की दोषसिद्धि को बरकरार रखा था। राजस्थान हाई कोर्ट की डिवीजन बेंच (जिसमें जस्टिस अरुण मोंगा और जस्टिस योगेंद्र कुमार पुरोहित शामिल थे) ने जोधपुर की स्पेशल च्व्ब्ै कोर्ट द्वारा 2018 में सुनाई गई सजा को चुनौती देने वाली आपराधिक अपीलों पर फैसला सुनाया। बेंच ने सह–आरोपी शरद और शिल्पी को सभी आरोपों से बरी कर दिया, लेकिन यह माना कि रिकॉर्ड पर मौजूद सबूत आसाराम को रेप के लिए दोषी ठहराए रखने के लिए काफी थे। इसलिए, बेंच ने ट्रायल कोर्ट द्वारा दी गई सजा में कोई बदलाव नहीं किया। कोर्ट ने आसाराम को जोधपुर सेंट्रल जेल के अधिकारियों के सामने सरेंडर करने का भी निर्देश दिया। यह फैसला स्पेशल POCSO कोर्ट द्वारा आसाराम को एक नाबालिग लड़की के यौन शोषण का दोषी ठहराने और उम्रकैद की सजा सुनाने के लगभग आठ साल बाद आया है। आरोपी के बड़े कद और पीड़ित लड़की द्वारा लगाए गए गंभीर आरोपों के कारण इस मामले ने काफी लोगों का ध्यान खींचा था। अभियोजन पक्ष का मामला एक नाबालिग लड़की के आरोपों पर आधारित था, जिसने आसाराम पर अपने आश्रम में यौन शोषण का आरोप लगाया था। अभियोजन के अनुसार, यह शोषण आध्यात्मिक उपचार और धार्मिक मार्गदर्शन के नाम पर किया गया था। थ्प्त् दर्ज होने के बाद, जांच अधिकारियों ने मेडिकल सबूतों, गवाहों के बयानों और अन्य परिस्थितियों से जुड़े सबूतों के आधार पर जांच की और फिर आरोपियों के खिलाफ चार्जशीट दाखिल की। पूरी सुनवाई के बाद, जोधपुर की स्पेशल POCSO कोर्ट ने 25 अप्रैल, 2018 को आसाराम को दोषी पाया और उसे बाकी बची जिंदगी भर के लिए जेल की सजा सुनाई।

सोनम वांगचुक के समर्थन में 20 जुलाई को यूपी के सभी जिलों में आंदोलन करेगी आप - संजय सिंह

लखनऊ, (आरएनएस)। आम आदमी पार्टी के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने लद्दाख से जुड़े मुद्दों और सोनम वांगचुक के समर्थन में प्रदेशभर में आंदोलन का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि 20 जुलाई को आम आदमी पार्टी की उत्तर प्रदेश इकाई सभी जिलों में प्रदर्शन कर सोनम वांगचुक के संघर्ष को जन—जन तक पहुंचाने का काम करेगी।लखनऊ में आयोजित प्रेसवार्ता में संजय सिंह ने आरोप लगाया कि जंतर—मंतर पर 17 दिनों से आमरण अनशन पर बैठे सोनम वांगचुक की आवाज को केंद्र सरकार और मुख्यधारा का मीडिया नजरअंदाज कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि वांगचुक लद्दाख के अधिकारों के साथ—साथ देश के युवाओं के भविष्य से जुड़े मुद्दों को उठा रहे हैं, लेकिन उनकी मांगों पर कोई गंभीर पहल नहीं की जा रही है।संजय सिंह ने कहा कि देश के करोड़ों युवा पेपर लीक, प्रतियोगी परीक्षाओं में कथित अनियमितताओं और अग्निवीर योजना जैसे मुद्दों से प्रभावित हुए हैं। उनका दावा था कि इन समस्याओं के कारण युवाओं के भविष्य पर प्रतिकूल असर पड़ा है और सोनम वांगचुक इन्हीं मुद्दों को लेकर संघर्ष कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि सोनम वांगचुक शिक्षा के क्षेत्र में अपने कार्यों और नवाचारों के लिए जाने जाते हैं। संजय सिंह के अनुसार, उन्होंने लद्दाख में शिक्षा सुधार के लिए महत्वपूर्ण कार्य किए हैं तथा भारतीय सेना के लिए अत्यधिक ठंड में उपयोगी विशेष टेंट विकसित करने में भी योगदान दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि लंबे समय से चल रहे अनशन के बावजूद उनकी स्थिति पर सरकार और मीडिया पर्याप्त ध्यान नहीं दे रहे हैं।संजय सिंह ने केंद्र सरकार पर संवेदनहीनता का आरोप लगाते हुए कहा कि इससे पहले भी पर्यावरणविद् जी.डी. अग्रवाल के लंबे अनशन के दौरान सरकार ने गंभीरता नहीं दिखाई थी। उन्होंने भाजपा के सांसदों और विधायकों से भी अपील की कि वे दलगत राजनीति से ऊपर उठकर इस मुद्दे पर अपनी राय रखें और सरकार तक जनता की भावना पहुंचाएं।उन्होंने यह भी दावा किया कि सोनम वांगचुक के आंदोलन को विभिन्न विपक्षी दलों के नेताओं का समर्थन मिल रहा है। उनके अनुसार, अलग—अलग राजनीतिक दलों के नेता जंतर—मंतर पहुंचकर अपना समर्थन जता चुके हैं।सजय सिंह ने प्रदेश की जनता से 20 जुलाई को होने वाले आंदोलन में भाग लेने की अपील करते हुए कहा कि आम आदमी पार्टी लोकतांत्रिक तरीके से सभी जिलों में प्रदर्शन कर सोनम वांगचुक के समर्थन में आवाज बुलंद करेगी। उन्होंने कहा कि पार्टी इस मुद्दे को जनआंदोलन का स्वरूप देने का प्रयास करेगी और युवाओं तथा आम नागरिकों को इसमें शामिल होने का आह्वान किया।

राम मंदिर मामले में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा- मंत्री नरेंद्र कश्यप

2027 में फिर भाजपा की सरकार बनेगी

प्रयागराज। सर्किट हाउस में रविवार को उत्तर प्रदेश सरकार के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पिछड़ा वर्ग कल्याण एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नरेंद्र कश्यप ने प्रेसवार्ता में कहा कि कांग्रेस और समाजवादी पार्टी ने कभी राम मंदिर निर्माण का समर्थन नहीं किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने कथित चढ़ावा मामले में एसआईटी गठित कर एफआईआर दर्ज कराई है और जांच जारी है। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

प्रेसवार्ता के दौरान मंत्री ने राम मंदिर चढ़ावा विवाद, 2027 विधानसभा चुनाव, पीडीए अभियान और विपक्ष के बयानों पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने दावा किया कि 2027 में प्रदेश में फिर भाजपा की सरकार बनेगी।

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार पिछड़ा वर्ग और दिव्यांगजनों के कल्याण के लिए लगातार काम कर रही है। शिवसेना (उद्धव गुट) के नेता आदित्य ठाकरे के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि यह उनकी राजनीतिक हताशा का परिणाम है। उन्होंने दावा किया कि जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा के नेतृत्व पर भरोसा जता रही है।नरेंद्र कश्यप ने समाजवादी पार्टी के पीडीए अभियान पर सवाल उठाते हुए कहा कि अखिलेश यादव के शासनकाल में पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग का बजट 1286 करोड़ रुपये था, जिसे योगी सरकार ने बढ़ाकर करीब साढ़े तीन हजार करोड़ रुपये कर दिया है। मंत्री ने बताया कि इस वर्ष 37 लाख छात्रों को छात्रवृत्ति देने का लक्ष्य रखा गया है। साथ ही आर्थिक रूप से कमजोर पिछड़ा वर्ग के 1.05 लाख परिवारों की बेटियों के विवाह के लिए अनुदान दिया जाएगा। 30 हजार युवाओं को ट्रिपल—सी और ओ—लेवल का प्रशिक्षण भी उपलब्ध कराया जाएगा।उन्होंने बताया कि प्रदेश के करीब 12.5 लाख दिव्यांगजन वर्तमान में एक हजार रुपये प्रतिमाह पेंशन प्राप्त कर रहे हैं। सरकार इसे बढ़ाकर 1500 रुपये प्रतिमाह करने जा रही है। इसके अलावा दिव्यांग बच्चों की शिक्षा निशुल्क की गई है और 60 करोड़ रुपये की लागत से ई—ट्राइसाइकिल वितरण योजना भी शुरू की जाएगी।

मंत्री नरेंद्र कश्यप ने बताया कि प्रयागराज में दोनों मंडलों की समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि सभी पात्र लाभार्थियों तक सरकार की योजनाओं का लाभ समयबद्ध तरीके से पहुंचाया जाए।

नकली नोटों की तस्करी में शामिल एक और आरोपी गिरफ्तार, 700 रुपये की जाली मुद्रा और 4,110 रुपये नकद बरामद

लखनऊ(आरएनएस)। पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ की दुबग्गा थाना पुलिस ने नकली भारतीय मुद्रा की तस्करी और वितरण के मामले में एक वांछित आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 700 रुपये की नकली भारतीय मुद्रा और नकली नोटों को बाजार में चलाकर अर्जित किए गए 4,110 रुपये की वास्तविक भारतीय मुद्रा बरामद की है।पुलिस के अनुसार, 11 जुलाई को दुबग्गा पुलिस ने संजीव कुमार मिश्रा को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 6,500 रुपये की नकली भारतीय मुद्रा बरामद की थी। इस मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 179 और 180 के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे न्यायिक अभिरक्षा में भेजा गया था। पूछताछ के दौरान संजीव कुमार मिश्रा ने खुलासा किया कि नकली नोट उसे सुधीर यादव उपलब्ध कराता था।इस सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए 13 जुलाई की रात करीब नौ बजे मुखबिर की सूचना पर बरी कलां पावर हाउस के पीछे से सुधीर यादव (25 वर्ष) को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से 500 रुपये का एक और 100 रुपये के दो नकली नोट, कुल 700 रुपये की जाली भारतीय मुद्रा बरामद हुई।पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह नकली नोटों को कम कीमत पर उपलब्ध कराने के साथ—साथ बाजार, दुकानों और शराब की दुकानों सहित विभिन्न स्थानों पर असली नोट बताकर चलाता था। उसने यह भी बताया कि नकली नोटों के जरिए प्राप्त वास्तविक धन से वह अपना और अपने परिवार का भरण—पोषण करता था। आरोपी के निशानदेही पर पुलिस ने 4,110 रुपये की वास्तविक भारतीय मुद्रा भी बरामद की, जिसे उसने नकली नोट चलाकर प्राप्त करना स्वीकार किया।पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय में पेश कर न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया है।पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी का आपराधिक इतिहास भी है। उसके विरुद्ध सरोजनीनगर और ठाकुरगंज थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत दो मुकदमे पहले से दर्ज हैं।पुलिस कमिश्नरेट लखनऊ ने बताया कि जनपद में नकली भारतीय मुद्रा के अवैध कारोबार में संलिप्त अपराधियों के विरुद्ध अभियान लगातार जारी है और इस नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की तलाश की जा रही है।

डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और हाइपरटेंशन को हल्के में न लें- डा. दिलीप चौरसिया

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय के यमुना परिसर स्थित त्रिवेणी बहुउद्देशीय भवन में रविवार को पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में विश्वविद्यालय के पूर्व छात्र उपस्थित हुए।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रोफेसर दिलीप चौरसिया, विभागाध्यक्ष यूरोलॉजी, मोतीलाल नेहरू मेडिकल कॉलेज, प्रयागराज ने अपने छात्र जीवन के अनुभवों को साझा करते हुए जीवनोपयोगी चिकित्सीय सुझाव और संस्मरण सुनाए। मुक्त विश्वविद्यालय में एमबीए के छात्र रहे प्रोफेसर चौरसिया ने कहा कि उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय पूरे प्रयागराज में ही नहीं बल्कि उत्तर प्रदेश में कार्यरत एवं दूर दराज के विद्यार्थियों को ज्ञानार्जन के लिए अध्ययन की जिजीविषा को पूरा करने का कार्य कर रहा है। उन्होंने अपने जीवन के अनेक अनुभव को सभी के साथ साझा करते हुए लोगों को सुरक्षित और सफल जीवन जीने के कई स्वास्थ्य उपाय भी बताएं। उन्होंने कहा उत्तम स्वास्थ्य सबसे बड़ी पूंजी है, इसलिए डायबिटीज, ब्लड प्रेशर और हाइपरटेंशन को हल्के में नहीं लेना चाहिए।

समारोह की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर सत्यकाम ने सभी पुरातन छात्रों का उत्साह वर्धन करते हुए कहा कि किसी विश्वविद्यालय में उसके छात्र ही उसकी शक्ति होते हैं। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा में छात्रों को उत्साह और मार्गदर्शन देने में इस प्रकार के आयोजनों से बहुत लाभ मिलता है। ऐसे आयोजन छात्रों और विश्वविद्यालय के बीच सेतु का काम करते हैं।

समारोह के विशिष्ट अतिथि निशांत दुबे, सहायक महाप्रबंधक यूनियन बैंक ऑफ इंडिया नई दिल्ली और इलाहाबाद विश्वविद्यालय के शिक्षक डॉ धनंजय चोपड़ा ने भी अपने विचार व्यक्त किए।प्रारंभ में पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष प्रोफेसर ज्ञान प्रकाश यादव ने पुरातन छात्र सम्मेलन की भूमिका और कार्य प्रणाली से लोगों को अवगत कराया। उन्होंने अतिथियों एवं आगंतुकों का स्वागत किया। इस अवसर पर देश के विभिन्न शहरों से आये विश्वविद्यालय के पुरातन छात्रों ने सम्मेलन में भाग लिया, जिनमें से डॉ सुग्रीव सिंह, डॉ हेमंत शुक्ला, डॉ बुद्ध प्रिया, डॉ रेवा सिंह, जे एन यादव, अमन गोयल, डॉ सत्यव्रत शुक्ला एवं श्री आदित्य शर्मा इत्यादि पुराछात्रों ने अपने अपने विचार और अनुभव साझा किए। कार्यक्रम का संचालन प्रोफेसर छत्रसाल सिंह व कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर सीमा सत्यकाम डॉ विदुला दिलीप, पुरातन छात्र परिषद के पदाधिकारी प्रो मीरा पाल, डॉ साधना श्रीवास्तव, डॉ सतीश चंद्र जैसल, डॉ सी के सिंह, मनोज बलवंत आदि उपस्थित रहे।

यूपी की होम स्टे और बेड एंड ब्रेकफास्ट नीति में बड़ा बदलाव, अब 8 कमरे तक होंगे पंजीकरण के पात्र

लखनऊ, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार ने बेड एंड ब्रेकफास्ट एवं होम स्टे नीति—2025 को अधिक व्यावहारिक और लोकप्रिय बनाने के उद्देश्य से इसके कई प्रावधानों में संशोधन किया है। संशोधित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत अब होम स्टे और बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों में पहले की तुलना में अधिक कमरों का पंजीकरण कराया जा सकेगा। साथ ही पंजीकरण प्रमाणपत्र के ऑटो रिन्यूअल की प्रक्रिया को भी सरल बनाया गया है।प्रदेश के पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि संशोधित एसओपी के अनुसार अब होम स्टे प्रतिष्ठानों में न्यूनतम एक और अधिकतम आठ कमरे पंजीकृत कराए जा सकेंगे। हालांकि, जिन भवनों में नौ या उससे अधिक कमरे होंगे, वे इस नीति के तहत पंजीकरण के पात्र नहीं होंगे। उन्होंने कहा कि होम स्टे की मूल अवधारणा को बनाए रखने के लिए प्रतिष्ठान का मालिक या उसका परिवार उसी भवन में निवासरत होना अनिवार्य रहेगा।मंत्री ने बताया कि बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों के लिए भी यही व्यवस्था लागू की गई है। इनमें भी एक से आठ कमरों तक पंजीकरण कराया जा सकेगा। इसके अलावा 16 बिस्तरों वाली डॉरमेट्री को भी इस श्रेणी में पात्र इकाई के रूप में शामिल किया गया है। पहले यह सीमा 12 बिस्तरों तक ही थी।उन्होंने कहा कि होम स्टे, ग्रामीण होम स्टे और बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों के पंजीकरण प्रमाणपत्र का ऑटो रिन्यूअल अब उत्तर प्रदेश पर्यटन विभाग के पोर्टल पर आवेदक स्वयं कर सकेंगे। यह प्रक्रिया प्रमाणपत्र की वैधता समाप्त होने से तीन माह पहले शुरू की जा सकेगी।जयवीर सिंह ने बताया कि यदि कोई आवेदक निर्धारित समय के भीतर ऑटो रिन्यूअल नहीं कराता है, तो उसके आवेदन पर निर्णय जिला स्तरीय समिति करेगी। इसके लिए आवेदक को विलंब का पर्याप्त और उचित कारण प्रस्तुत करना होगा।उन्होंने बताया कि इससे पहले जारी एसओपी के तहत होम स्टे और बेड एंड ब्रेकफास्ट प्रतिष्ठानों में अधिकतम छह कमरे ही किराये पर देने की अनुमति थी तथा डॉरमेट्री की क्षमता भी 12 बिस्तरों तक सीमित थी। संशोधन के बाद कमरों और बिस्तरों की संख्या बढ़ने से अधिक लोगों को इस नीति का लाभ मिल सकेगा और प्रदेश में पर्यटन आधारित रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा।राज्य सरकार का मानना है कि इन संशोधनों से होम स्टे और बेड एंड ब्रेकफास्ट इकाइयों का संचालन आसान होगा, पर्यटन को प्रोत्साहन मिलेगा तथा स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार और ग्रामीण पर्यटन को नई गति मिलेगी।

बहुजनों के गौरवशाली इतिहास को आसपा करेगी जिन्दा- रामबृज

प्रयागराज। आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के तत्वावधान में सेक्टर बूथ गठन हेतु ग्रामसभा पिपराव उर्फ कठौली कंचनवा में आजाद समाज पार्टी के पूर्व जिला प्रभारी उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज की अध्यक्षता में बैठक की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए पूर्व जिला प्रभारी उच्च न्यायालय के अधिवक्ता आईपी रामबृज ने बताया कि जो समाज अपना इतिहास नहीं जानता वो समाज अपना इतिहास नहीं बना सकता। शूद्र और अति शूद्रों को 6743 जातियों में बंटा गया है। सभी जाति की अपनी उपजातियों का अपना अपना इतिहास है। देश का हुक्मरान और शासक बनने के लिए बहुजन समाज को अपना गौरवशाली इतिहास पढ़ना पड़ेगा। बहुजन समाज जिस दिन अपना इतिहास जान जाएगा उसी दिन से देश से अंधविश्वास पाखण्ड और कुरीतियों का सफाया हो जाएगा।

आईपी रामबृज ने आगे बताया कि सन्त गुरु रैदास महाराज जी की अलौकिक शक्तियां, चिराग पूरी दुनियां में जलती रहे तो सत्ता के दौरान उनकी वाणी को मानस करना होगा। मंगूराम, अछूतानंद, रमापति, बांके, उदइया और ऊधम सिंह भगत सिंह जैसे क्रांतिकारी शहीदों के त्याग बलिदान संघर्ष को ऐतिहासिक रूप से प्रतिस्थापित करके जिन्दा करना होगा। सेक्टर बूथ गठन में बूथ संख्या 397 का बूथ अध्यक्ष प्रकाश चन्द्र यादव, बूथ संख्या 399 का बूथ अध्यक्ष शिवांचल बूथ संख्या 400 का बूथ अध्यक्ष रंग बहादुर आदिवासी बूथ संख्या 394 का बूथ अध्यक्ष रमेश कुमार को बनाया गया। बैठक में विधानसभा उपाध्यक्ष कौशलेश कुमार, तेरसू, विनोद कुमार, रवि कुमार, राकेश कुमार, राजू कांत, उमेश कुमार, मानिक चन्द्र, कमलेश कुमार यादव, शिव चन्द्र, गणेश कुमार, नचकऊ, राजकुमार, महेन्द्र कुमार, संगीता देवी, कल्पना देवी, सावित्री देवी आदि के साथ सैकड़ो लोग उपस्थित रहे।

वन नेशन, वन इलेक्शन पर लखनऊमें मंथन, ए.के. शर्मा बोले-एक साथ चुनाव से विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार

लखनऊ, (आरएनएस)। श्वन नेशन, वन इलेक्शनश (एक राष्ट्र—एक चुनाव) के प्रस्ताव पर विचार—विमर्श के लिए संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के सदस्यों के साथ मंगलवार को राजधानी लखनऊ के एक होटल में उच्चस्तरीय बैठक आयोजित हुई। बैठक में उत्तर प्रदेश सरकार के कई वरिष्ठ मंत्रियों ने हिस्सा लिया और इस व्यवस्था के पक्ष में अपने सुझाव प्रस्तुत किए। इस दौरान एक साथ चुनाव कराने के साथ—साथ श्वन वोटर लिस्टश की व्यवस्था का भी समर्थन किया गया।बैठक में उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही, पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह, पशुधन मंत्री धर्मपाल सिंह, पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। प्रदेश के ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ए.के. शर्मा ने संयुक्त संसदीय समिति के समक्ष अपने सुझाव रखते हुए कहा कि श्वन नेशन, वन इलेक्शनश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सोच और राष्ट्रहित में किया गया एक महत्वपूर्ण सुधार है, जिसे शीघ्र लागू किया जाना चाहिए।ए.के. शर्मा ने कहा कि वर्ष 2021 से राजनीति में सक्रिय रहने के दौरान उन्होंने लोकसभा, विधानसभा, पंचायत और नगर निकाय सहित कई चुनाव देखे हैं। उनके अनुसार, वर्ष 2021 से 2029 तक आठ वर्षों में आठ अलग—अलग चुनाव होने की स्थिति बनती है। उन्होंने कहा कि प्रत्येक चुनाव से पहले दो से तीन महीने तक पूरा प्रशासन चुनावी तैयारियों में व्यस्त रहता है और चुनाव के बाद भी कुछ समय तक सामान्य प्रशासनिक कार्य प्रभावित रहते हैं। इसका सीधा असर विकास योजनाओं के क्रियान्वयन और सरकारी कामकाज पर पड़ता है।उन्होंने कहा कि यदि पूरे देश में एक साथ चुनाव कराए जाते हैं तो चुनावों की आवृत्ति कम होगी, सरकारी खर्च में उल्लेखनीय कमी आएगी और सुरक्षा बलों की बार—बार तैनाती की आवश्यकता भी नहीं पड़ेगी। इससे प्रशासन को विकास योजनाओं और जनकल्याणकारी कार्यक्रमों पर अधिक समय और संसाधन लगाने का अवसर मिलेगा। उन्होंने यह भी कहा कि सरकारी संसाधनों का बेहतर उपयोग होगा और आम जनता को समयबद्ध एवं प्रभावी सेवाएं मिल सकेंगी।ऊर्जा एवं नगर विकास मंत्री ने बैठक में श्वन वोटर लिस्टश का भी समर्थन करते हुए कहा कि यदि पूरे देश में एक समान मतदाता सूची की व्यवस्था लागू होती है तो चुनावी प्रक्रिया और अधिक पारदर्शी, सरल तथा प्रभावी बनेगी।ए.के. शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में श्विकसित भारतश का जो लक्ष्य निर्धारित किया गया है, उसे प्राप्त करने के लिए प्रशासनिक दक्षता, नीति निर्माण में निरंतरता और विकास कार्यों की गति बनाए रखना आवश्यक है। उनके अनुसार, श्वन नेशन, वन इलेक्शनश इस दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा, जो लोकतांत्रिक व्यवस्था को अधिक मजबूत और विकासोन्मुख बनाएगा।बैठक में उपस्थित उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य सहित अन्य मंत्रिमंडल के सदस्यों ने भी इस प्रस्ताव का समर्थन करते हुए इसे देशहित में आवश्यक सुधार बताया। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने कहा कि यह व्यवस्था देश के व्यापक हित में है और इस पर सभी राजनीतिक दलों तथा समाज के विभिन्न वर्गों को सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। उन्होंने विश्वास जताया कि एक साथ चुनाव होने से लोकतंत्र और अधिक सशक्त होगा, विकास परियोजनाओं में तेजी आएगी और प्रशासनिक व्यवस्था अधिक प्रभावी बन सकेगी।बैठक में संयुक्त संसदीय समिति के सदस्यों के साथ श्वन नेशन, वन इलेक्शनश से जुड़े संवैधानिक, प्रशासनिक और व्यावहारिक पहलुओं पर विस्तार से चर्चा की गई तथा विभिन्न सुझावों पर विचार—विमर्श किया गया।

प्रयागराज, लखनऊ, कानपुर उत्तर और दक्षिण सेमीफाइनल में

वीर का आतिशी शतक, अनंत की अचूक गेंदबाजी

प्रयागराज। प्रयागराज, लखनऊ उत्तर, कानपुर उत्तर एवं कानपुर दक्षिण ने सीआईएससीई रीजनल अंडर—19 क्रिकेट प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। प्रयागराज के वीर प्रताप सिंह (112 नाबाद, 31 गेंद, नौ चौके, एक छक्का) और अनंत पाल (2—1—02—4) ने उल्लेखनीय प्रदर्शन किया।

सेंट जोसेफ कॉलेज मैदान पर रविवार से शुरू हुई प्रतियोगिता में पहले मैच में गाजियाबाद में 8 ओवर में चार विकेट पर 64 रन (दक्ष मिश्रा 14 नाबाद, सक्षम 11, उदयराज सिंह 2द14, प्रिंस कुमार व मुनिक सिंह एक विकेट) बनाए। जवाब में कानपुर दक्षिण ने 6.3 ओवर में तीन विकेट पर 67 रन (विवेक कुमार सिंह 26, आकर्षण सहगल 13, दक्ष मिश्रा, सक्षम व भव्य त्यागी एक—एक विकेट) बना लिए।दूसरे मैच में प्रयागराज ने 8 ओवर में बिना विकेट खोए 162 रन (वीर प्रताप 112 नाबाद, कर्णवीर सिंह 29 नाबाद) बनाये। जवाब में वाराणसी की टीम 8 ओवर में 5 विकेट पर 41 रन (नमन केसरवानी 31, अनंत पाल 4द02, मोहम्मद हम्माद 1द19) पर सिमट गई।

तीसरे मैच में कानपुर उत्तर ने आठ ओवर में दो विकेट पर 119 रन (अथर्व पांडेय 39, उत्कर्ष 20 नाबाद, प्रियांशु 18 नाबाद, अनुकल्प 19, अथर्व सिंह 1द25) बनाए। जवाब में आगरा की टीम 8 ओवर 5 विकेट पर 57 रन (तन्मय किशोर 29, आर्यमन व सार्थक खत्री 12—12, आयुष 2द13, उद्देश्य, अथर्व सिंह व ईशान जायसवाल एक—एक विकेट) पर सिमट गई। चौथे मैच में गोरखपुर ने 8 ओवर में 5 विकेट पर 86 रन (अनंत सिंह 26, चिराग 16, अथर्व पासवान 14 नाबाद, आलोक साहनी 14, देवांश गुप्ता 2द28, चौतन्य गौतम व आरुष एक—एक विकेट) बनाए। जवाब में लखनऊ उत्तर ने 6.3 ओवर में एक विकेट पर 89 रन (ओजस वर्मा 52, संदेश यादव 19 नाबाद, आलोक साहनी 1द12) बना लिए।

आर्यन बैनर्जी | देव प्रकाश शुक्ला | अर्चित सिंह

इससे पूर्व प्रतियोगिता का उद्घाटन सेंट जांस एकेडमी की प्रधानाचार्या एवं सीआईएससीई की जोनल कोआर्डिनेटर जरीन रिजवी ने किया। एसजेसी के प्रधानाचार्य फादर वाल्टर डिसिल्वा ने उनका स्वागत किया। एसजेसी के स्पोर्ट्स इंचार्ज शबी रफीक ने कार्यक्रम का संचालन किया।

सोमवार को कानपुर उत्तर व कानपुर दक्षिण के बीच पहला सेमीफाइनल एवं प्रयागराज व लखनऊ उत्तर के बीच दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाएगा।

गुमशुदा युवक की मौत के मामले में दंपती गिरफ्तार, एक बाल अपचारी भी संरक्षण में लिया गया

लखनऊ(आरएनएस)। राजधानी के सआदतगंज थाना क्षेत्र से लापता हुए 18 वर्षीय युवक की मौत के मामले में पुलिस ने दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि घटना में कथित रूप से शामिल एक बाल अपचारी को विधिक प्रावधानों के तहत संरक्षण में लिया गया है। पुलिस का आरोप है कि सड़क दुर्घटना में युवक के घायल होने के बाद आरोपी उसे उपचार के लिए अस्पताल ले जाने के बजाय घटनास्थल पर छोड़कर फरार हो गए थे।पुलिस के अनुसार, 17 जून 2026 को सआदतगंज निवासी आसिफ ने अपने 18 वर्षीय पुत्र मोहम्मद सैफ की गुमशुदगी दर्ज कराई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना पुलिस और सर्विलांस टीम ने तकनीकी साक्ष्यों एवं अन्य तथ्यों के आधार पर जांच शुरू की।जांच में पता चला कि 15 जून को मोहम्मद सैफ अपने एक बाल अपचारी मित्र के साथ मोटरसाइकिल से बाराबंकी जा रहा था।

वरिष्ठ पत्रकार के.के. तिवारी का निधन, पत्रकारिता और स्वास्थ्य विभाग में शोक

सुल्तानपुर। जिले के वरिष्ठ पत्रकार एवं जिला क्षय रोग (टीबी) विभाग में एसटीएलएस (सीनियर ट्रीटमेंट सुपरवाइजर) के पद पर कार्यरत के.के. तिवारी का मंगलवार तड़के निधन हो गया। उनके निधन से पत्रकारिता जगत, स्वास्थ्य विभाग और सामाजिक क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।

प्राप्त जानकारी के अनुसार मंगलवार तड़के करीब तीन बजे उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिजन उन्हें तत्काल स्वशासी राजकीय मेडिकल कॉलेज के आकस्मिक चिकित्सा कक्ष लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान सुबह करीब चार बजे चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।मृतक पत्रकार कुड़वार विकास खंड के खादर बसंतपुर ग्राम पंचायत के निवासी थे । के.के. तिवारी लंबे समय तक हिन्दुस्तान समाचार पत्र में जिला संवाददाता के रूप में कार्यरत रहे। इसके अलावा उन्होंने विभिन्न समाचार संस्थानों में भी अपनी सेवाएं दीं। निष्पक्ष, निर्भीक और जनसरोकारों से जुड़ी पत्रकारिता के कारण उन्होंने जिले में अपनी विशिष्ट पहचान बनाई थी। पत्रकारिता के साथ–साथ वह कई वर्षों से जिला क्षय रोग विभाग में एसटीएलएस के पद पर कार्यरत थे। अपने कर्तव्यनिष्ठ, सरल एवं मिलनसार व्यक्तित्व के कारण वह विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों और आमजन के बीच समान रूप से सम्मानित थे। उनके निधन का समाचार मिलते ही पत्रकारों, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों, सामाजिक संगठनों तथा शुभचिंतकों ने गहरा शोक व्यक्त किया। सभी ने दिवंगत आत्मा की शांति और शोकाकुल परिवार को इस असहनीय दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की। दोपहर में कुड़वार घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। उनके इकलौते पुत्र नीतीश तिवारी ने नम आंखों से अपने पिता को मुखाग्नि दी। वरिष्ठ पत्रकार के.के. तिवारी के निधन को जिले की पत्रकारिता और स्वास्थ्य विभाग के लिए अपूरणीय क्षति माना जा रहा है।

केबी डिग्री कश्लेज में सप्त दिवसीय 'बोधि पथ कार्यशाला' का आयोजन, बुद्ध के सिद्धांतों को बताया सतत विकास की कुंजी

मीरजापुर।अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान, लखनऊ एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में के0 बी0 डिग्री कॉलेज के बीएड विभाग में सप्त दिवसीय बोधि पथ कार्यशाला 2026 का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष श्री लालबहादुर सरोज ने कहा कि षबौद्ध धर्म का मध्यम मार्ग और पर्यावरण के प्रति अहिंसा का सिद्धांत आधुनिक सतत विकास के लक्ष्यों के सबसे करीब है। बुद्ध के उपदेशों के अनुसार पेड़ों, नदियों एवं वन्य जीवों के संरक्षण का महत्व आज समाज में सबसे अधिक प्रासंगिक है। पर्यावरण को नुकसान पहुंचाये बिना संसाधनों का प्राकृतिक उपयोग ही पर्यावरण संरक्षण की कुंजी है।ष उन्होंने कहा कि यह कार्यशाला आम जनमानस को जागरूक करने के उद्देश्य से आयोजित की गई है।

विशिष्ट अतिथि नगर पालिका अध्यक्ष श्री श्याम सुंदर केसरी ने कहा, षआज के समय में युद्ध की नहीं बल्कि बुद्ध की आवश्यकता है।ष उन्होंने पर्यावरण संरक्षण पर विशेष ध्यान देने पर जोर दिया।

विषय को स्पष्ट करने हेतु बीज वक्तव्य डॉ रविंद्र प्रताप सिंह ने दिया। कार्यक्रम के संयोजक एवं संचालक डॉ. कुलदीप पांडे रहे।

इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर रविंद्र कुमार द्विवेदी, प्रो. बीना देवी सिंह, माँ विंध्यवासिनी विश्वविद्यालय के कुल सचिव श्री रामनारायण जी, परीक्षा नियंत्रक श्री हरिश्चंद्र जी, श्री विभूति कुमार मिश्रा, प्रोफेसर नम्रता मिश्रा, प्रोफेसर भवभूत मिश्रा, प्रोफेसर भानु प्रताप सिंह, प्रोफेसर इंदु भूषण द्विवेदी समेत कई शिक्षाविद और गणमान्य लोग उपस्थित थे।

सात दिन तक चलने वाली इस कार्यशाला में बौद्ध दर्शन, पर्यावरण संरक्षण और सतत विकास पर विभिन्न सत्र आयोजित किए जाएंगे।

जय जगन्नाथ! ब्रजभूमि पर गूंजेगा रथ का जयघोष

16 जुलाई को इस्कॉन मथुरा में भव्य जगन्नाथ रथ यात्रा, भक्तों के लिए खुले स्वर्ग के द्वार

राधा अश्र्किड से शुरू होकर शहर के 10 प्रमुख मार्गो से गुजरेगी भगवान की सवारी। भजन-कीर्तन, छप्पन भोग और महाआरती से गुंजायमान होगा मथुरा। इस्कश्न ने की विशाल तैयारियां।

(मथुरा)(ए.के.

द्वापर की पावन भूमि मथुरा में इस बार भगवान श्रीकृष्ण के बड़े भाई भगवान जगन्नाथ नगर भ्रमण पर निकलेंगे। इस्कॉन मथुरा के तत्वावधान में गुरुवार 16 जुलाई 2026 को भव्य जगन्नाथ रथ यात्रा का आयोजन किया जाएगा।

षलार्ड जगन्नाथ इज कॉलिंग यूष के आह्वान के साथ इस्कॉन ने भक्तों से अपील की है कि वे इस दिव्य आयोजन का हिस्सा बनकर पुण्य के भागी बनें।

इस्कॉन के संस्थापक आचार्य श्रील प्रभुपाद की इच्छा थी कि दुनिया भर में राधा–कृष्ण मंदिर और रथ यात्रा का प्रचार हो। उसी संकल्प को साकार करते हुए इस्कॉन मथुरा राधा ऑर्किड से दोपहर 4रू30 बजे भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा का विशाल रथ निकालेगा।

यात्रा का मार्ग राधा ऑर्किड, मसानी, मिलन तिराहा, चौक बाजार, होली गेट, भरतपुर गेट, कल्यान करौली और राधा ऑर्किड पर यात्रा संपन्न होगी। रास्ते में रूपम सिनेमा और डीग गेट पर विशेष स्वागत की तैयारियां की गई हैं। यात्रा शाम 7रू45 बजे संध्या आरती के साथ संपन्न होगी।

दिनभर रहेगा भक्तिमय माहौल

इस्कॉन प्रवक्ता के अनुसार कार्यक्रम दोपहर 2रू30 बजे भजन कीर्तन से शुरू होगा। 3रू00 बजे लंच प्रसादम और अतिथियों का आगमन, 3रू15 बजे भगवान जगन्नाथ का स्वागत, 3रू30 बजे सांस्कृतिक कार्यक्रम और 3रू45 बजे छप्पन भोग अर्पण किया जाएगा।

शाम 4रू15 बजे महाआरती के बाद रथ यात्रा शुरू होगी। यात्रा के समापन पर रात 8रू00 बजे डिनर प्रसादम का वितरण होगा। इस आयोजन को लेकर ब्रजवासियों में भारी उत्साह है। इस्कॉन मथुरा के पदाधिकारियों ने बताया कि रथ यात्रा का उद्देश्य सिर्फ दर्शन नहीं, बल्कि पूरे समाज में प्रेम, करुणा और भक्ति का संदेश फैलाना है।

श्रील प्रभुपाद का संकल्प

षमैं चाहता हूं कि मेरे शिष्य पूरी दुनिया में राधा–कृष्ण मंदिर खोलें और रथ यात्रा महोत्सव मनाएंष – यही था इस्कॉन के संस्थापक श्रील प्रभुपाद का सपना, जिसे अब मथुरा की धरती पर साकार किया जा रहा है।

ठगी गिरोह का भंडाफोड़, 7 आरोपी गिरफ्तार

जौनपुर। लाइन बाजार थाना पुलिस ने फर्जी मल्टी लेवल मार्केटिंग और पिरामिड चेन नेटवर्क के जरिए बेरोजगार युवाओं को नौकरी का झांसा देकर करोड़ों रुपये की ठगी करने वाले एक अंतरराज्यीय गिरोह का पर्दाफाश किया है। पुलिस ने गिरोह के सरगना सहित सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। गिरोह उत्तर प्रदेश समेत अन्य राज्यों में भी सक्रिय बताया जा रहा है और बेरोजगार युवाओं को अपना शिकार बनाकर ठगी करता था। पुलिस आरोपियों के कब्जे से 11 मोबाइल फोन, एक महिंद्रा थार कार, एक बुलेट, एक पल्सर मोटरसाइकिल, नकदी तथा कंपनी से जुड़े कई संदिग्ध दस्तावेज बरामद किए हैं। साथ ही ठगी के जाल में फंसे करीब 30 युवक–युवतियों को सुरक्षित रेस्क्यू कर मुक्त कराया गया। पुलिस के अनुसार आरोपी फर्जी कंपनी संचालित कर एक डस्ड कंपनी की फ्रेंचाइजी के जरिए युवाओं को 25 हजार प्रतिमाह नौकरी का लालच देकर वाराणसी बुलाते थे। वहां कॉरपोरेट ऑफिस जैसा माहौल तैयार कर इंटरव्यू लिया जाता था और रजिस्ट्रेशन के नाम पर प्रत्येक युवक से 30 से 35 हजार तक वसूले जाते थे। इसके बदले उन्हें मामूली सामान की किट देकर ट्रेनिंग सेंटर भेज दिया जाता था।

पुलिस जांच में मुख्य आरोपी राहुल राजभर के बैंक खाते में करीब 34 करोड़ रुपये के लेन–देन की जानकारी सामने आई है। गिरफ्तार आरोपियों में राहुल राजभर, संतोष कुमार पटेल, हवलदार पाल, प्रदीप पाल, चंदन दोहरे, रितेश राजभर और अरविंद राजभर शामिल हैं।

'गोविन्दनगर पुलिस का ऑपरेशन प्रहार'

12 घंटे में 2 शातिर चाकूबाज गिरफ्तार, अवैध चाकू बरामद

- मसानी और डीग गेट क्षेत्र में चेकिंग के दौरान दबोचे गए मुईन और गोकुल

-दोनों पर आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज। एसपी के निर्देश पर चलाया जा रहा अभियान

(मथुरा)(ए.के.शर्मा)

अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे ऑपरेशन प्रहार के तहत थाना गोविन्दनगर पुलिस ने 12 घंटे के अंदर 2 शातिर चाकूबाजों को गिरफ्तार कर बड़ी कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने दोनों आरोपियों के कब्जे से अवैध चाकू बरामद किए हैं।

पहली गिरफ्तारी 13 जुलाई की रात 11रू22 बजे थानाध्यक्ष अजय वर्मा और चौकी प्रभारी मसानी उपनिरीक्षक महेन्द्र सिंह के नेतृत्व में पुलिस टीम पुरानी रेलवे लाइन पर पुलिया से 40 कदम आगे गोविन्दनगर की ओर चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान संदिग्ध अवस्था में घूम रहे 22 वर्षीय मुईन पुत्र लालो, निवासी भरतपुरगेट घियामण्डी थाना कोतवाली को रोका गया। तलाशी में उसके पास से अवैध चाकू बरामद हुआ। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर मुकदमा अपराध संख्या 286ध2026 धारा 4ध25 आर्म्स एक्ट में मुकदमा दर्ज किया। वहीं, दूसरी गिरफ्तारी अगले दिन 14 जुलाई की रात 12रू40 बजे पुलिस

टीम ने हरिकेश गौतम वाली गली के सामने 80 फुटा रोड, चौकी क्षेत्र डीग गेट पर चेकिंग के दौरान गोकुल पुत्र महेश, निवासी कंस गली मण्डीरामदास थाना गोविन्दनगर उम्र 22 वर्ष को दबोचा। उसके पास से भी 1 अवैध चाकू बरामद हुआ। उसके खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 287ध2026 धारा 4ध25 आर्म्स एक्ट पंजीकृत किया गया।

थानाध्यक्ष अजय वर्मा ने बताया कि वरिष्ठ अधिकारियों के निर्देश पर क्षेत्र में अपराध रोकने के लिए ऑपरेशन प्रहार चलाया जा रहा है। अवैध हथियार रखने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है।

पहली कार्रवाई में उपनिरीक्षक महेन्द्र सिंह, कांस्टेबल अंकित बाबू, कांस्टेबल प्रांजल सागर और दूसरी कार्रवाई में हेड कांस्टेबल राघवेन्द्र शर्मा, हेड कांस्टेबल ऋषभदेव सिंह, रिक्रूट कांस्टेबल अभिषेक कुमार शामिल थे। उन्होंने बताया कि मथुरा पुलिस द्वारा चलाया जा रहा विशेष अभियान। इसका उद्देश्य अवैध हथियार, शराब और अपराधियों पर लगाम लगाना है। रात में संवेदनशील जगहों पर सघन चेकिंग की जाती है।

मीरजापुर के लाल पेड़ा कारोबारियों को मिलेगी आर्थिक उड़ान

लाल पेड़ा कारोबार से जुड़े व्यवसायियों को प्रोत्साहित करने के लिए योगी सरकार दे रही भारी अनुदान

एक जिला एक व्यंजन (ODOC) योजना के तहत मीरजापुर के लाल पेड़ा को किया था शामिल

मीरजापुर। हस्त निर्मित कालीनों के लिए प्रसिद्ध मीरजापुर के पारंपरिक स्वाद को वैश्विक पटल पर पहचान दिलाने के लिए प्रदेश की योगी सरकार एक जिला–एक व्यंजन यानि ओडीओसी योजना के तहत चयनित लाल पेड़ा के कारोबार को प्रोत्साहित करने के लिए अनुदान प्रदान करेगी। सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत कुछ दिनों पहले ही लाल पेड़ा का चयन किया गया है। सरकार की ओर से दी जा रही आर्थिक मदद लाल पेड़ा को वैश्विक पहचान दिलाने के साथ ही इसके कारोबार से जुड़े कारीगरों के लिए आर्थिक समृद्धि के द्वार खोलने का भी काम करेगी।

जिला उद्योग केंद्र के उपायुक्त संदीप कुमार ने बताया कि एक जिला–एक व्यंजन योजना के तहत 25 लाख रुपए से लेकर 5 करोड़ रुपए तक की परियोजना लागत पर उद्यमी को अनुदान प्रदान किया जाएगा। परियोजना लागत 25 लाख रुपए तक पर अनुदान राशि 25 प्रतिशत, 25 लाख से अधिक और 50 लाख तक पर परियोजना लागत का 20 प्रतिशत, 50 लाख से अधिक एवं 1.5 करोड़ रुपए तक पर परियोजना लागत का 10 प्रतिशत या 10 लाख में से जो अधिक हो और 1.5 करोड़ से अधिक की परियोजना लागत पर 10 प्रतिशत या 50 लाख में से जो कम हो, वह अनुदान प्रदान किया जाएगा।

उपायुक्त ने बताया कि जनपद में लाल पेड़ा बनाने की लगभग 65 ईकाइयां क्रियाशील हैं, जहां लगभग 400 लोग इस कारोबार से जुड़े हुए हैं। बताया कि सामान्य श्रेणी के लाभार्थी को परियोजना लागत का 10 प्रतिशत स्वयं के अंशदान के रूप में जमा करना होगा। अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, ट्रांसजेंडर, महिला एवं दिव्यांग लाभार्थी को परियोजना लागत का 5 प्रतिशत स्वयं के अंशदान के रूप में जमा करना होगा। उद्यम शुरू करने के दो वर्ष बाद सफलतापूर्वक संचालित होने पर अनुदान राशि बैंक ऋण में समायोजित की जाएगी। बताया कि अनुदान प्राप्त करने के लिए संबंधित उद्यमी विभागीय पोर्टल के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। उद्यमियों को प्रोत्साहित करने के मकसद से सरकार मार्जिन मनी के रूप में अनुदान प्रदान करेगी। इससे ओडीओसी के अंतर्गत चयनित लाल पेड़ा से जुड़े उद्यमियों के काम को बढ़ावा मिलेगा।

प्रशिक्षण से बढ़ेगी पेड़ा की मिठास, निखरेगा हुनर

उन्होंने बताया कि लाल पेड़ा बनाने वाले मीरजापुर के कारीगरों के पारंपरिक हुनर को आधुनिक तकनीक से जोड़ने के लिए सरकार विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी चलाएगी। इसमें व्यंजनों की पैकेजिंग, गुणवत्ता, स्वच्छता के मानक और लंबी शेल्फ–लाइफ सुनिश्चित करने के गुर सिखाए जाएंगे। जिससे मीरजापुर के बने ये लाल पेड़े बिना खराब हुए देश–विदेश के बाजारों तक पहुंच सकें।

डीएम के निर्देश पर शारदा सहायक नहर के कुलाबों का होगा कायाकल्प

सुल्तानपुर। जनपद में किसानों को बेहतर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला प्रशासन ने शारदा सहायक खंड–16 की बायीं नहर के कुलाबों के कायाकल्प का निर्णय लिया है। जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह के निर्देश पर ग्राम सुकरेशिया से वेदहा मार्ग के किनारे स्थित सभी कुलाबों का जीर्णोद्धार कराया जाएगा। योजना के पूरा होने पर लगभग 100 हेक्टेयर अतिरिक्त कृषि भूमि सिंचाई के दायरे में आ जाएगी। जिला प्रशासन के अनुसार क्षेत्र के किसान लंबे समय से नहर का पानी खेतों तक पर्याप्त मात्रा में न पहुंचने की समस्या से जूझ रहे थे। कुलाबों के कायाकल्प के बाद नहर का पानी आसानी से खेतों तक पहुंचेगा, जिससे सिंचाई व्यवस्था में सुधार होगा, खेती की लागत कम होगी और कृषि उत्पादन बढ़ने की संभावना है। जिलाधिकारी इंद्रजीत सिंह ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि कार्य निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्ता एवं पारदर्शिता के साथ पूरा कराया जाए। उन्होंने कहा कि किसानों से जुड़े विकास कार्यों में किसी प्रकार की लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी और सभी निर्माण कार्य शासन के निर्धारित मानकों के अनुरूप कराए जाएं। योजना के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी शारदा सहायक खंड–16 के अधिशासी अभियंता शरद कुमार एवं सहायक अभियंता मंगल यादव को सौंपी गई है। दोनों अधिकारियों को कार्य में तेजी लाकर किसानों को समय पर सिंचाई सुविधा उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। स्थानीय किसानों ने जिला प्रशासन की इस पहल का स्वागत करते हुए कहा कि कुलाबों के जीर्णोद्धार से वर्षों पुरानी सिंचाई समस्या का समाधान होगा। समय पर पानी मिलने से फसलों की पैदावार बढ़ेगी और किसानों की निजी सिंचाई संसाधनों पर निर्भरता भी कम होगी। जिलाधिकारी ने किसानों से जल संरक्षण की अपील करते हुए कहा कि सिंचाई पूरी होने के बाद नहर का पानी अनावश्यक रूप से न बहने दें तथा आवश्यकता के अनुसार ही उपयोग करें। उन्होंने कहा कि जल संसाधनों के संरक्षण से अधिक से अधिक किसानों को सिंचाई का लाभ मिल सकेगा।

स्वच्छता में लापरवाही बर्दाश्त नहीं जिलाधिकारी

जौनपुर। जिलाधिकारी सैमुअल पॉल एन. ने जिला स्वच्छता समिति की बैठक में अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि स्वच्छता अभियान केवल सरकारी कार्यक्रम नहीं, बल्कि जनभागीदारी से सफल होने वाला जनआंदोलन है। किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में व्यक्तिगत शौचालय निर्माण एवं उपयोग, सामुदायिक शौचालयों की कार्यशीलता, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन तथा रिसोर्स रिकवरी सेंटर की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई।जिलाधिकारी ने निर्देश दिया कि सभी ग्राम पंचायतों में निर्धारित रोस्टर के अनुसार डोर–टू–डोर कूड़ा संग्रहण नियमित रूप से कराया जाए तथा प्रत्येक रिसोर्स रिकवरी सेंटर का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए, ताकि ठोस अपशिष्ट का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण हो सके। उन्होंने खुले में शौच मुक्त स्थिति को स्थायी बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए सभी खंड विकास अधिकारियों और सहायक विकास अधिकारियों को निर्देशित किया कि ग्राम सचिवों एवं सफाई कर्मचारियों के माध्यम से प्रतिदिन सुबह–शाम निगरानी कराई जाए तथा ग्रामीणों को शौचालयों के नियमित उपयोग के लिए लगातार जागरूक किया जाए। सामुदायिक शौचालयों की समीक्षा के दौरान डीएम ने कहा कि सभी शौचालय पूरी तरह क्रियाशील रहें तथा उनमें साफ–सफाई, पेयजल और अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हों। उन्होंने प्रत्येक सामुदायिक शौचालय में प्रमुखता से यह संदेश अंकित कराने के निर्देश दिए किकृ "अपने बाद आने वाले दूसरे व्यक्ति के लिए शौचालय साफ रखें।" बैठक में प्लास्टिक अपशिष्ट प्रबंधन, व्यक्तिगत शौचालय निर्माण, सामुदायिक शौचालयों, रिसोर्स रिकवरी सेंटर तथा अंत्येष्टि स्थलों की भी समीक्षा की गई। जिन विकास खंडों में कार्यों की प्रगति धीमी मिली, वहां निर्धारित समय गए।

वृन्दावन में भक्तिके नाम पर 2.90 करोड़ की लूट!

बाबा बनकर आए भक्त को ही लूट लिया, पुलिस ने 4 राज्यों के शातिर दबोचे

प्रेमानंद महाराज के शिष्य के पिता से गैस्ट हाउस संचालकों ने की ठगी। 2 करोड़ नगद, वोक्सवैगन कार, सोना-चांदी और आईफोन बरामद। धमकी देकर बाबा को गुजरात भगाया।

(मथुरा / जैत)

वृन्दावन में भक्ति करने आए एक बुजुर्ग भक्त को गैस्ट हाउस संचालकों और उनके साथियों ने निशाना बना लिया। आरोपियों ने बाबा की जीवन भर की कमाई 2 करोड़ 90 लाख 10 हजार रुपये पर हाथ साफ कर दिया। थाना जैंत पुलिस ने 4 राज्यों से आए इस शातिर गिरोह को दबोचकर 2 करोड़ 60 लाख 12 हजार की संपत्ति बरामद कर ली है।

गुजरात के गांधीनगर निवासी राकेश प्रजापति के पुत्र मानव करीब 4 महीने से वृन्दावन में प्रेमानंद महाराज के आश्रम में दीक्षित होकर रह रहे थे। पुत्र की भक्ति देखकर राकेश प्रजापति ने भी सब कुछ बेचकर वृन्दावन में बसने का फैसला किया। उन्होंने गुजरात में मकान, दुकान, वाहन बेचकर सुनरख में फ्लैट

लिया और स्कूटर–मोटरसाइकिल खरीदी। इसी दौरान फ्लैट के पास गैस्ट हाउस चलाने वाले आलोक और राजन से उनकी दोस्ती हो गई। बाबा ने अपनी पूरी जमा पूंजी की बात इनसे साझा की। बस फिर क्या था, आरोपियों ने लूट की साजिश रच ली।

पिछले दिनों आलोक बाबा को मांट क्षेत्र में कुटिया के लिए प्लाट दिखाने ले गया। इसी बीच उसके साथी राजन, प्रेम सागर और हीरेन टाटा पंच कार से बाबा के फ्लैट पहुंचे। ताला तोड़कर अलमारी और बेड में रखे 2 करोड़ 90 लाख 10 हजार रुपये नगद चोरी कर फरार हो गए। जब बाबा को शक हुआ तो आरोपियों ने उल्टा उन्हें ही धमकाया। कहा, षतुमने आलोक का अपहरण कर लिया है, जेल चले जाओगे। शिकायत की तो तुम्हें और बेटे को जान से मार देंगे।ष डरे–सहमे बाबा गुजरात चले गए और बीमार पड़ गए। बाबा ने हिम्मत करके थाना जैंत में शिकायत दर्ज कराई। थानाध्यक्ष सोनू कुमार और सर्विलांस प्रभारी विकास शर्मा के नेतृत्व में टीम गठित की गई। मुखबिर की सूचना पर 14 जुलाई 2026 को दोपहर 2रू30 बजे सुनरख रोड से एनएच–19 जाने वाले मार्ग पर घेराबंदी कर चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों से 2 करोड़ रुपये नगद बरामद किए। बाकी 60 लाख 12 हजार से खरीदी गई 1 वोक्सवैगन वर्टिस कार, टाटा पंच कार, आईफोन 17 प्रो मैक्स, आईफोन 17 प्रो, सैमसंग फोल्ड 7, सोने–चांदी के जेवर, ब्रांडेड घड़ी, कपड़े–जूते, जिम और स्विमिंग किट भी जब्त की गई। गिरफ्तार आरोपित गैस्ट हाउस संचालक राजन निवासी फरीदाबाद, हरियाणा, गैस्ट हाउस संचालक आलोक निवासी कुशीनगर (उत्तर प्रदेश), प्रेम सागर निवासी सूरत, गुजरात और हीरेन निवासी सूरत, गुजरात के खिलाफ मुकदमा अपराध संख्या 446ध26 धारा 305/331(3)/317(2)/3(5) बीएनएस में मुकदमा दर्ज है।

थानाध्यक्ष सोनू कुमार ने बताया कि आरोपियों ने भक्ति और आस्था का फायदा उठाकर बुजुर्ग को ठगा। 20 सदस्यीय पुलिस टीम ने 4 राज्यों में फैले इस नेटवर्क को तोड़कर बड़ी कामयाबी हासिल की है।

लूट का पैसा कैसे उड़ाया?

2 करोड़ नगद रखा, 60 लाख से खरीदी वोक्सवैगन कार, महंगे पचीवदम, सोने–चांदी के जेवर, ब्रांडेड जूते–कपड़े और जिम किट। 4 महीने में ही उड़ा दी आधी रकम।

भाजपा में डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण पर जोर

जौनपुर । भारतीय जनता पार्टी जौनपुर की मासिक संगठनात्मक बैठक आज सराय ख्वाजा स्थित जिला महामंत्री अजय सिंह के आवास पर हुई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति ने की, जिसमें आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की गई। मुख्य वक्ता पूर्व विधायक सुरेन्द्र प्रताप सिंह ने कहा कि बदलते समय के साथ राजनीति और संगठन के काम करने का तरीका भी बदला है आज के युग में तकनीक और सोशल मीडिया जनता से जुड़ने का सबसे सशक्त माध्यम हैं इसी को ध्यान में रखते हुए भाजपा अपने कार्यकर्ताओं के लिए एक विशेष डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण वर्ग शुरू की है। जिला अध्यक्ष ने सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं से इस डिजिटल लर्निंग प्रशिक्षण वर्ग में बढ़–चढ़कर हिस्सा लेने का आह्वान किया ताकि संगठन को और अधिक तकनीकी रूप से सक्षम और प्रभावी बनाया जा सके। बैठक में अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी ढंग से संचालित करने की रणनीति पर विस्तार से चर्चा की गई बदलते समय के साथ प्रत्येक कार्यकर्ता का तकनीकी रूप से दक्ष होना आवश्यक है। उन्होंने सभी कार्यकर्ताओं से समयबद्ध तरीके से डिजिटल लर्निंग प्रमाण पत्र तैयार कराने का आग्रह किया डिजिटल माध्यमों के उपयोग से संगठनात्मक कार्यों में पारदर्शिता, गति और प्रभावशीलता बढ़ेगी।

सार्वजनिक घोषणा

मैं माज सरफराज पुत्र सरफराज आलम निवासी सेंटा खेड़ा, टांडा, बादली, रामपुर, उत्तर प्रदेश, यह घोषित करता हूँ कि मेरी सीबीएसई हाईस्कूल एवं इंटरमीडिएट अंकपत्र में मेरे पिता का नाम षसरफराज आलम (SARFARAZ ALAM) अंकित है जबकि सही नाम षसरफराज आलम (SARFARAZ ALAM) है। दोनों नाम एक ही व्यक्ति के हैं।

प्रधानमंत्री मोदी को मिले पुरस्कारों पर गार्जियन की हताशा

भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है।दा गार्जियन अखबार ने मोदी और भारत की छवि धूमिल करने के लिए एक अंग्रेजी मे एक लेख लिखा। जिसका सारांश यह है कि कोई झूठे भी पुरस्कार देने के लिए बुलाए तो प्रधानमंत्री मोदी दौड़े दौड़े चले जाते हैं। मतलब यह अखबार कहना चाह रहा कि मोदी पुरस्कार के भूखे हैं, साथ ही यह भी जताने की कोशिश कर रहा है, जिन देशों ने मोदी को उनकी विदेश यात्रा के दौरान पुरस्कार दिए, उनकी कोई प्रतिष्ठा नहीं हैं। इसके अलावा प्रधानमंत्री मोदी को इन देशों ने फिजूल में पुरस्कार दिए हैं। गार्जियन ने यह लेख लिख कर मोदी सहित भारत का तो अपमान किया ही है, साथ मोदी को पुरस्कार देने वाले उन देशों के नागरिकों, पुरस्कारों और उन देशों के राष्ट्रप्रमुखों का भी अपमान किया है।इस लेख की भड़ास के बावजूद पीएम मोदी को पुरस्कारों का सिलसिला थम नहीं रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को इंडोनेशिया के सर्वोच्च सम्मान 'बिंतांग आदिपूर्णा ऑफ द रिपब्लिक ऑफ इंडोनेशिया' मेडल ऑफ ऑनर से सम्मानित किया गया। यह सम्मान पीएम मोदी की इंडोनेशिया यात्रा के दौरान राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो ने प्रदान किया। वर्ष 2016 से अब तक प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को एशिया, यूरोप, अफ्रीका और अमेरिका के देशों से ऐसे 34 सम्मान मिल चुके हैं। यह किसी भी भारतीय प्रधानमंत्री को मिले सम्मानों में सबसे अधिक हैं। इनमें से कुछ सम्मान सदियों पुराने हैं, जबकि कुछ सम्मान संबंधित देशों की सम्मान प्रणाली में हाल ही में शामिल किए गए हैं। इतिहासगार्जियन का यह लेख में भारत की छवि को नुकसान पहुंचाने का कुत्सित प्रयास है। विश्व का बड़ा और प्रभावशाली शायद ही कोई देश बचा होगा जिसके प्रध ानमंत्री या राष्ट्रपति ने मोदी और भारत की तारीफ नहीं की होगी। दरअसल यह तारीफ पाश्चात्य मीडिया पचा नहीं पा रहा है, पचा इसलिए भी नहीं पा रहा है कि भारत न सिर्फ घरेलू स्तर पर बल्कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी तरक्की के झंडे गाढ़ रहा है। चंद्रयान और मंगलयान मिशन की कामयाबी इसके बड़े उदाहरण हैं। जो विकसित देश भी हासिल नहीं कर सके। यह अखबार यह भी भूल गया कि जब कोरोना काल में पूरी दुनियां में हाहाकार मचा हुआ था, तब भारत ने ही कोरोना वैक्सीन दर्जनों देशों को निशुल्क भेज कर करोड़ों लोगों की जाने बचाने का काम किया था। क्या ऐसे परोपकारी कार्यों के लिए उन्हें विदेशी पुरस्कार नहीं दिया जा सकता।गार्जियन ने इसका जिक्र कभी नही किया कि विश्व को मोदी नेतृत्व में भारत ने क्याकृक्या दिया है। भारत की यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस जैसी सस्ती और सुलभ डिजिटल पेमेंट प्रणाली नेपाल, भूटान, सिंगापुर, यूएई और मॉरीशस ने अपना लिया है। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस भारत की प्राचीन धरोहर योग को मोदी सरकार के प्रयासों से वैश्विक मान्यता मिलीघ्संयुक्त राष्ट्र द्वारा हर वर्ष 21 जून को श्अंतरराष्ट्रीय योग दिवसश के रूप में मनाया जाता है। मोदी सरकार के प्रयासों से ही अफ्रीकी संघ को जी–20 का स्थायी सदस्य बनाया गया।भारत ने प्राकृतिक आपदा के दौरान विश्व के देशों के साथ कंधे से कंधा मिला कर खड़ा रहा है। तुर्किये और सीरिया में आए भूकंप के दौरानश्मिशन सागरश्औरश्ऑपरेशन दोस्तश्के जरिए विश्व स्तर पर मानवीय सहायता पहुंचाई गई। वेनेजुएला में विनाशकारी भूकंप के बाद ऑपरेशन अमिस्ताद के तहत बचाव दल और पोर्टेबल अस्पताल भेजे गए। म्यांमार में ऑपरेशन ब्रह्मा (2025) और ऑपरेशन सहायता (2008) के तहत भूकंप व चक्रवात के दौरान भारी राहत सामग्री व चिकित्सा सुविधाएँ दी गईं। श्रीलंका में सुनामी (2004) में ऑपरेशन रेनबो और चक्रवात (2025) में ऑपरेशन सागर बंधु के माध्यम से सहायता प्रदान की गई। भारतीय नौसेना ने हालिया समुद्री सुरक्षा अभियानों (मुख्य रूप से अरब सागर और अदन की खाड़ी) में 520 से अधिक लोगों की जान बचाई है और ईरान, लाइबेरिया, माल्टा, और सेंट विंसेंट एंड द ग्रेनाडाइन्स जैसे विभिन्न देशों के झंडे वाले जहाजों को समुद्री लुटेरों से सुरक्षित मुक्त कराया है। इन अभियानों की सबसे बड़ी खासियत यह रही है कि नौसेना ने बिना किसी राष्ट्रीय भेदभाव के, पाकिस्तानी और ईरानी नागरिकों सहित कई देशों के नाविकों को भी बचाया है।

गार्जियन खासकर विदेशी मीडिया को कथित मानवाधिकारों के उल्लंघन पर भारी परेशानी है। भारत में उन्हें यह उल्लंघन नजर आता है। अंग्रेजों ने भारत पर 200 साल राज किया। अंग्रेज शासकों ने इस अवधि में भारतीयों पर अत्याचारों के सारे रिकार्ड तोड़ दिए। अंग्रेज व्यापारी बन कर आए और तानाशाह बन बैठे, खूब लूट खसौट की और भारत से सारा मालमत्ता समेट कर चंपत हो गए। आज भी कोहिनूर का हीरा इन्हीं अंग्रेजों के पास है, जो यह बताता है कि किस तरह इन्होंने भारत में लूटपाट मचाई थी। ऐसे मानवाधिकारों के उल्लंघन गार्जियन जैसे अखबारों को दिखाई नहीं देते। मानवाधिकारों के इन विदेशी पैरोकारों को जलियांवाला बाग दिखाई नहीं देता, जहां निहत्थे प्रदर्शकारियों को चारों तरफ से घेर कर एक अंग्रेज अधिकारी डायर ने गोलियों से भून डाला था।गार्जियन को यह कभी दिखाई नहीं दिया कि किस तरह केंद्र सरकार ने मुसलमानों की भलाई का एक ऐतिहासिक काम किया, जिसे करने से पूर्ववर्ती प्रधानमंत्री डरते रहे। देश की करोड़ों मुस्लिम महिलाओं को तलाक के बाद मिलने वाला कानून हक दिलवाया है। जिन्हें पहले पति तीन बार तलाक तलाक बोल कर धक्के खाने के लिए छोड़ दिया जाता था।कांग्रेस ने मुसलमानों के वोट के डर से सुप्रीम कोर्ट के शाह बानों के फैसले को ही पलट दिया था, जिसमें कोर्ट ने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था, इसके खिलाफ तत्कालीन कांग्रेस सरकार के प्रधानमंत्री राजीव गांध ी ने कानून बना दिया था। भारतीयनौसेना जानकारीविदेशी अखबारों को तकलीफ हो रही है कि मोदी राज में कैसे मानवाध िकारों का उल्लंघन हो रहा है, जब भारत ने ऐसे आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया तब खीझ उतारने के लिए कह दिया कि मोदी पुरस्कार के लिए दौड़े चले आते हैं। जिला स्तर, वार्ड स्तर, राज्यस्तर या राष्ट्रीय स्तर पर सरकारी और निजी क्षेत्र में पुरस्कार के लिए कितने पापड़ बेलने पड़ते हैं, इन्हें पाने के लिए लोग अपनी पूरी उम्र खपा देते हैं। उसमें भी जबरदस्त प्रतिस्पध ाा होती है, तब कहीं जाकर किसी एक का चयन किया जाता है। ऐसे में देशों द्वारा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर दिये जाने वाले पुरस्कार का मापदंड कितने कठोर होगा, इसकी कल्पना ही की जा सकती है। इन पुरस्कारों में पुरस्कार देने वाली सरकार के साथ उन देशों के करोड़ों लोगों की भावनाएं भी जुड़ी होती हैं। चलो मान भी लिया जाए कि किसी एक देश ने भारत से कुछ फायदा लेने के लिए कोई पुरस्कार दे दिया होगा, पर मोदी को तो दर्जनों देशों के सर्वोच्च पुरस्कार मिले हैं, तो क्या इन सब देशों को मोदी फायदा पहुंचाएंगी, वो भी सिर्फ एक पुरस्कार के कारण, यदि ऐसा हुआ होता ना तो अब तक देश में तूफान आ जाता, कांग्रेस ओर विपक्षी दलों ने आसमान सिर पर उठा लिया होता।

सम्पादकीय

समूल सुधार की जरूरत

नीट–यूजी, जेईई, सीयूईटी आदि जैसी परीक्षाओं का मौजूदा ढांचा कोई संयोगवश सामने नहीं आया है। यह नीतिगत प्राथमिकताओं का परिणाम है। पूर्व चेतावनियों के बावजूद केंद्र ने इन्हें विभिन्न स्तरों पर लागू किया है।

पेपर लीक और परीक्षा में गड़बड़ी की अनवरत घटनाओं से भड़के युवा असंतोष के बीच शिक्षा मंत्रालय की नौ सदस्यीय कमेटी इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि कोचिंग संस्थानों का दबदबा तमाम बुराइयों का मूल कारण है। कमेटी के मुताबिक इन संस्थानों को विनियमित करने की जरूरत है, लेकिन यह सिर्फ औचक निरीक्षण या गुमराह करने वाले इश्तहारों पर रोक लगा कर नहीं किया जा सकता। इसके लिए एक राष्ट्रीय कानून बनाने और नीट–यूजी, जेईई, और सीयूईटी जैसी प्रवेश परीक्षाओं का डिजाइन बदलने की जरूरत होगी। डिजाइन ऐसा होना चाहिए, जिससे छात्रों की कोचिंग संस्थानों पर निर्भरता घटे।

जून 2025 में शिक्षा मंत्रालय ने उच्चतर शिक्षा सचिव विनीत जोशी की अध्यक्षता में ये कमेटी बनाई थी। मकसद कोचिंग संस्थानों के श्डमी स्कूलश्च बन जाने की समस्या से निजात और प्रवेश परीक्षाओं की स्वच्छता सुनिश्चित करने के बारे में सुझाव देना था। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक कमेटी ने अपनी ड्राफ्ट रिपोर्ट तैयार कर ली है। संभवतरू दो हफ्तों में वह अंतिम रिपोर्ट सरकार को सौंप देगी। मगर ड्राफ्ट रिपोर्ट के बारे में सामने आई जानकारियों से नहीं लगता कि समिति समस्या की जड़ तक पहुंची है। नीट, जेईई, सीयूईटी जैसी परीक्षाओं का मौजूदा ढांचा कोई संयोगवश सामने नहीं आया है। यह नीतिगत प्राथमिकताओं का परिणाम है। सीयूईटी का प्रस्ताव जब आया, तो चेतावनी दी गई थी कि इससे स्कूली पढ़ाई का महत्त्व घटेगा और कोचिंग संस्थानों का धंधा बढ़ेगा। फिर भी नरेंद्र मोदी सरकार ने कॉलेजों में दाखिले के लिए ये नया सिस्टम लागू किया। और फिर समस्या सिर्फ इलीट परीक्षाओं तक सीमित नहीं है। पिछले हफ्ते ही महाराष्ट्र में टीचर एलिजिबिलिटी टेस्ट का पेपर लीक हो गया। परीक्षा आयोजन में ऐसी गड़बड़ियां देश भर में और जड़ तक पहुंच चुकी हैं। उनके रहते ऊपरी परीक्षाओं को दोषमुक्त बना लिया जाएगा, यह सोच अपने–आप में समस्याग्रस्त है। अतरू जोशी कमेटी की सिफारिशों से मीडिया और आम चर्चाओं को फौरी तौर पर मैनेज करने में भले कुछ कामयाबी मिल जाए, उनसे ध्वस्त होती परीक्षा व्यवस्था नहीं संभलेगी। उसके लिए जिस समग्र और समूल सुधार की जरूरत है, वह फिलहाल सरकार की सोच से बाहर है।

90 फीसदी लोगों की समस्याओं का कोई मतलब नहीं

भारत के एक स्टैंड अप कॉमेडियन हैं वीर दास। वीर दास ने अमेरिका के जॉन एफ कैनेडी सेंटर में एक शो किया था, जिसकी थीम उन्होंने रखी थी श्आई कम फ्रॉम टू इंडियाजश्। इस शो में उन्होंने भारत के विरोधाभासों के बारे में बताया था। विरोधाभास कई स्तर पर था। सामाजिक, आर्थिक, धार्मिक हर तरह के विरोधाभास पर उनकी टिप्पणी थी। जैसे वीर दास ने कहा कि हिंदू दिन में देवियों की पूजा करते हैं और रात में महिलाओं के ऊपर अत्याचार होते हैं। इस तरह की अनेक बातें थीं, जिनको लेकर भारत में खूब विवाद हुआ। वीर दास के खिलाफ प्रदर्शन हुए। उनको देश विरोधी और हिंदू विरोध ी बताया गया। उन पर पाबंदी लगाने की बात हुई।यह सिर्फ इसलिए हुआ क्योंकि उन्होंने दो भारत की तस्वीर दिखाई थी।सवाल है कि क्या देश के अंदर दो या कई पहचान, कई नाम नहीं हैं? भारत की विविधता की चर्चा होती है। लेकिन वह विविधता भौगोलिक, धार्मिक, सांस्कृतिक, भाषायी स्तर पर है तो उसे गौरवशाली बता कर प्रस्तुत किया जाता है। लेकिन सामाजिक या आर्थिक विषमताओं की जैसे ही कोई चर्चा करता है वैसे ही वह निशाने पर आ जाता। धार्मिक मामलों में भी विरोधाभासों की बात करें तो लोगों को बुरा लग जाता है। तभी सवाल है कि कैसे असली भारत की तस्वीर सामने आएगी? दूसरे भारत की ही तस्वीरें हर जगह दिखाई जाती हैं और उसी आधार पर दावा किया जाता है कि भारत तरक्की कर रहा है और आगे बढ़ रहा है, जबकि असल में ऐसा नहीं है।

मिसाल के तौर पर भारत में किसी से कहा जाएगा कि आर्थिक हालत बहुत खराब है, देश की अर्थव्यवस्था रसातल में जा रही है या आम आदमी बहुत परेशान है। तो तुरंत एक दूसरी तस्वीर पेश कर दी जाती है। यह तस्वीर दूसरे भारत की है। कहा जाता है कि अगर आर्थिक स्थिति इतनी खराब है तो लाखों की संख्या में आईफोन कैसे बिक रहे हैं? इन सवालों से लाजवाब करने की कोशिश होगी कि मॉल भरे हुए हैं, थिएटर भरे हुए हैं, महंगे फोन खरीदने के लिए लोग लाइन लगा कर खड़े हैं, महंगी गाड़ियों के लिए एडवांस बुकिंग हो रही है और कई महीनों की वेटिंग है फिर गरीबी कहां है? इस सवाल का क्या जवाब हो सकता है कि सिवाए इसके कि दो भारत हैं। एक भारत 90 या 95 फीसदी लोगों का है, जिनका जीवन संघर्षों से भरा है। जो पांच किलो अनाज से लेकर खैरात की दूसरी योजनाओं के इंतजार में रहते हैं।

पर्यावरण नहीं, अस्तित्व का प्रश्न है वनों का संरक्षण

वास्तव में यदि वर्तमान समय की आवश्यकताओं को देखा जाए तो वन महोत्सव से बड़ा कोई उत्सव नहीं हो सकता क्योंकि इसका संबंध केवल पर्यावरण से नहीं बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य से है। भारतीय परंपरा में वनों को देवतुल्य माना गया है। भारतीय संस्कृति में प्रकृति को सदैव पूजनीय माना गया है। हमारे पर्व और उत्सव केवल सामाजिक उल्लास के अवसर नहीं रहे बल्कि प्रकृति और मानव के सह–अस्तित्व के प्रतीक भी रहे हैं। आज जब पूरी दुनिया जलवायु परिवर्तन, जैव विविधता के क्षरण, प्रदूषण और जल संकट जैसी अभूतपूर्व चुनौतियों से जूझ रही है, तब भारत में 1 से 7 जुलाई तक मनाया जाने वाला 'वन महोत्सव' केवल वृक्षारोपण का अभियान नहीं है बल्कि पृथ्वी पर जीवन बचाने का राष्ट्रीय संकल्प बन चुका है। वास्तव में यदि वर्तमान समय की आवश्यकताओं को देखा जाए तो वन महोत्सव से बड़ा कोई उत्सव नहीं हो सकता क्योंकि इसका संबंध केवल पर्यावरण से नहीं बल्कि मानव सभ्यता के भविष्य से है। भारतीय परंपरा में वनों को देवतुल्य माना गया है। वे केवल पेड़ों का समूह नहीं बल्कि पृथ्वी के फेफड़े, जैव विविध ाता के सबसे बड़े आश्रय, नदियों के संरक्षक, जलवायु संतुलन के प्रहरी तथा करोड़ों लोगों की आजीविका के आधार हैं। स्वतंत्रता प्राप्ति से ठीक पहले जुलाई 1947 में दिल्ली में चलाए गए व्यापक वृक्षारोपण अभियान ने वन महोत्सव की अवधारणा को जन्म दिया था, जिसे वर्ष 1950 में तत्कालीन केंद्रीय कृषि एवं खाद्य मंत्री कन्हैयालाल माणिकलाल मुंशी ने राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया। जुलाई के प्रथम सप्ताह का चयन इसलिए किया गया क्योंकि दक्षिण–पश्चिम मानसून के दौरान मिट्टी में पर्याप्त नमी होने से पौधों के जीवित रहने की संभावना सर्वाधिक रहती है। आज यह अभियान भारत के 'वसुधैव कुटुम्बकम' के दर्शन का जीवंत प्रतीक बन चुका है। पार्कऔर बगीचेवनों की स्थिति विश्व स्तर पर चिंताजनक बनी हुई है। संयुक्त राष्ट्र के अनुसार, पृथ्वी का केवल लगभग 31 प्रतिशत भूभाग ही वनाच्छादित है जबकि प्रतिवर्ष लाखों हेक्टेयर वन क्षेत्र अवैध कटाई, औद्योगिकीकरण, खनन और अवसंरचनात्मक विकास की भेंट चढ़ रहा है। वैज्ञानिकों ने चेतावनी दी है कि यदि यही प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी दशकों में विश्व के अनेक वर्षावन गंभीर संकट में पड़ सकते हैं। ऐसे समय में भारत जैसे विशाल और जैव विविधता से समृद्ध देश की जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। भारत ने हाल के वर्षों में वन संरक्षण और वृक्षारोपण की दिशा में उल्लेखनीय प्रयास किए हैं। भारतीय वन सर्वेक्षण की भारत वन स्थिति रिपोर्ट (आईएसएफआर) के अनुसार, देश का कुल वन एवं वृक्ष आवरण बढ़कर 8,27,357 वर्ग किलोमीटर हो गया है, जो देश के कुल भौगोलिक क्षेत्रफल का 25.17 प्रतिशत है। इसमें 7,15,343 वर्ग किलोमीटर वन क्षेत्र तथा 1,12,014 वर्ग किलोमीटर वृक्ष आवरण शामिल है। पिछले आकलन की तुलना में कुल हरित आवरण में 1,445 वर्ग किलोमीटर की वृद्धि दर्ज हुई। क्षेत्रफल के आधार पर मध्य प्रदेश सबसे अधिक वन क्षेत्र वाला राज्य है जबकि अरुणाचल प्रदेश और छत्तीसगढ़ उसके बाद आते हैं। वहीं वन घनत्व के अनुपात में मिजोरम, अरुणाचल प्रदेश और मेघालय अग्रणी हैं। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर संयुक्त राष्ट्र के खाद्य एवं कृषि संगठन (एफएओ) की ग्लोबल फॉरेस्ट रिसोर्सेज असेसमेंट रिपोर्ट में भारत को कुल वन क्षेत्र के आध ाार पर विश्व में नौवां स्थान तथा वार्षिक वन क्षेत्र वृद्धि के मामले में अग्रणी देशों में स्थान प्राप्त हुआ है। ग्रीनलिविंग और पर्यावरण से जुड़े मुद्दे हालांकि इन उपलब्धियों के साथ कुछ गंभीर चुनौतियां भी जुड़ी हुई हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि हरित आवरण में हुई वृद्धि का बड़ा हिस्सा प्राकृतिक सघन वनों के बजाय खुले वनों तथा व्यावसायिक वृक्षारोपण के कारण हुआ है। प्राकृतिक वन केवल पेड़ों का समूह नहीं होते बल्कि हजारों वनस्पतियों, जीव–जंतुओं, सूक्ष्मजीवों और जल स्रोतों का जटिल पारिस्थितिकी तंत्र होते हैं। इनका स्थान कृत्रिम पौध ारोपण कभी नहीं ले सकता। विशेष चिंता का विषय पूर्वोत्तर भारत है, ।

प्रधानमंत्री मोदी के भारत के 5एफ विजन को बुनता टेक्स 2026

पबित्रा मार्गेरिटा

कश्मीरी पश्मीना की नरम गर्माहट से लेकर असम के मूंगा सिल्क की शानदार चमक तक, राजस्थानी बांधनी के जीवंत ज्यामितीय पैटर्न से लेकर कांजीवरम सिल्क की सदाबहार और बेहतरीन बनावट तक, भारत की भौगोलिक और सांस्कृतिक विविधता धागों से बुना एक जीता–जागता नक्शा है। आज, सभ्यता की यह बेमिसाल तस्वीर एक ही छत के नीचे एक साथ नजर आ रही है। नई दिल्ली के प्रसिद्ध भारत मंडपम में 14 से 17 जुलाई तक भारत टेक्स 2026 का आयोजन, हमारे देश की खूबसूरत विविधता को एक ही मंच पर ला रहा है।

वस्त्र उद्योग सिर्फ हमारी विरासत की झलक नहीं है, यह भारत के मैक्रो–इकोनॉमिक ढांचे की एक मजबूत नींव भी है। यह क्षेत्र लगातार विकास और समानता का एक बहुत बड़ा इंजन बना हुआ है, जो जीडीपी में 2.3त्न, औद्योगिक उत्पादन में 13त्न और निर्यात में 8.6त्न का योगदान देता है। कृषि के बाद भारत में सबसे ज्यादा रोजगार देने वाला यह क्षेत्र 100 मिलियन से ज्यादा लोगों की आजीविका का साधन है, जो ग्रामीण समुदायों को मजबूत बनाता है और देश भर में लाखों महिलाओं को आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाता है।

आर्थिक शक्ति के इस केंद्र को सही मायने में समझने के लिए भारत टेक्स का अनुभव करना बेहद जरूरी है। यह वैश्विक स्तर पर प्रमुख भारतीय वस्त्रों का व्यापार मेला है, जिसे पूरी दुनिया के सामने हमारे निर्माण और रचनात्मकता की क्षमता का दबदबा दिखाने के लिए तैयार किया गया है। यह एक ऐसा व्यापक बाजार है, जहाँ घरेलू निर्माणकर्ता, राज्यों के पवेलियन, अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक और वैश्विक खरीदार एक ही छत के नीचे होते हैं। इससे बड़े पैमाने पर सोर्सिंग, कॉर्पोरेट जुड़ाव और ब्रांड को प्रदर्शित करने के अवसर भी मिलते हैं।

इस शानदार पहल के सफर पर नजर डालें तो मुझे भारत टेक्स के पिछले दो आयोजनों से बेहद गर्व की अनुभूति का स्मरण होता है। जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत टेक्स के पिछले संस्करण के दौरान संपूर्ण वस्त्र समुदाय को संबोधित किया था, तो उन्होंने बेहद खूबसूरती से कहा था कि हमने जो बीज बोया था, वह अब तेजी से बरगद के पेड़ का रूप ले रहा है। उन्होंने कहा कि यह भव्य आयोजन न केवल हमारी समृद्ध परंपराओं का जश्न मनाता है, बल्कि एक विकसित भारत की अपार संभावनाओं को भी उजागर करता है। पहले दो आयोजनों की जबरदस्त सफलता ने एक मजबूत नींव रखी, बड़ी संख्या में अंतरराष्ट्रीय खरीदारों को आकर्षित किया और सहयोग की दिशा में भी तेजी देखने को मिली। भारत टेक्स 2025 के दौरान मेरे व्यक्तिगत अनुभव ने भविष्य के लिए एक बहुत ही सकारात्मक नजरिया हासिल किया, जहाँ मैंने सरकार से सरकार और व्यापार से सरकार के बीच गहन बातचीत को ठोस नतीजों में बदलते देखा और इसी के चलते भारत की कार्य क्षमता में बढ़ते वैश्विक भरोसे की झलक भी दिखी। यह तीसरा आयोजन उस रफ्तार को और आगे ले जाता है और शुरुआती संभावनाओं को पूरी तरह से औद्योगिक प्रभाव में बदलता है।

इस साल के कार्यक्रम का बहुत बड़ा पैमाना एक सोची–समझी औद्योगिक रणनीति को दर्शाता है। भारत मंडपम में खास प्रदर्शनी हॉलों में फैली यह प्रदर्शनी भारत की पूरी वस्त्र मूल्य श्रृंखला को दिखाती है, जिसमें फाइबर, यार्न, फैब्रिक, कपड़े और फैशन, होम टेक्सटाइल, तकनीकी वस्त्र और सहायक उद्योग शामिल हैं। इसमें 1,600 से ज्यादा प्रदर्शक हिस्सा ले रहे हैं, जो स्थानीय उत्पादन की ताकत को सीधे वैश्विक मंच पर पेश करेंगे। यह प्रधानमंत्री मोदी के क्रांतिकारी 5एफ विजन–फार्म (खेत) से फाइबर से फैक्ट्री से फैशन से फॉरेन (विदेश) तक के सफर को दर्शाता है। पूरी मूल्य श्रृंखला को एक ही औद्योगिक श्रृंखला में जोड़कर, यह कार्यक्रम विनिर्माण के हर चरण को देश में ही संभालने की भारत की आत्मनिर्भर क्षमता को दिखाता है। इस पहल को दुनिया भर से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली है। इस संस्करण में अमेरिका, यूनाइटेड किंगडम, जापान, पुर्तगाल, स्पेन, न्यूजीलैंड, दक्षिण कोरिया, दक्षिण अफ्रीका और नेपाल समेत 14 देशों के अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शक शामिल हैं, साथ ही, संयुक्त राष्ट्र और यूरोपीय संघ का भी मजबूत संस्थागत प्रतिनिधित्व है। कई देशों के मंत्री–स्तरीय प्रतिनिधि ामंडल और बड़े व्यापारिक प्रतिनिधि दीर्घकालीन साझेदारी की संभावना तलाशने के लिए इसमें हिस्सा ले रहे हैं। उम्मीद है कि चार दिनों में 110 से ज्यादा पंजीकृत देशों से 7,000 से ज्यादा खरीददार और 1.3 लाख व्यापारिक आगंतुक आएंगे, जो वहां दिखाए जा रहे 20,000 से ज्यादा वस्त्र उत्पादों को देखेंगे। इस व्यावसायिक गतिविधि में 3,500 से ज्यादा खास तौर पर आयोजित बिजनेस टू बिजनेस बैठकें होंगी। इसके अलावा, राज्य निवेशक संपर्क सत्र भी होंगे, जो अलग–अलग भारतीय राज्यों को अपने खास औद्योगिक ढ़ांचे को पेश करने का मंच प्रदान करेंगे।

उद्योगों को आगे बढ़ाने हेतु वास्तविक नेतृत्व के लिए ज्ञान और भविष्य की योजना के प्रति गहरी प्रतिबद्धता की जरूरत होती है। भारत टेक्स 2026 इस जिम्मेदारी को वैश्विक वस्त्र वार्ता के जरिए निभाता है, जिसमें पैनल चर्चा, राउंडटेबल, मास्टरक्लास, राज्य सत्र, अवॉर्ड्स पिच फेस्ट और कार्यशाला जैसे 100 से ज्यादा खास सत्र शामिल हैं। 370 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय सीएक्सओ, पॉलिसी निर्माता और अन्वेषकों की अगुवाई में होने वाले ये खास सत्र व्यापार और निवेश को बढ़ाने, तकनीक और नवाचारों को आगे बढ़ाने और फैशन तथा क्राफ्ट को बेहतर बनाने पर फोकस करेंगे। इस कार्यक्रम में व्यापार, निवेशक, तकनीक और संस्थागत सहयोग से जुड़े कई रणनीतिक समझौतों और क्षेत्रों से जुड़ी रिपोर्ट पर हस्ताक्षर और उन्हें लॉन्च भी किया जाएगा।

आज का राशिफल

मेष राशि–
आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज आपको अच्छी खबर मिलने के योग हैं यह खुशी आपके संतान के करियर को लेकर हो सकती है।

वृष राशि–
आज का दिन आपके लिए कॉन्फिडेंस से भरा रहने वाला है। अगर आज के दिन धैर्य और समझदारी से कार्य करेंगे

मिथुन राशि–
आज का दिन फेवरेबल रहने वाला है। परिवार में मौन रहकर आज परिस्थितियों को समझने की कोशिश करें।

कर्क राशि–
आज का दिन आपके लिए खुशहाल रहने वाला है। आज आप अपने परिवार वालों को किसी बड़े रेस्टोरेंट में डिनर पार्टी देंगे परिवार के साथ हंसी–खुशी भरे पल बीतेंगे।

सिंह राशि–
आज का दिन आपके लिए ठीक ठाक रहने वाला है। सिंह लग्न और राशि वालों आपको व्यापार में उम्मीद से अधिक लाभ प्राप्त होगा।

कन्या राशि–
आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। कार्यक्षेत्र में आज आपकी परफारमेंस बहुत ही डायनेमिक रहेगी।

तुला राशि–
आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। घर और बिजनेस में उचित तालमेल बनाकर रखने से आप अपनी निजी कार्यों के लिए

वृश्चिक राशि–
आज का दिन आपके लिए खास होने वाला है। आज आपके व्यवहार में विनम्रता और लचीलेपन से कुछ महत्वपूर्ण लोगों से रिश्ते मजबूत होंगे।

धनु राशि–
आज का दिन आपके लिए ठीक–ठाक रहने वाला है। आज बड़ा और अलग काम करने की सोच सकते है

मकर राशि–
आज आपका दिन खुशनुमा पलों से भरा रहेगा। घर में नए मेहमान के आने की खुशी में घर का माहौल उत्सव जैसा रहेगा।

मीन राशि–
आज आपका दिन बहुत बढ़िया रहने वाला हैं। समय का पूरा सदुपयोग करें और अपने लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए पूरी एनर्जी और एकाग्रता से आगे बढ़ेंगे।

सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद महिलाएं मायूस, भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी

मेरठ। शास्त्री नगर स्थित सेंट्रल मार्केट प्रकरण में सर्वोच्च न्यायालय से राहत नहीं मिलने के बाद मंगलवार को स्थानीय महिलाओं और व्यापारियों का आक्रोश खुलकर सामने आया। फैसले के बाद बड़ी संख्या में महिलाओं ने प्रदर्शन करते हुए भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। प्रदर्शनकारियों का कहना था कि लगातार आश्वासन दिए गए, लेकिन उन्हें कोई राहत नहीं मिली और अब उनके सामने आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। प्रदर्शन कर रही महिलाओं ने कहा कि उन्हें जानकारी दी गई है कि 25 मीटर से बड़े किसी भी भवन को राहत नहीं मिलेगी। जिन भवनों का स्वीकृत मानचित्र नहीं है, उनके विरुद्ध भी ड्रोन सर्वे के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। उनका कहना था कि इस फैसले से हजारों परिवारों की रोजी–रोटी प्रभावित होगी। महिलाओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए कहा कि केवल आश्वासन मिले, लेकिन समाधान नहीं मिला। सुनाई के दौरान सर्वोच्च न्यायालय ने पहले से सील किए गए 44 भवनों को ध्वस्त करने के आदेश बरकरार रखे। अदालत ने स्पष्ट किया कि जिन आवासीय भवनों में नियमों के विपरीत पूरी तरह व्यावसायिक गतिविधियां संचालित हो रही थीं, उनके विरुद्ध ध्वस्तीकरण की कार्रवाई होगी। अदालत ने अवैध निर्माण को नियमित करने की मांग भी अस्वीकार कर दी।

अवैध निर्माण पर अदालत की सख्त टिप्पणी सर्वोच्च न्यायालय ने कहा कि अवैध निर्माण के मामलों में किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जा सकता। न्यायालय की टिप्पणी थी कि नियमों के विपरीत किए गए निर्माण को वैध घोषित करने या नियमित करने की अनुमति नहीं दी जाएगी। अदालत ने स्पष्ट संदेश दिया कि सभी अवैध निर्माणों पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। फैसले के बाद सेंट्रल मार्केट क्षेत्र में निराशा का माहौल दिखाई दिया। व्यापारियों और स्थानीय निवासियों का कहना है कि अब उन्हें ध्वस्तीकरण और निर्माण सीमा के अनुरूप बदलाव कराने की कठिन चुनौती का सामना करना पड़ेगा। कई लोगों ने इसे रोजगार और परिवार के भविष्य से जुड़ा मुद्दा बताया। अदालत ने 25 मीटर श्रेणी के आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के आवासों को भी कोई विशेष राहत नहीं दी। ऐसे भवनों को भी निर्धारित निर्माण सीमा का पालन करना होगा।

अधीक्षण अभियंता समेत 7 अधिकारियों का ट्रांसफररु बिजली कटौती पर एमडी का एक्शन

मेरठ। मेरठ में बिजली कटौती पर पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (पीवीवीएनएल) ने सख्त कार्रवाई की है। प्रबंध निदेशक (एमडी) ने मंगलवार को एक अधीक्षण अभियंता, एक अधिशासी अभियंता और पांच उपखंड अधिकारियों (एसडीओ) का तबादला कर दिया। इनमें कई अधिकारियों को जिले से बाहर भेजा गया है। कार्रवाई के तहत शहरी क्षेत्र के अधीक्षण अभियंता मोहम्मद अरशद को हटाकर एमडी कार्यालय से संबद्ध किया गया है। वहीं, 33 केवी के अधिशासी अभियंता अंकित वशिष्ठ का तबादला देवबंद (सहारनपुर) कर दिया गया है। बताया जा रहा है कि लगातार बिजली कटौती की शिकायतें मिल रही थीं। समीक्षा में लापरवाही सामने आने के बाद यह फैसला लिया गया। कार्रवाई के बाद बिजली विभाग में हड़कंप मचा हुआ है।

एमडी रवीश गुप्ता ने 5 उपखंड अधिकारी (एसडीओ) पर भी गाज गिरा दी है। इनमें एसडीओ मोहम्मद जसीम अख्तर, एसडीओ अमित कुमार मिश्रा, एसडीओ संतोष कुमार, एसडीओ सतीश चंद्र और एसडीओ रूपेश कुमार के नाम शामिल हैं।

एसडीओ जसीम अख्तर को गजरौला, एसडीओ रूपेश कुमार को शहरी क्षेत्र से हटकर देहात, एसडीओ सतीश चंद्र को मुजफ्फरनगर, एसडीओ अमित कुमार मिश्रा और संतोष कुमार को सहारनपुर का रास्ता दिखाया गया है। इन सभी की बड़ी लापरवाही सामने आई है।बिजली कटौती को लेकर लगातार हंगामे हो रहे हैं। जनप्रतिनिधि भी कई मामलों में सड़क पर दिखाई दिए लेकिन इन अफसरों पर जरा भी फर्क नहीं पड़ा। हद तो तब हो गई जब 2 दिन पहले बिजली कटौती से नाराज लोगों ने रात में पहले एमडी रवीश गुप्ता और फिर जिलाधिकारी डॉक्टर वीके सिंह का आवास घेरने का प्रयास किया। कुछ इंजीनियरों के व्यवहार को लेकर भी शिकायत मिल रही थी।

कक्षा नौ की छात्रा ईहा ने कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ रोपे पौधे

मेरठ। लोहिया नगर स्थित सेंट फ्रांसिस वर्ल्ड स्कूल की कक्षा नौवीं की छात्रा ईहा दीक्षित लगातार पौधारोपण कर रही हैं। उन्होंने अपने पौधारोपण के 429 वें सप्ताह में अपनी बहन कक्षा तीन की छात्रा एशल दीक्षित के साथ केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान के साथ पौधे रोपे इस दौरान कृषि मंत्री ने ईहा से उनके द्वारा रोपे जाने वाले पौधों की तकनीक और पर्यावरण संरक्षण के लिए विभिन्न सुझाव भी मांगे। इंडियन काउंसिल आफ एग्रीकल्चर रिसर्च पूसा नई दिल्ली के इंटरनेशनल गेस्ट हाउस के प्रांगण में कृषि मंत्रालय की ओर से वृक्ष मित्र संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के क्षेत्र में कार्य करने वाले चुनिंदा लोगों को आमंत्रित किया गया था।मेरठ से छात्रा ईहा दीक्षित और एशल दीक्षित ने इस कार्यक्रम में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का

शुभारंभ पौधारोपण से किया गया। इस दौरान ईहा और एशल तथा कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अशोक के पौधे लगाए। यह ईहा दीक्षित का 429 वां पौधारोपण सप्ताह रहा। कृषि मंत्री की ओर से इन दिनों पौधारोपण के लिए एक राष्ट्रीय स्तर की समिति बनाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है।आडिटोरियम में आयोजित संवाद कार्यक्रम में कृषि मंत्री ने छात्रा ईहा दीक्षित से भी सुझाव मांगे। इस दौरान छात्रा ने कहा कि वास्तव में पर्यावरण का विषय स्कूली बच्चों के केवल किताबी ज्ञान तक ही सीमित है। ईहा ने पर्यावरण विषय से हर बच्चे को जोड़ने और जागरूक करने के लिए तीन सुझाव दिए।कार्यक्रम में मौजूद पदम भूषण अनिल जोशी और अन्य अतिथियों ने भी इन सुझावों को स्वीकार करते हुए राष्ट्रीय समिति के गठन में शामिल करने की बात कही।

नमस्ते योजना से जुड़े सीवर कर्मियों को मिला आयुष्मान कार्ड

फतेहपुर। भारत सरकार के सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के निर्देशों के क्रम में मंगलवार को नगर पालिका परिषद में नमस्ते डे का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य सीवरेज एवं सेप्टिक टैंक की सफाई करने वाले कर्मियों को नमस्ते योजना से जोड़ते हुए उन्हें सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य सुविधाओं और सुरक्षित कार्य प्रणाली के प्रति जागरूक करना रहा। कार्यक्रम में सीवर एवं सेप्टिक टैंक में कार्य करने वाले सभी कर्मियों को नमस्ते योजना की विस्तृत जानकारी दी गई। साथ ही उनका नमस्ते पोर्टल पर पंजीकरण कराया गया। भारत सरकार की महत्वाकांक्षी आयुष्मान भारत योजना के तहत पात्र कर्मियों को आयुष्मान कार्ड भी वितरित किए गए, ताकि उन्हें बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिल सके। अध्यक्ष राजकुमार मौर्य, अधिशासी अधिकारी रविन्द्र कुमार सहित अन्य अतिथियों ने सीवर कर्मियों को पीपीई (पर्सनल प्रोटेक्टिव इक्विपमेंट) किट वितरित की और आयुष्मान कार्ड सौंपे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए अध्यक्ष, ईओ एवं जिला कार्यक्रम प्रबंधक संजय सिंह ने कहा कि सीवर और सेप्टिक टैंक की सफाई का कार्य पूरी तरह सुरक्षित तरीके से किया जाना चाहिए। बिना सुरक्षा उपकरणों के किसी भी कर्मचारी को सीवर में नहीं उतारा जाएगा। उन्होंने कहा कि कर्मियों के स्वास्थ्य और सुरक्षा से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा तथा सभी सुरक्षा मानकों का कड़ाई से पालन सुनिश्चित कराया जाएगा, जिससे दुर्घटनाओं की संभावना को पूरी तरह समाप्त किया जा सके। कार्यक्रम में जेई जलकल विजय कुमार, गुलाब बाबू, मो. हबीब, सोमेश तिवारी सफाई नायक सहित सफाई कर्मी उपस्थित रहे।

जनता के दिलों में जगह, अपराधियों में खौफ

फतेहपुर। हुसैनगंज थाना क्षेत्र की भिटौरा पुलिस चौकी इन दिनों अपनी कार्यशैली को लेकर चर्चा का विषय बनी हुई है। चौकी प्रभारी संजीव कुमार की सक्रियता, सरल व्यवहार और त्वरित कार्रवाई ने आमजन के बीच पुलिस की सकारात्मक छवि को मजबूत किया है। स्थानीय लोगों का कहना है कि चौकी पहुंचने वाले प्रत्येक फरियादी का सम्मानपूर्वक स्वागत किया जाता है, उसकी समस्या गंभीरता से सुनी जाती है और नियमानुसार तत्काल समाधान का प्रयास किया जाता है।

करीब दो माह पूर्व पुलिस अधीक्षक अभिमन्यु मांगलिक द्वारा भिटौरा चौकी की जिम्मेदारी संजीव कुमार को सौंपी गई थी। जिम्मेदारी संभालने के बाद से उन्होंने कानून–व्यवस्था को लेकर सख्त रुख अपनाया है। अपराध और असामाजिक गतिविधियों पर लगातार निगरानी रखी जा रही है, जिससे क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल बना हुआ है। क्षेत्रीय लोगों का कहना है कि चौकी प्रभारी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के लिए क्षेत्र में कोई जगह नहीं है। यही वजह है कि आपराधिक प्रवृत्ति के लोगों में पुलिस का खौफ बना हुआ है और क्षेत्र में अपराध की घटनाओं में कमी महसूस की जा रही है। ग्रामीणों के अनुसार चौकी प्रभारी का व्यवहार ही उनकी सबसे बड़ी पहचान बन गया है। वे फरियादियों को बैठाकर धैर्यपूर्वक उनकी बात सुनते हैं और निष्पक्ष कार्रवाई सुनिश्चित करने का प्रयास करते हैं। इससे लोगों का पुलिस पर विश्वास लगातार बढ़ा है और छोटी–छोटी समस्याओं का समाधान स्थानीय स्तर पर ही हो जा रहा है। क्षेत्र में चर्चा है कि यदि जिले के सभी थानों और चौकियों में इसी तरह संवेदनशील और जवाबदेह पुलिसिंग को प्राथमिकता दी जाए तो आम लोगों को अपनी समस्याओं के समाधान के लिए उच्च अधिकारियों के कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। भिटौरा चौकी की कार्यशैली वर्तमान में जनसुनवाई और प्रभावी पुलिसिंग का एक सकारात्मक उदाहरण बनकर सामने आ रही है।

कलेक्ट्रेट सभागार में अपर जिलाधिकारी (नगर) की अध्यक्षता में संपन्न हुई जिला सैनिक बन्धु की मासिक बैठक

मेरठ। पूर्व सैनिक एंव शहीद व दिवंगत सैनिकों की पत्नियों तथा उनके आश्रितों की समस्याओं निस्तारण हेतु जिला सैनिक बन्धु की जुलाई 2026 की मासिक बैठक जिलाधिकारी मेरठ के द्वारा नामित श्री बृजेश कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी (नगर) मेरठ की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार मेरठ में आयोजित की गयी। बैठक में भूमि संबंधी शिकायतों, विवादो तथा पुलिस से जुड़े विषयों पर चर्चा की गई। कुल 12 आवेदन प्राप्त हुए जिन्हे संबंधित विभागों को कार्यवाही हेतु भेज दिया गया। उपस्थित पूर्व सैनिको ने अपर जिलाधिकारी (नगर) का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से मामलों को सुना।

बैठक में भूतपूर्व सैनिक श्री गजेन्द्र शर्मा की भूमि पर अवैध कब्जा, भूतपूर्व सैनिक श्री सुखपाल सिंह के शस्त्र लाइसेन्स, श्री भूतपूर्व सैनिक पत्नि श्रीमति नीलम उपाध्याय को अवैध निर्माण एवं अतिक्रमण को तत्काल रोकने, शहीद द्वार बनवाने की अनुमति और कार्यरत सैनिक की लम्बित मामलों पर चर्चा की गई। इसके अतिरिक्त, शहीदों के नाम पर सड़कों के नामकरण से संबंधित विषय पर भी कार्यवाही नहीं बढ़ पा रही है। इस विषय पर लोक निर्माण विभाग (पीडब्लयूडी) की शिकायत आख्या अभी लम्बित है। बैठक में सम्बन्धित प्रकरणो को श्री बृजेश कुमार सिंह, अपर जिलाधिकारी (नगर) मेरठ ने जिलाधिकारी महोदय के आदेशानुसार निस्तारण हेतु निर्देशित किया।

कुल्हाड़ी से सिर फाड़ा, बुजुर्ग कोमा में पहुंचा, फिर भी पुलिस की पकड़ से बाहर मुख्य आरोपी

कुशीनगर, (आरएनएस)। किसी व्यक्ति के सिर पर कुल्हाड़ी से हमला हो, वह महीनों से कोमा में पड़ा हो, हमले का वीडियो मौजूद होने का दावा किया जा रहा हो और नामजद आरोपी खुलेआम घूम रहा हो, तो क्या इसे पुलिस की कार्रवाई माना जाए या कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति? उक्त घटना पडरौना कोतवाली थाना क्षेत्र के जंगल अमवा गांव में हुए जानलेवा हमले के मामले ने पुलिस की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं।

बताते चलें कि लगभग तीन माह पूर्व बीते 15 अप्रैल को हुए इस खूनी हमले में मुंसरीम नामक बुजुर्ग के सिर पर कथित रूप से कुल्हाड़ी से वार किया गया। गंभीर चोट के बाद वह आज भी कोमा में हैं और जिंदगी की लड़ाई लड़ रहा हैं। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि मुख्य आरोपी उमर फारूक ने जान लेने की नीयत से हमला किया था, जबकि अन्य लोग भी लाठी– डंडों से प्रहार कर रहे थे। इसके बावजूद अब तक न तो मुख्य आरोपी उमर फारूक की गिरफ्तारी हुई और न ही सभी आरोपियों पर हत्या के प्रयास की समान धाराएं लगाई गईं। पीड़ित अफजल अंसारी ने पुलिस अधीक्षक को दिये शिकायती पत्र में स्पष्ट आरोप लगाया है कि मामले के विवेचक विपक्षी पक्ष को लाभ पहुंचाने का प्रयास कर रहे हैं। उनका कहना है कि घटना का वीडियो फुटेज उपलब्ध होने के बावजूद जांच की दिशा सवालों के घेरे में है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि जब घायल व्यक्ति अब भी कोमा में है तो आखिर मुख्य आरोपी कानून की पकड़ से बाहर क्यों और कैसे है? सूत्रों की मानें तो गांव में इस मामले को लेकर तरह–तरह की चर्चाएं हो रही हैं। गांव में यह कानाफूसी चर्चाओं मे है कि क्या कानून सिर्फ कागजों पर चल रहा है? यदि किसी आम आदमी पर ऐसा आरोप होता तो क्या वह तीन माह से खुलेआम घूमता रहता, जैसे उमर फारुख घूम रहा है? आखिर आरोपी पर इतनी मेहरबानी क्यों?। पीड़ित पक्ष का आरोप है कि हमले में शामिल अन्य लोग लगातार धमकियां दे रहे हैं। ऐसे में परिवार भय के साये में जी रहा है, जबकि पुलिस की ओर से कोई ठोस कार्रवाई दिखाई नहीं दे रही। यही वजह है कि अब पीड़ित ने विवेचना को कोतवाली पडरौना से हटाकर किसी अन्य थाने अथवा स्वतंत्र एजेंसी से कराने की मांग की है। मामले में दर्ज मुकदमे में कुछ आरोपियों पर धारा 109 बीएनएस बढ़ाई गई है, लेकिन पीड़ित का कहना है कि जान लेने की नीयत से हमला करने वाले सभी लोगों पर समान रूप से कड़ी धाराएं लगनी चाहिए। उनका आरोप है कि जांच में चयनात्मक कार्रवाई की जा रही है।

इनसेट–– पुलिसिया कार्रवाई पर सवालिया निशान फिर भी पीड़ित परिजन एसपी कुशीनगर से न्याय की है उम्मीद–– जब एक बुजुर्ग तीन माह से कोमा में है। मुख्य आरोपी नामजद है। वीडियो साक्ष्य होने का दावा किया जा रहा है और परिवार लगातार न्याय की गुहार लगा रहा है, तो मुख्य आरोपी उमर फारुख गिरफ्तार कब होगी? क्या पुलिस किसी बड़े हादसे का इंतजार कर रही है? विधि विशेषज्ञों का कहना है कि यह मामला सिर्फ एक हमले तक सीमित नही रह गया है, बल्कि न्याय व्यवस्था की विश्वसनीयता का प्रश्न भी बन गया है। यदि पीड़ित के आरोपों में सच्चाई है तो यह जांच और कार्रवाई दोनों पर बड़ा सवाल है। अब देखना दिलचस्प होगा कि जनपद न्यायप्रिय, ईमानदार छवि वाले पुलिस अधीक्षक इस मामले को कितनी गंभीरता से लेते हैं और कोमा में पड़े बुजुर्ग के परिवार को न्याय दिलाने के लिए क्या कदम उठाते हैं।

जिलाधिकारी ने किया गंगनहर पटरी कांवड मार्ग का स्थलीय निरीक्षण, अधिकारियो को दिये निर्देश

मेरठ। आगामी कांवड यात्रा तैयारी के दृष्टिगत आज जिलाधिकारी डॉ0 वी0के0 सिंह व एसएसपी अविनाश पांडे द्वारा गंगनहर पटरी कांवड मार्ग का संयुक्त रूप से स्थलीय निरीक्षण किया गया। उन्होंने सलावा पुल, अटेरना पुल, दौराला पुल, नानू पुल, भलसौना पुल, पूठखास पुल, भोला की झाल, जानी पुल, सिवालखास पुल से बाबा भूरेशाह दरगाह तक कांवड मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने कांवड मार्ग पर साफ–सफाई, प्रकाश व्यवस्था, बैरिकेडिंग, सडक मरम्मत, जल निकासी, शौचालय, पेयजल, साईनेज, स्ट्रीट लाईट, झाड़ियो की कटाई, गोताखोर व मोटर बोट की व्यवस्था, विद्युत पोल, विद्युत खंभो को पालिथीन से कवर कराने, ट्रांसफार्मर को जाली से कवर कराने, सुरक्षा व्यवस्था, सीसीटीवी कैमरा, रूट डायवर्जन प्लान, संवेदनशील स्थानों का चिन्हांकन आदि व्यवस्थाओ का जायजा लिया। उन्होने समस्त संबंधित अधिकारियो को अपने–अपने क्षेत्र में लगातार भ्रमणशील रहने व समस्त व्यवस्थाओ को दुरूस्त कराये जाने के निर्देश दिये।

इस अवसर पर सीडीओ नूपुर गोयल, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा0 राम प्रसाद, अपर जिलाधिकारी प्रशासन सत्य प्रकाश सिंह, एसडीएम सरधना उदित नारायण सेंगर, जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेन्द्र सिंह सहित अन्य संबंधित विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे।

हसवां में गुलाबी गैंग लोकतांत्रिक का शक्तिप्रदर्शन

फतेहपुर। हसवा विकास खंड परिसर मंगलवार को उस समय गुलाबी रंग में रंगा नजर आया, जब गुलाबी गैंग लोकतांत्रिक की बैठक में महिलाओं ने क्षेत्रीय समस्याओं को लेकर जोरदार आवाज बुलंद की। संगठन की संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष हेमलता पटेल की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में नई ब्लॉक कार्यकारिणी का गठन किया गया। इसके बाद संगठन ने खंड विकास अधिकारी के माध्यम से जिलाधिकारी को पांच सूत्रीय ज्ञापन सौंपते हुए समस्याओं का शीघ्र समाधान न होने पर बड़े जनआंदोलन की चेतावनी दी। बैठक को संबोधित करते हुए हेमलता पटेल ने कहा कि संगठन किसान, मजदूर, महिलाओं और शोषित वर्ग के अधिकारों की लड़ाई पूरी मजबूती से लड़ेगा। उन्होंने कहा कि गांवों में बिजली, पानी, सड़क और सुरक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं के लिए संगठन लगातार संघर्ष करेगा और जनहित के मुद्दों पर किसी भी स्तर तक जाने से पीछे नहीं हटेगा। ज्ञापन में संगठन ने गौमाता को राष्ट्रमाता का दर्जा देने तथा इसके लिए शासन स्तर पर प्रस्ताव भेजने की मांग की। साथ ही छुट्टा मवेशियों से किसानों की फसलों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की बात कही। धान की रोपाई के दौरान ग्रामीण क्षेत्रों में हो रही अघोषित बिजली कटौती पर नाराजगी जताते हुए तत्काल कटौती बंद करने तथा नहरों में टेल तक सिंचाई का पानी छोड़े जाने की मांग उठाई गई। संगठन ने गांवों में अधूरी पड़ी पानी की टंकियों को चालू कराने, पाइपलाइन बिछाने के बाद क्षतिग्रस्त हुई सड़कों की पक्की मरम्मत कराने, प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित पात्र गरीब परिवारों का विशेष सर्वे कर उन्हें योजना का लाभ दिलाने तथा स्वयं सहायता समूहों को समय पर फंड उपलब्ध कराकर स्वरोजगार को बढ़ावा देने की भी मांग की। बैठक में सर्वसम्मति से हसवां ब्लॉक की नई कार्यकारिणी का गठन किया गया।

सीडीओ की अध्यक्षता में जिला उद्योग, व्यापार एवं श्रम बन्धु की बैठक सम्पन्न

कुशीनगर, (आरएनएस)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य विकास अधिकारी वंदिता श्रीवास्तव की अध्यक्षता में जिला उद्योग बन्धु, व्यापार बन्धु एवं श्रम बन्धु की संयुक्त बैठक संपन्न हुई। बैठक में उद्यमियों, व्यापारियों एवं श्रमिकों से जुड़े विभिन्न प्रकरणों पर विस्तार से चर्चा करते हुए उनके त्वरित एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिया गया।

बैठक के दौरान उद्यमियों द्वारा उठाई गई समस्याओं की विभागवार समीक्षा की गई। नेबुआ नौरंगिया क्षेत्र स्थित एक गुड़ उद्योग इकाई के संपर्क मार्ग से अतिक्रमण हटाने के प्रकरण में राजस्व विभाग को आवश्यक जांच कर शीघ्र कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए। वहीं मिनी औद्योगिक आस्थान, सरगटिया करनपट्टी दुदही में विद्युत ऊर्जीकरण से संबंधित प्रकरण के शीघ्र समाधान हेतु उद्योग निदेशालय से समन्वय स्थापित कर आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार योजना, एक जनपद एक उत्पाद, ओडीओपी योजना तथा मुख्यमंत्री युवा स्वरोजगार सहायता योजना एमवाईएसवाई सहित विभिन्न स्वरोजगारपरक योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए लंबित प्रकरणों का समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने पर बल दिया। उन्होंने बैंकों में लंबित ऋण प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण के लिए आगामी 23 जुलाई को विशेष बैठक आयोजित करने का निर्देश दिया गया। बैठक में जीबीसी–5 के अंतर्गत विभिन्न विभागों को आवंटित लक्ष्यों की समीक्षा करते हुए शून्य प्रगति वाले विभागों को विशेष कार्ययोजना तैयार कर निर्धारित समय–सीमा के भीतर लक्ष्य पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। साथ ही निवेश मित्र पोर्टल पर लंबित आवेदनों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा गया। श्रम बन्धु की बैठक में श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र श्रमिकों को इन योजनाओं का अधिकाधिक लाभ दिलाए जाने पर जोर दिया गया। वहीं व्यापार बन्धु की बैठक में व्यापारियों द्वारा उठाई गई समस्याओं पर चर्चा करते हुए संबंधित अधिकारियों को उनके त्वरित एवं प्रभावी समाधान के निर्देश दिए गए।

आधार सेवाओं में शत-प्रतिशत कवरेज पर जोर, लंबित बायोमेट्रिक अपडेट

कुशीनगर (आरएनएस)। जिला मुख्यालय स्थित कलेक्ट्रेट सभागार मे आधार अनुश्रवण समिति की बैठक सम्पन्न हुई। बैठक की अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी सुश्री वंदिता श्रीवास्तव ने की।

बैठक में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी, यू आई डी ए आई के राज्य प्रतिनिधि छत्रपाल सिंह ने जनपद में आधार से संबंधित विभिन्न बिंदुओं की समीक्षा प्रस्तुत करते हुए बताया कि 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का आधार नामांकन मात्र लगभग 10 प्रतिशत है। जिस पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई। उन्होंने बताया कि स्कूली छात्रों के अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) के लगभग 1. 50 लाख प्रकरण लंबित हैं। इसके अतिरिक्त 100 वर्ष से अधिक आयु के 1,207 व्यक्तियों का सत्यापन आधार पोर्टल पर लंबित है। जिसे शीघ्र पूर्ण कराए जाने की आवश्यकता पर बल दिया गया, ताकि किसी प्रकार की अनियमितता अथवा दुरुपयोग की संभावना न रहे। मुख्य विकास अधिकारी ने जिला कार्यक्रम अधिकारी एवं इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक (आईपीपीबी) के अधिकारियों को समन्वित प्रयास करते हुए 0 से 5 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों का शत–प्रतिशत आधार नामांकन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिया। उन्होंने जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी एवं जिला विद्यालय निरीक्षक को निर्देशित किया कि 5 से 15 वर्ष तथा 15 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के सभी विद्यार्थियों का अनिवार्य बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) समयबद्ध रूप से पूर्ण कराया जाए, ताकि भविष्य में आधार आधारित सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ प्राप्त करने में किसी प्रकार की कठिनाई न हो। बैठक में 100 वर्ष से अधिक आयु के व्यक्तियों के लंबित सत्यापन को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश भी दिए गए। इसके लिए अपर जिलाधिकारी न्यायिक को सभी उप जिलाधिकारियों के माध्यम से संबंधित लेखपालों द्वारा सत्यापन कराकर आधार पोर्टल पर लंबित प्रकरणों का शीघ्र निस्तारण सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए। बैठक में अपर जिलाधिकारी न्यायिक गुलाब सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी अनिल कुमार सिंह, जिला कार्यक्रम अधिकारी तथा सीएससी जिला प्रबंधक गौरव पाण्डेय सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक के अंत में जिला अर्थ एवं संख्याधिकारी श्रवण कुमार सिंह ने सभी अधिकारियों के प्रति आभार व्यक्त किया।

कुकरी-बेकरी प्रशिक्षण हेतु एक अगस्त तक करें आवेदन

फतेहपुर। खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में स्वरोजगार की राह तलाश रहे युवाओं के लिए अच्छी खबर है। निदेशालय खाद्य प्रसंस्करण विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा संचालित मुख्यमंत्री खाद्य प्रसंस्करण ग्राम स्वरोजगार योजना के अंतर्गत जिले में एक माह का निःशुल्क कुकरी एवं बेकरी प्रशिक्षण आयोजित किया जा रहा है।राजकीय सामुदायिक फल संरक्षण एवं प्रशिक्षण केन्द्र पटेल नगर चौराहा के प्रभारी ने बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम 3 अगस्त से 3 सितंबर तक संचालित होगा। इसमें नवउद्यमी, होटल एवं रेस्टोरेंट व्यवसाय शुरू करने के इच्छुक शिक्षित बेरोजगार युवक–युवतियां भाग ले सकेंगे। उन्होंने बताया कि प्रशिक्षण पूरी तरह निःशुल्क होगा। आवेदन करने के लिए न्यूनतम शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल उत्तीर्ण निर्धारित की गई है। इच्छुक अभ्यर्थी 1 अगस्त तक अपना आवेदन पत्र प्रशिक्षण केंद्र में जमा कर सकते हैं।

सात बाइक चोरी, कार्यवाही शून्य, किसके भरोसे है नेबुआ नौरंगिया की सुरक्षा

कुशीनगर,। जिले के नेबुआ नौरंगिया थाना क्षेत्र में लगातार हो रही बाइक चोरी की घटनाओं और हाल ही में समाप्त आरो नेपाल कनेक्शन वाले विवाद ने स्थानीय पुलिस की कार्यप्रणाली की कलई खोलकर रख दिया। यही वजह है कि पुलिस कार्यप्रणाली पर तमाम गंभीर सवाल उठ रहे हैं। पिछले दो महीनों में सात से अधिक बाइक चोरी की घटनाएं सामने आने के बावजूद न तो अधिकांश मामलों में बरामदगी हो सकी और न ही कोई ऐसा खुलासा हुआ जिससे आम लोगो का भरोसा मजबूत हो सके।

कुशीनगर में एक पेड़ माँ के नाम वृक्षा रोपण महायज्ञ का राज्यमंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने किया शुभारंभ, जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों ने किया पौधारोपण

कुशीनगर,(आरएनएस)। जनपद के कसया तहसील क्षेत्र के कुकुत्था नदी के तट पर एक पेड़ मां के नाम वृक्षारोपण महायज्ञ का राज्य मंत्री विजय लक्ष्मी गौतम ने पौधारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस मौके पर उपस्थित जन प्रतिनिधियों एवं अधिकारियों ने भी पौधारोपण किया।

रविवार को वृक्षारोपण महायज्ञ –2026 के अंतर्गत वन विभाग सहित विभिन्न सरकारी विभागों के समन्वित प्रयासों से कुशीनगर जनपद के लिए 45 लाख पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित था। जिसे आज सायंकाल तक पूर्ण कर लिया जाएगा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राज्य मंत्री श्रीमती विजय लक्ष्मी गौतम ने कहा कि हम सभी धरती माता की संतान है और धरती को हरा–भरा बनाना हमारा नैतिक दायित्व है। पौधरोपण से पर्यावरण संरक्षण, जलवायु संतुलन तथा आने वाली पीढ़ियों के सुरक्षित भविष्य का मार्ग प्रशस्त होगा। उन्होंने कहा कि आज लगाए जाने वाले पौधे भविष्य में जीवनदायिनी भूमिका निभाएंगे।उन्होंने सभी विभागीय अधिकारियों से जनपद को आवंटित लक्ष्य को समयबद्ध ढंग से पूर्ण करते हुए प्रदेश सरकार के 35 करोड़ पौधरोपण अभियान को सफल बनाने में सक्रिय योगदान देने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि ग्राम प्रधानों, शिक्षकों, स्वयं सहायता समूह की महिलाओं, बीडीसी सदस्यों, चिकित्सकों तथा विभिन्न विभागों के अधिकारियों को अभियान से जोड़ा गया है तथा वन विभाग द्वारा आवश्यक पौधे उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राज्यमंत्री ने सभी ग्राम पंचायतों, विकास खंडों, तहसीलों, चिकित्सालयों, अमृत सरोवरों तथा शासकीय कार्यालय परिसरों में अधिकाधिक पौधरोपण करने की अपील की। उन्होंने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण संरक्षण का माध्यम ही नहीं, बल्कि किसानों के लिए आय का महत्वपूर्ण स्रोत भी हैं। अनेक प्रजातियों के पौधे 10 से 20 वर्षों में अच्छा आर्थिक प्रतिफल प्रदान करते हैं। उन्होंने किसानों से खेतों, मेड़ों एवं बांधों पर पौधे लगाने तथा प्रत्येक जन्मदिन, विवाह एवं अन्य शुभ अवसरों पर पौधरोपण कर ‟एक पेड़ माँ के नाम‟ अभियान को जन–आंदोलन बनाने का आह्वान किया।कार्यक्रम के दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं नागरिकों ने सामूहिक रूप से पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया। इस अवसर पर सांसद कुशीनगर विजय कुमार दुबे, विधायक पी.एन. पाठक, विधायक रामकोला विनय कुमार गोंड, विधायक फाजिलनगर सुरेन्द्र कुशवाहा, नगर पालिका परिषद पडरौना के अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष जायसवाल बुलबुल, उत्तर प्रदेश बीज विकास निगम के सदस्य राजेश्वर सिंह, नगर पंचायत फाजिलनगर की अध्यक्ष श्रीमती सुनीता शाही, अपर आयुक्त वन विभाग, मुख्य विकास अधिकारी सुश्री वंदिता श्रीवास्तव, प्रभागीय वनाधिकारी वरुण सिंह सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

न्यायिक अधिकारियों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत दीवानी न्यायालय परिसर पडरौना में किया पौधारोपण

कुशीनगरर, (आरएनएस)। उच्च न्यायालय इलाहाबाद के निर्देशानुसार ‟एक पेड़ माँ के नाम‟ अभियान के तहत जनपद न्यायाधीश संजीव कुमार त्यागी की अध्यक्षता में जजशिप कुशीनगर द्वारा विभिन्न प्रकार के छायादार, फूलदार, औषधीय, इमारती एवं अन्य प्रजातियों के कुल 50 वृक्ष लगाए गए।दीवानी न्यायालय परिसर पडरौना में रविवार को वृक्षा रोपण महायज्ञ अभियान को एक उत्सव के रूप में मनाते हुए सभी न्यायिक अधिकारी व कर्मचारियों द्वारा विभिन्न प्रकार के छायादार, फलदार, फूलदार, औषधीय, इमारती व अन्य प्रजातियों के कुल लगभग 50 वृक्ष लगाये है। इस अवसर पर न्यायिक अधिकारी राम अवतार यादव अपर जिला जज कोर्ट न0–1, मो० आजाद अपर जिला जज, अति० प्रधान न्यायाधीश परिवार न्यायालय कुशीनगर, सत्यपाल सिंह प्रेमी अपर जिला जज एफ०टी०सी० प्रथम, किरन गोड, अपर जिला जज एफ०टी०सी० द्वितीय, प्रभात सिह सिविल जज (सी०डी०), प्रभारी सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कुशीनगर, अजीत कुमार मिश्र सिविल जज (जू०डि०), ऐश्वर्या यादव सिविल जज (जू०डि०) एफ०टी०सी० प्रथम, बिजेन्द्र स्वरूप सिविल जज (जू०डि०), एफ०टी०सी० द्वितीय एव कर्मचारी राधेश्याम प्रसाद, मुख्य प्रशासनिक अधिकारी जजशिप कुशीनगर, सरफराज खान सिस्टम ऑफिसर, धीरज तिवारी, धीरेन्द्र गुप्ता, भूपेश, शिशीर श्रीवास्तव, राजकुमार वर्मा, अमरनाथ यादव रवीन्द्र नाथ, उपेन्द्र यादव अच्छेलाल आदि सभी कर्मचारी उपस्थित रहे।

महा वृक्षारोपण अभियान का हिस्सा बना सोहावल तहसील परिसर

सोहावल–अयोध्या। रविवार को वृक्षारोपण महाअभियान के तहत सोहावल क्षेत्र के कई ग्राम पंचायतों सहित राजकीय विभागों में पौध रोपण किया गया। इस वृक्षारोपण महाअभियान का हिस्सा सोहावल तहसील प्रशासन भी बना। एसडीएम सोहावल सुश्री सविता की अगुवाई में तहसील मुख्यालय परिसर में पौध रोपण किया गया। इस दौरान एसडीएम व तहसीलदार प्रदीप कुमार सिंह ने राजस्व निरीक्षक ध्रुवराज यादव,लेखपाल विशाल सिंह के साथ पीपल,पाकड़,नीम,आंवला के पांच पौधों का रोपण किया। कार्यक्रम के दौरान एसडीएम सविता राजपूत ने कहा कि जितना अधिक हम पेड़ लगाएंगे। उतना ही अधिक हम लोगों का जीवन सुरक्षित रहेगा। इसलिए श्एक पेड़ मां के नामश् लगाकर पर्यावरण सुरक्षित करने में लोग अपना अहम योगदान जरूर दें। तहसीलदार प्रदीप सिंह ने कहा कि वृक्ष सिर्फ पर्यावरण की रक्षा नहीं करते। ब्लकि ये हमारी आने वाली पीढ़ियों के लिए स्वच्छ और सुरक्षित भविष्य वातावरण तैयार रखते हैं। इस अवसर पर तहसील कर्मी दिनेश कुमार,वसीम खान,शैलेन्द्र,सोहराब खान,देवी प्रसाद वर्मा,अरुण पांडेय सहित तहसील के अन्य राजस्वकर्मी और क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। इसी कड़ी में नगर पंचायत खिरौनी में भी वृक्षारोपण किया गया। इस अवसर पर ईओ आरती श्रीवास्तव,अध्यक्ष रेशमा भारती व डा. रामसुमेर भारती,प्रदीप कुमार सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं बल्कि मानव जीवन के आधार है- मनीष जायसवाल

कुशीनगर, (आरएनएस)। उत्तर प्रदेश सरकार के वृक्षारोपण महायज्ञ अभियान के तहत नगर पालिका परिषद पडरौना द्वारा रविवार को नगर के मानस कॉलोनी स्थित श्री बुढ़िया माता मंदिर परिसर एवं व जलकल भवन परिसर में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन अध्यक्ष विनय जायसवाल के निर्देशन में उनके प्रतिनिधि मनीष बुलबुल जायसवाल के नेतृत्व में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ मंदिर परिसर में विभिन्न प्रजातियों के छायादार एवं पर्यावरण हितैषी पौधों का रोपण कर किया गया। इस दौरान उपस्थित जनप्रतिनिधियों, कर्मचारियों एवं स्थानीय नागरिकों ने पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लेते हुए अधिक से अधिक पौधे लगाने और उनके संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर अध्यक्ष प्रतिनिधि मनीष जायसवाल ने कहा कि वृक्ष केवल पर्यावरण की रक्षा ही नहीं करते, बल्कि मानव जीवन के आधार भी हैं। स्वच्छ, हरित और स्वस्थ भविष्य के लिए प्रत्येक नागरिक को पौधारोपण के साथ–साथ लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल का भी संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में चलाया जा रहा वृक्षारोपण महायज्ञ आने वाली पीढ़ियों के लिए सुरक्षित और हरित पर्यावरण सुनिश्चित करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण अभियान है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका परिषद पडरौना शहर को स्वच्छ, सुंदर और हरित बनाने के लिए निरंतर कार्य कर रही है तथा पर्यावरण संरक्षण से जुड़े ऐसे जन–जागरूकता कार्यक्रम आगे भी आयोजित किए जाते रहेंगे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगों ने पौधों की सुरक्षा एवं संरक्षण का संकल्प लिया और पर्यावरण संतुलन बनाए रखने में अपनी सक्रिय भागीदारी निभाने का आह्वान किया। इस दौरान ईओ संतराम सरोज, मंदिर के महंथ वीरेंद्र नाथ महाराज सहित सभासद श्याम साहा, संतोष मद्धेशिया, रामाश्रय गौतम, बलवंत सिंह, एबादुल्लाह, मैनुद्दीन, करीम, क्यामुद्दीन, छोटे के अलावा मृत्युंजय दीक्षित बिपिन जायसवाल, सन्नी मिश्रा, अशोक अग्रवाल आकाश पाण्डेय, सचिन शाहा, आकाश वर्मा, अनिल कुमार, मदन चौधरी, धर्मेंद्र मद्धेशिया, अनिल पाण्डेय, धर्मेंद्र जायसवाल, भोला साहा, केदार मद्धेशिया सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

साकेत महाविद्यालय में 200 पाधों का किया गया रोपण

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री द्वारा संचालित 35 करोड़ वृक्षारोपण अभियान के अन्तर्गत का. सु. साकेत पी.जी. कालेज, अयोध्या परिसर में वन विभाग द्वारा आवंटित 200 पौधों का रोपण किया गया। पौधरोपण अभियान के संयोजक डॉ. सन्तोष कुमार के निर्देशन में सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर एन.सी.सी. (नेवल विंग), एन.सी.सी. (आर्मी विंग), रोवर्स–रेंजर्स तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एन.एस.एस.) के छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। कार्यक्रम में महाविद्यालय की प्रबन्ध समिति के मंत्री आनंद सिंघल, कोषाध्यक्ष रामचन्द्र जायसवाल, प्राचार्य प्रो. दानपति तिवारी, प्रो. नर्वदेश्वर पाण्डेय, प्रो. अशोक कुमार मिश्र, प्रो. अशोक कुमार राय, प्रो. अनुराग मिश्र, प्रो. अंजनी कुमार सिंह, प्रो. आशुतोष त्रिपाठी, प्रो. अजय कुमार सिंह, प्रो. मनीष कुमार सिंह, आक्टा अध्यक्ष डॉ. जनमेजय तिवारी, डॉ. अनूप पाण्डेय, डॉ प्रशान्त पाण्डेय, डॉ आशीष विक्रम सिंह, श्रीमती मृणालिनी, डॉ. कनक बिहारी पाठक सहित महाविद्यालय के अनेक प्राध्यापक एवं प्राध्यापिकाएँ उपस्थित रहे। यह जानकारी सह मीडिया प्रभारी डॉ. रामलाल विश्वकर्मा ने दी।

एक पेड़ माँ के नाम अभियान के तहत जनपद के समस्त थानों एवं पुलिस चौकियों पर किया गया पौधरोपण, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

कुशीनगर, आरएनएस)। उत्तर प्रदेश शासन द्वारा संचालित ‟एक पेड़ माँ के नाम‟ अभियान के तहत पुलिस अधीक्षक कुशीनगर केशव कुमार के निर्देशन में जनपद के समस्त थानों एवं चौकियों पर व्यापक स्तर पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अभियान के अंतर्गत पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने अपने–अपने थाना एवं चौकी परिसर में विभिन्न प्रजातियों के छायादार, फलदार एवं औषधीय पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया।पौधरोपण कार्यक्रम का उद्देश्य हरित पर्यावरण को बढ़ावा देना, प्राकृतिक संसाधनों का संरक्षण करना तथा जनमानस को वृक्षारोपण के प्रति जागरूक एवं प्रेरित करना रहा। इस अवसर पर पुलिस कर्मियों ने पौधे लगाकर स्वच्छ, हरित एवं प्रदूषणमुक्त वातावरण के निर्माण में अपनी सहभागिता निभाई। कार्यक्रम के दौरान सभी पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने लगाए गए पौधों की नियमित सिंचाई, देखभाल एवं संरक्षण करने की सामूहिक शपथ भी ली। उन्होंने संकल्प लिया कि प्रत्येक पौधे को सुरक्षित रखते हुए उसके पूर्ण विकसित होने तक निरंतर उसकी देखरेख करेंगे, ताकि यह अभियान केवल पौधरोपण तक सीमित न रहकर पर्यावरण संरक्षण का स्थायी माध्यम बन सके। पुलिस अधीक्षक ने जनपद के सभी थाना प्रभारियों को निर्देशित किया है कि लगाए गए पौधों की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा समय–समय पर उनकी देखभाल की समीक्षा भी की जाए। जनपद पुलिस का यह प्रयास पर्यावरण संरक्षण के साथ–साथ समाज में प्रकृति के प्रति उत्तरदायित्व एवं जनभागीदारी की भावना को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

वृक्षारोपण महा अभियान के माध्यम से हरित भविष्य की ओर सार्थक पहल

श्रावस्ती। एक पेड़ माँ के नाम अभियान 3.0’ के अंतर्गत आज जनपदीय पुलिस द्वारा वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर ’अपर पुलिस अधीक्षक चंद्रकेश सिंह द्वारा पुलिस अधीक्षक कार्यालय’ में ’वृक्षारोपण महा अभियान’ के तहत ’वृहद वृक्षारोपण’ कर ’पर्यावरण संरक्षण, हरियाली संवर्धन’ व ’हरित भविष्य’ के प्रति जनजागरूकता का संदेश दिया गया।अपर पुलिस अधीक्षक द्वारा पर्यावरण संरक्षण को सामाजिक जिम्मेदारी मानते हुए अधिक से अधिक पौधरोपण करने व उनकी नियमित देखभाल हेतु सभी को प्रेरित किया गया व वृक्षारोपण के महत्व को बताया। साथ ही ’जनपद के समस्त थानों, चौकियों एवं रिजर्व पुलिस लाइन’ में भी इस अवसर पर ’वृक्षारोपण महा अभियान’ के अंतर्गत वृहद वृक्षारोपण कर एक पेड़ माँ के नाम अभियान को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। जनपद श्रावस्ती पुलिस द्वारा इस अभियान को एक ’पर्यावरणीय संकल्प’ के रूप में लेते हुए वृक्षारोपण के माध्यम से ’हरियाली बढ़ाने, जलवायु संतुलन बनाए रखने तथा भावी पीढ़ियों को सुरक्षित भविष्य देने की दिशा’ में सार्थक पहल की गई है।

पेड़ों के महत्व को समझते हुए उन्हें संजोय रखना चाहिए-जिलाधिकारी

श्रावस्ती। ’’वृक्षारोपण महायज्ञ’’ कार्यक्रम के अन्तर्गत मुख्य अतिथि के रूप में प्रतिभाग करने के लिए प्रदेश के अध्यक्ष, उत्तर प्रदेश अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति आयोग बैजनाथ रावत जनपद के लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन भिनगा पहुंचें। जहां पर जिलाधिकारी अन्नपूर्णा गर्ग एवं मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद ने अगुवानी कर स्वागत किया। तत्पश्चात् आफिसर्स कालोनी, ग्राउण्ड राजकीय पुस्तकालय भिनगा के समीप पहुंचकर ’’वृक्षारोपण महायज्ञ–2026 कार्यक्रम में अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष दद्दन मिश्रा, विधायक रामफेरन पाण्डेय ने पीपल, पाकड़ व बरगद का पौधरोपण किया। इसके अलावा जिलाधिकारी ने पीपल एवं मुख्य विकास अधिकारी शाहिद अहमद ने आम के पौधों का रोपण कर लोगों को पर्यावरण बचाने का सन्देश दिया। इस दौरान अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, विधायक, जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने स्कूली छात्र–छात्राओं, एस0एस0बी0 के जवानों तथा आम जनमानस को पौधे वितरित किये तथा उन्हें पौधारोपण हेतु प्रेरित भी किया। कार्यक्रम में अध्यक्ष, जिला पंचायत अध्यक्ष, विधायक, जिलाधिकारी एवं मुख्य विकास अधिकारी ने आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों को आंगनवाड़ी किट का भी वितरण किया।

इस अवसर पर अध्यक्ष ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश भर में 40 करोड़ पोधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया। उन्होने कहा कि पेड़–पौधों का हमारे जीवन में महत्वपूर्ण योगदान है। ऋतु चक्र को संतुलित बनाए रखने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़–पौधे लगाना चाहिए, और उनका संरक्षण करना भी अनिवार्य है। हमें पौधे का पेड़ बनने तक बच्चों की तरह संरक्षण करना चाहिए। एक पेड़ सैकड़ों जिंदगियां बचाने में सक्षम होता है। इसलिए आने वाली पीढ़ियों को ध्यान में रखते हुए एक पेड़ अवश्य लगायें और उसकी देखभाल कर संरक्षण भी करना है।इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने कहा कि पर्यावरण को शुद्ध रखने में पेड़–पौधों की महती भूमिका होती है। पेड़–पौधे पर्यावरण की अशुद्धियों को सोख लेते हैं, और हमें शुद्ध प्राणदायिनी वायु देते हैं। इसकी निरंतरता बनाए रखने के लिए हमें अधिक से अधिक पेड़–पौधे लगाने चाहिए।इस अवसर पर विधायक श्रावस्ती ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ’’वृक्षारोपण महायज्ञ’’ अभियान चलाकर लगाया जा रहा है। प्रकृति को बचाये रखने के लिये पौधारोपण अनिवार्य है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण करना प्रत्येक मनुष्य की नैतिक जिम्मेदारी है। इसके लिए हमें आगे आना चाहिए और दूसरों को भी प्रेरित करना चाहिए। पर्यावरण के संरक्षण के लिए हमें अपने जीवन में एक पेड़ अवश्य लगाना चाहिए।

इस दौरान जिलाधिकारी ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार पूरे प्रदेश में 35 करोड़ पौधरोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। जिसमें शासन द्वारा जनपद श्रावस्ती हेतु लगभग 40 लाख पौध रोपण का लक्ष्य निर्धारित किया गया है, जिसके तहत वन विभाग द्वारा 18 लाख तथा शेष अन्य विभाग द्वारा पौधों का रोपण किया गया है। उन्होने कहा कि जैसे–जैसे जनसंख्या बढ़ रही है, वैसे–वैसे हम सभी को पेड़ों के महत्व को समझना चाहिए और उन्हें संजोय रखना चाहिए। जिससे आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, पानी एवं स्वच्छ वातावरण प्रदान कर सकें। प्रदेश के मुख्यमंत्री की प्रेरणा से ’’वृक्षारोपण महायज्ञ’’ अभियान के तहत आज जनपद के मुख्य अतिथि के रूप में पधारे अध्यक्ष एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों तथा अधिकारियों द्वारा पौधरोपण किया गया है।

राम मंदिर में चढ़ाये गए चांदी के ईट का जवाब मांगने पर सिंधी समाज आहत

अयोध्या। राम मंदिर में दिए गए दान को लेकर सिंधी समाज अब दो गुटों में बंटता नजर आ रहा है। मुंबई सिंधी समाज के नेता राजू मनवानी ने राम मंदिर को दान में दी गई 200 चांदी की ईंटों पर सवाल उठाए थे। इस बयान के बाद अयोध्या के सिंधी समाज ने राजू मनवानी से सार्वजनिक रूप से दूरी बना ली। समाज के पदाधिकारियों ने कहा कि दान देकर उसका हिसाब मांगना सिंधी समाज की परंपरा नहीं है। रविवार को राम नगर स्थित संत नवलराम दरबार में श्रीराम मंदिर में दिए गए चांदी के ईंट दान के प्रकरण को लेकर आयोजित प्रेसवार्ता में जानकारी देते नरेश नरेश क्षेत्रपाल, संदीप, सुमित, मुकेश और देव कुमार ने बताया कि जैसा कि सर्वविदित है कि हम सभी सिंधी प्रभु श्रीराम के वंशज है और सनातनी है और धर्म की रक्षा हेतु अपना सर्वस्व त्याग भी किया है। विवादित ढांचा गिराने से लेकर आज तक और भविष्य में भी हम राममंदिर के लिए सदैव समर्पित हैं। पर कुछ दिन पूर्व विपक्ष के इशारे पर कुछ तथाकथित लोगों ने अपनी राजनैतिक महत्वकांक्षा पूरी करने के लिए अपनी ओछी मानसिकता का प्रमाण देते हुए समाज द्वारा दिये गये समर्पण का हिसाब मांगा पर हमारा समाज देने मे विश्वास रखता है ना कि हिसाब लेने में... पर कुछ लोगों ने जिन्होंने चांदी की ईंटो की राजनैतिक दीवार खड़ी करके अनर्गल आरोप लगाये। हमें मुख्यमंत्री द्वारा गठित एसआईटी की रिपोर्ट का संयमपूर्वक इंतजार करना था पर उन्होंने अपना मकसद पूरा करना चाहा और हिसाब मांगा जिससे समस्त सिंधी समाज आहत है और उनसे पूरा समाज किनारा करता है। कहा कि मात्र विपक्ष के तथ्यविहीन आरोप लगा देने से सत्यता बदल नहीं सकती और हम मुख्यमंत्री ने पुनः मांग करते है कि जिन्होंने भी ये कुकर्म किया है उनको कड़ी सजा मिले। कुछ लोग हैं जो हिंदू सनातन धर्म को विपक्ष के कहने पर बदनाम करने की साजिश करने का काम कर रहे हैं । इस दौरान सिंधी समाज के कई लोग मौजूद रहे।

आबकारी मंत्री, विधायक व जनप्रतिनिधियों ने रोपे पौधे

-419 बूथों पर चला एक पेड़ मां के नाम अभियान

अयोध्या। पौधारोपण महाअभियान–2026 एक पेड़ मां के नाम के तहत रविवार को जिलेभर में व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया गया। कृषि विज्ञान केंद्र, मसौधा में आयोजित मुख्य कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के आबकारी एवं मद्य निषेध (स्वतंत्र प्रभार) मंत्री नितिन अग्रवाल, विधायक वेद प्रकाश गुप्ता तथा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने पौधे रोपित कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। अभियान के तहत भाजपा महानगर के सभी 419 बूथों तथा नगर निगम के 60 वार्डों में स्थानीय पार्षदों के नेतृत्व में दस–दस पौधे लगाए गए। जिला पंचायत अध्यक्ष रोली सिंह एवं उनके प्रतिनिधि आलोक सिंह रोहित ने जिला पंचायत कार्यालय, कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय पूरा बाजार तथा खजुराहट में पौधरोपण किया। महापौर महंत गिरीश पति त्रिपाठी ने नगर निगम के जोन कार्यालय परिसर, पूर्व महापौर ऋषिकेश उपाध्याय ने विद्याकुंड तथा ब्लॉक प्रमुख संघ के जिलाध्यक्ष एवं महानगर महामंत्री शिवेन्द्र सिंह ने मड़ना ग्रामसभा में पौधे लगाए। आबकारी मंत्री नितिन अग्रवाल ने कहा कि पेड़ लगाना प्रकृति और आने वाली पीढ़ियों के प्रति हमारी जिम्मेदारी है। पौधरोपण तभी सार्थक होगा, जब प्रत्येक व्यक्ति उसके संरक्षण का भी संकल्प ले। जिला पंचायत ने कहा कि हरित पर्यावरण ही स्वस्थ समाज की आधारशिला है। जनभागीदारी से ही यह अभियान सफल होगा। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि एक पेड़ मां के नाम अभियान भावनात्मक जुड़ाव के साथ पर्यावरण संरक्षण का सशक्त माध्यम है। प्रत्येक परिवार को कम से कम एक पौधा अवश्य लगाना चाहिए। महापौर ने कहा कि स्वच्छ और हरित अयोध्या के निर्माण के लिए पौधारोपण के साथ उनकी नियमित देखभाल भी उतनी ही आवश्यक है। महानगर अध्यक्ष ने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता अपने लगाए गए पौधे को वृक्ष बनने तक संरक्षित रखने का संकल्प लेकर इस अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दे रहा है। इसके अलावा महामंत्री शैलेन्द्र कोरी, परमानंद मिश्र, उपाध्यक्ष तिलकराम मौर्य, हरिभजन गौड़, अरविंद सिंह, बालकृष्ण वैश्य, रवि शर्मा, शशि प्रताप सिंह, शिवम शुक्ला, रवि सिंह, प्रवीण दुबे, मुकेश तिवारी, रवि सोनकर, कपिल देव वर्मा, हेमंत जायसवाल, रीना द्विवेदी, गरिमा मौर्य, स्वाती सिंह, मीडिया प्रभारी अमित कुमार मिश्र, जेपी श्रीवास्तव सहित सभी पदाधिकारियों ने अपने–अपने बूथों पर पौधरोपण कर उनके संरक्षण का संकल्प लिया।

हमारी संस्कृति ने हमेशा प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व सिखाया- डा. बिजेंद्र सिंह

अयोध्या। डॉ. राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय के नवीन परिसर में कुलपति डॉ. बिजेंद्र सिंह की अध्यक्षता में एक बृहद वृक्षारोपण अभियान राज्य सरकार द्वारा जारी निर्देश के क्रम में आयोजन किया गया।

इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक अनूठी पहल करते हुए परिसर में कुलपति ने मियाबाकी गार्डन का उद्घाटन किया गया। लगभग 3200 वर्ग मीटर क्षेत्र में विकसित होने वाले इस विशेष उद्यान में स्थानीय जैवविविधता का पूरा ध्यान रखा जाएगा, जिससे कम समय में एक सघन वन क्षेत्र तैयार हो सके। यह मियावाकी वन केवल वृक्षारोपण तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि इसे लिविंग ग्रीन लेबोरेटरी के रूप में विकसित किया जाएगा, जहाँ पर्यावरण विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, प्राणी विज्ञान, कृषि, सिविल इंजीनियरिंग, जैव विविधता, जलवायु परिवर्तन, कार्बन पृथक्करण तथा पारिस्थितिकी पर अध्ययन एवं शोध किए जा सकेंगे। कुलपति ने वृक्षारोपण अभियान के वक्तव्य में कहा कि वन प्रकृति द्वारा मानव सभ्यता को दिया गया सबसे अनमोल उपहार हैं। इसके बिना पृथ्वी पर किसी भी प्रकार के जीवन या सर्वाइवल की कल्पना असंभव है। वन केवल कार्बन डाइऑक्साइड सोखने और ऑक्सीजन देने के स्रोत नहीं हैं, बल्कि ये हमारी पूरी पारिस्थितिकी तंत्र की रीढ़ हैं। उन्होंने बताया कि एक वैज्ञानिक दृष्टिकोण से मियाबाकी फॉरेस्ट परिसर में 3200 वर्ग मीटर में तैयार हो रहा है । मियाबाकी गार्डन वैज्ञानिक नवाचार का एक बेहतरीन उदाहरण है। यह जापानी तकनीक कम जगह में पारंपरिक वनों की तुलना में 10 गुना तेजी से बढ़ती है और 30 गुना अधिक सघन होती है। इसमें स्थानीय प्रजातियों के पौधों को शामिल कर हम जैवविविधता को पुनर्जीवित कर रहे हैं, जो आज के समय में जलवायु परिवर्तन से लड़ने का सबसे प्रभावी वैज्ञानिक हथियार है। वनों से जुड़ी हमारी भारतीय सांस्कृतिक परंपरा में जो वृक्षों की रक्षा करते हैं, वृक्ष उनकी रक्षा करते हैं का संदेश सदियों से निहित है। हमारी संस्कृति ने हमेशा प्रकृति के साथ सह–अस्तित्व सिखाया है। वेदों और पुराणों में वनों को पूजनीय माना गया है। आज हमें अपनी इसी सांस्कृतिक विरासत को आधुनिक विज्ञान के साथ जोड़कर आगे बढ़ाना होगा।कुलपति ने छात्र छात्राओं से आवाहन किया कि विश्वविद्यालय का यह अभियान केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं होना चाहिए, बल्कि यह भावी पीढ़ी में पर्यावरण के प्रति जिम्मेदारी का भाव जगाने का संकल्प है। प्रत्येक छात्र और शिक्षक को कम से कम एक पौधा गोद लेकर उसके संरक्षण की जिम्मेदारी उठानी चाहिए। इस बृहद वृक्षारोपण अभियान में हजारों की संख्या में शिक्षक अधिकारी कर्मचारी एवं छात्र छात्राओं ने वृक्षारोपण कर प्रकृति संरक्षण एवं परिसर को हरा–भरा बनाने का सामूहिक संकल्प लिया।

चिरकिटहा गांव में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का हुआ आयोजन

गोसाईंगंज–अयोध्या। गोसाईंगंज कस्बे से सटे ग्राम सभा चिरकिटहा गांव में बने पंचायत भवन में रविवार को एक निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन ग्राम प्रधान रीमा वर्मा की अगुवाई में आयोजित हुई।शिविर में सरस्वती ट्रामा सेंटर नगहरा के चिकित्सक डॉ. सुरेश कुमार गुप्ता की टीम ने ग्रामवासियों के स्वास्थ्य का परीक्षण किया और दवा वितरित किया। शिविर में आये लोगो से मुखातिब प्रधान प्रतिनिधि रामभवन वर्मा ने कहाकि समय समय पर ऐसे चिकित्सा शिविर के आयोजन से ग्रामवासियों को इलाज के लिए दौड़ना नही पड़ता है और उन्हें अच्छी चिकित्सा मिल जाती है। इससे उनका समय और धन दोनो बच जाता है। शिविर में सैकड़ो लोगो ने स्वास्थ्य लाभ लिया।इस अवसर पर पंचायत भवन सहित अन्य जगहों पर वृक्षारोपण भी किया गया। उक्त अवसर पर दिनेश वर्मा, रामदास शर्मा, अवधेश, खुशीराम, सुभाष विश्वकर्मा सहित तमाम लोग मौजूद रहे।

जिला अस्पताल इमरजेंसी में सफाईकर्मी की पिटाई

अयोध्या। जिला अस्पताल की इमरजेंसी में ड्यूटी के दौरान सफाईकर्मी व सुरक्षाकर्मियों की पिटाई के विरोध में रविवार को अस्पताल कर्मियों ने धरना–प्रदर्शन किया। कर्मचारियों ने कोतवाली नगर पुलिस को ज्ञापन सौंपते हुए आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। इमरजेंसी में तैनात सुल्तानपुर के कूरेभार थाना क्षेत्र के दखिनवारा निवासी राम पलट और शहर के सहादतगंज निवासी गोविंद यादव ने बताया कि शनिवार की रात वह इमरजेंसी वार्ड में सफाई कर रहे थे। लगभग नौ बजे अचानक वार्डबॉय सत्यम सिंह अपने 5–6 लोगों के साथ पहुंचा और उन्हें देखते ही गाली देने लगा। जातिसूचक शब्दों का प्रयोग किया। विरोध करने पर उनकी पिटाई कर दी। बीच–बचाव करने पर गाली देते हुए उन्हें धमकाने लगा।इस पर कर्मचारियों में आक्रोश फैल गया। रविवार की सुबह कर्मचारी नीलम, मीना, रामचरन, धनदेई, राम पलट, गोविंद यादव, राम सजीवन, मंजू देवी आदि ने इमरजेंसी ओपीडी के सामने धरना–प्रदर्शन करते हुए आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। इस दौरान अस्पताल परिसर में काफी देर तक गहमागहमी रही। मौके पर आई पुलिस ने आरोपियों पर कार्रवाई का शासन दिया तो कर्मचारी शांत हुए।

दहेज की बलि चढ़ी विवाहिता मोनू वर्मा

अयोध्या। कोतवाली अयोध्या क्षेत्र के फतेहपुर गांव निवासिनी विवाहिता मोनू वर्मा का कम दहेज मिलने के कारण मारपीट कर हत्या किए जाने का मामला प्रकाश में आया है। रौनाही थाना क्षेत्र के सत्तीचौरा चौकी क्षेत्र के गांव सरायनामू निवासी मृतका के भाई मनोज वर्मा ने कोतवाली अयोध्या पुलिस को दी गयी तहरीर में बताया कि मेरी बहन की शादी आदर्श पुत्र देवी प्रसाद वर्मा के संग विगत तीन वर्ष पहले हुई थी। शादी के दौरान हैसियत के आधार पर दहेज देने के बावजूद कम दहेज मिलने का आरोप लगाकर श्वसुर देवी प्रसाद सत्यम सास प्रतिभा प्रतिमा मारपीट करते रहे। कुछ दिन पहले पति आदर्श फौज में ड्यूटी पर जाने से पहले भी मारपीट कर ड्यूटी गया था।

जिस इंग्लैंड दौरे पर बिखरे थे विराट कोहली, वहीं से 2027 वर्ड कप की नई शुरुआत!

विराट कोहली, जिन्होंने 2022 में इंग्लैंड दौरे पर अपने करियर के सबसे कठिन दौर का सामना किया था, एक शानदार वापसी के बाद अब 2027 वर्ल्ड कप जीतने के लक्ष्य के साथ न्ड्ढ लौट रहे हैं। महामारी के बाद उनके फॉर्म में गिरावट ने ब्रेक लेने पर मजबूर किया, लेकिन एशिया कप 2022 में 71वें शतक के साथ उनका पुनरुत्थान हुआ, जिसके बाद उन्होंने व्हाइट–बॉल क्रिकेट में लगातार सफलताएँ हासिल कीं। चार साल पहले, विराट कोहली इंग्लैंड के दौरे पर थे। एक दशक से ज्यादा समय तक लगातार रन, रिकॉर्ड और शतक बनाने के बाद, उनके शकिंगश वाले रुतबे की चमक कुछ फीकी पड़ती दिख रही थी। लगातार खराब स्कोर के कारण इस सुपरस्टार बल्लेबाज को कुछ समय के लिए ब्रेक लेना पड़ा। पूरी 2022 सीरीज के दौरान, विराट बेबस होकर अपने उस दबदबे वाले और तेजी से रन बनाने वाले अंदाज को ढूंढते रहे, जो रहस्यमय तरीके से तब गायब हो गया था जब दुनिया एक महामारी और उसके बाद के असर से जूझ रही थी।2022 में इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज में मिली बुरी हार के बाद, समय, उम्र और औसत के नियमों के असर पर सोचने और समझने के लिए थोड़ा ब्रेक लेने के बाद, विराट जल्द ही वापसी करते हैं। उनकी आँखों में एक नया जोश और बदला लेने की चमक थीय उन्होंने अपने बल्ले की जंग झाड़ी और व्हाइट–बॉल क्रिकेट में हर ट्रॉफी, रिकॉर्ड और शतक के साथ

अपनी कामयाबी का ताज फिर से चमकाया। अब, व्हाइट–बॉल क्रिकेट में कई ट्रॉफियां जीतने के बाद, 37 साल के ये खिलाड़ी 2027 प्ब्ब् क्रिकेट वर्ल्ड कप का खिताब जीतने के लक्ष्य के साथ न्ड्ढ लौट रहे हैं। साथ ही, उनके फैंस को उम्मीद है कि वे उन 15 शतकों को पूरा कर लेंगे, जिनसे वे श्सौ शतकोंश के उस मुकाम तक पहुँच जाएँगे, जो अभी सिर्फ सचिन तेंदुलकर के नाम है।2019 के बाद से कोई इंटरनेशनल शतक न लगाने वाले विराट जुलाई 2022 में इंग्लैंड के दौरे पर गए। इस दौरे से पहले 18 पारियों में सात वनडे फिफ्टी और घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खराब प्रदर्शन के बावजूद, यह उन फैंस और एक्सपर्ट्स के लिए काफी नहीं था जो हर हफ्ते कोहली को हेलमेट या बल्ला उठाते देखने के आदी हो चुके थे। टूर्नामेंट से पहले उनका ज्20प फॉर्म भी अच्छा थाय दौरे से पहले 19 पारियों में छह हाफ–सेंचुरी और 47 से ज्यादा का औसत था। छुट्टियांव मौसमी आयोजनइंग्लैंड दौरे पर विराट को उम्मीद के मुताबिक नतीजे नहीं मिले। यह घरेलू मैदान पर वेस्टइंडीज के खिलाफ खराब सीरीज का ही सिलसिला था, जिसमें वह तीन पारियों में सिर्फ 26 रन बना पाए थे। इंग्लैंड में विराट का स्कोरकार्ड कुछ ऐसा रहारू दो ज्20प में 1 और 11 रन, और दो वनडे में 16 और 17 रन। सात व्हाइट–बॉल पारियों में 20 रन का आंकड़ा भी न छू पाना और 2019 के बाद से शतक न लगा पाने की चर्चा का हर नाकामी के साथ और तेज होनाकृइन सबके बीच विराट ने अपना बल्ला एक तरफ रख दिया और जरूरी सोच–विचार और शांति के लिए कॉम्पिटिटिव क्रिकेट से एक महीने का ब्रेक ले लिया। महामारी के बाद के दौर में टेस्ट क्रिकेट में स्पिन के खिलाफ कमजोर खेल और ऑफ–स्टंप लाइन के बाहर संघर्ष के कारण विराट के लिए चीजें वैसी नहीं रहीं जैसी उम्मीद थी, लेकिन एशिया कप 2022 ने उस शानदार फॉर्म की शुरुआत की जिसका फैन्स को बेसब्री से इंतजार था। ग्रुप स्टेज में कुछ बेहतरीन प्रदर्शन का फायदा मिला और अफगानिस्तान के खिलाफ एक श्डेड रबरश मैच में जबरदस्त बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने आखिरकार अपना 71वां शतक पूरा किया।

लार्ड्स में भारतीय महिला टीम की ऐतिहासिक जीत से गदगद हुई शांता रंगास्वामी, बीसीसीआई से की लाल गेंद क्रिकेट को बढ़ावा देने की मांग

पूर्व भारतीय कप्तान शांता रंगास्वामी ने कहा कि लंदन के लॉर्ड्स में खेले गए महिला टेस्ट मैच में भारत की इंग्लैंड पर 270 रन की शानदार जीत ने महिलाओं के लिए भी लंबी अवधि के प्रारूप में अधिक मैच आयोजित करने की मांग को मजबूती मिली है।लंदन के ऐतिहासिक लॉर्ड्स मैदान पर भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने इंग्लैंड को 270 रनों के विशाल अंतर से हराकर एक नया इतिहास रच दिया है। इस एकमात्र टेस्ट मैच में भारत ने शुरू से लेकर अंत तक अपना दबदबा बनाए रखा। इस शानदार और अभूतपूर्व जीत की सराहना करते हुए पूर्व भारतीय कप्तान शांता रंगास्वामी ने कहा है कि इस प्रदर्शन ने महिला क्रिकेट में भी लंबी अवधि के प्रारूप (टेस्ट क्रिकेट) के अधिक मैच आयोजित करने की मांग को बेहद मजबूत कर दिया है। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (ठब्ब्प्) से घरेलू स्तर पर लाल गेंद की क्रिकेट को दोबारा पूरी तरह शुरू करने का आग्रह किया है।भारत ने इंग्लैंड के खिलाफ इस एकमात्र टेस्ट मैच में शुरू से लेकर आखिर तक दबदबा बनाए रखा। यास्तिका भाटिया लॉर्ड्स में शतक जड़ने वाली पहली महिला क्रिकेटर बनी, जबकि क्रांति गौड़ ने भी पांच विकेट लेकर लॉर्ड्स के सम्मान बोर्ड में अपना नाम दर्ज कराया। इसके बाद ऑफ स्पिनर स्नेह

राणा ने दूसरी पारी में चार विकेट लेकर जीत पक्की कर दी। रंगास्वामी ने पीटीआई से कहा, ''मुझे लगता है कि भारतीय महिला क्रिकेट के लिए इससे बेहतर कुछ नहीं हो सकता था। लॉर्ड्स में पहली बार खेलना। वह भी टेस्ट मैच खेलना और उसमें भी जीत हासिल करना।''उन्होंने कहा, ''भारत ने इंग्लैंड को 270 रन की बड़े अंतर से हराया तथा उसकी दो खिलाड़ियों ने सम्मान बोर्ड पर अपना नाम दर्ज कराया। मुझे लगता है कि इससे बेहतर और कुछ नहीं हो सकता।'' इस पूर्व ऑलराउंडर का मानना घ्है कि भारत के प्रदर्शन ने मजबूत तकनीक वाले खिलाड़ियों को तैयार करने में लाल गेंद के क्रिकेट के महत्व को उजागर किया है। रंगास्वामी ने कहा, ''जब मैं बीसीसीआई की शीर्ष परिषद की सदस्य थी तो मैं अक्सर महिला क्रिकेट में लंबी अवधि के प्रारूप की प्रतियोगिताओं के आयोजन पर जोर देती थी। पिछले साल इसे फिर से शुरू किया गया लेकिन केवल अंतरक्षेत्रीय स्तर पर और वह भी नॉकआउट प्रारूप में।''उन्होंने कहा, '' मेरा बीसीसीआई से आग्रह है कि वह अंडर–19, अंडर–23 और सीनियर टीमों के लिए लंबी अवधि के प्रारूप की प्रतियोगिताओं को शुरू करे, जैसा कि कई साल पहले किया जाता था। हमारी महिला क्रिकेटरों के कौशल को निखारने के लिए यही एकमात्र तरीका है।'' रंगास्वामी ने पुरुषों के खेल से तुलना करते हुए कहा कि लंबी अवधि के प्रारूप का क्रिकेट के बेहतर तकनीक वाले क्रिकेटर तैयार करने में मदद करता है।उन्होंने कहा, ''विराट कोहली या स्टीव स्मिथ जैसे खिलाड़ी अपनी उत्कृष्ट तकनीक के कारण तीनों प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं। घरेलू क्रिकेट में हर स्तर पर इसी तकनीक को विकसित करने की जरूरत है।'' रंगास्वामी ने कहा, ''मैंने यास्तिका से बात की।

इण्डिया इंग्लैंड ओडीआई विराट कोहली एक दशक से टीम इण्डिया की रीढ़, शुभमन गिल ने जमकर की तारीफ

कप्तान शुभमन गिल ने इंग्लैंड वनडे सीरीज से पहले रोहित शर्मा और विराट कोहली को भारतीय बैटिंग की शरीढ़श बताया। उनका कहना है कि पिछले एक दशक से इन अनुभवी बल्लेबाजों का कौशल और अनुभव टीम इंडिया के लिए बेहद महत्वपूर्ण है, खासकर 2027 विश्व कप की तैयारियों के मद्देनजर। कप्तान शुभमन गिल ने सोमवार को कहा कि स्टार बल्लेबाज विराट कोहली और रोहित शर्मा भारत की वनडे टीम का अहम हिस्सा बने हुए हैं, क्योंकि 50–ओवर के फॉर्मेट में इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों का अनुभव और कौशल बहुत ज्यादा है। मंगलवार से बर्मिंघम में शुरू होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की वनडे सीरीज में भारत की उम्मीदें कोहली और रोहित पर टिकी होंगी। इससे पहले हुई ज्20प सीरीज में भारत को आयरलैंड और इंग्लैंड से क्रमशः 0–2 और 0–4 से हार का सामना करना पड़ा था।मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में गिल ने कहा कि मुझे लगता है कि विराट भाई और रोहित भाई पिछले एक दशक से भारतीय बैटिंग लाइनअप की रीढ़ रहे हैं और वे हमारी टीम

का बहुत अहम हिस्सा बने हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि टीम में उनका अनुभव और कौशल जाहिर तौर पर बहुत कीमती है। हमने देखा है कि उन्होंने पिछले एक दशक में अलग–अलग हालात में, बार–बार, लगातार, कई मैचों, अलग–अलग टूर्नामेंट और अलग–अलग मौकों पर कैसा प्रदर्शन किया है।इंग्लैंड के खिलाफ मंगलवार से शुरू होने वाली तीन मैचों की एकदिवसीय श्रृंखला से पहले गिल ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि वनडे को 40 ओवर का बनाया जाना चाहिए।'' गिल ने कहा, ''पहले हम काफी त्रिकोणीय श्रृंखलाएं खेलते थे और उन्हें देखना बेहद मजेदार होता था। ऑस्ट्रेलिया में भारत, ऑस्ट्रेलिया और श्रीलंका जैसी टीमें खेलती थीं। आप केवल एक टीम के खिलाफ नहीं, बल्कि दो अलग–अलग टीमों के खिलाफ अलग–अलग मैदानों पर खेलते थे। उन्होंने कहा कि अगर वनडे क्रिकेट को और रोचक बनाना है तो द्विपक्षीय श्रृंखलाओं के बजाय त्रिकोणीय या शायद चतुष्कोणीय श्रृंखलाएं आयोजित की जानी चाहिए। इससे खिलाड़ियों और दर्शकों, दोनों के लिए यह प्रारूप ज्यादा दिलचस्प बनेगा। इस 26 साल के खिलाड़ी ने कहा कि उनके लिए 50 ओवर का विश्व कप अब भी क्रिकेट की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिता है। उन्होंने कहा कि मैंने बचपन में सबसे ज्यादा 50 ओवर का क्रिकेट देखा है। जब भी विश्व कप का नाम आता है तो सबसे पहले 50 ओवर के विश्व कप की याद आती है।मुझे किसी एक विश्व कप को जीतना हो तो वह 50 ओवर का विश्व कप ही होगा।

इंग्लैंड और जिम्बाब्वे दौरे से पहले टीम इंडिया में बदलाव, प्रिंस यादव और रवि बिसनोई को मिला मौका

आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ मिली हार के बाद टीम इंडिया में हुए ये बदलाव टीम के बेंच स्ट्रेंथ को परखने का एक गंभीर विश्लेषणात्मक प्रयास हैं। प्रिंस यादव और रवि बिश्नोई को मिली जिम्मेदारी यह संकेत देती है कि प्रबंधन अब आगामी दौरों के लिए केवल अनुभवी चेहरों पर निर्भर नहीं रहना चाहता। कीवर्ड्सरू श्रेयस अय्यर, शुभमन गिल, हर्षित राणा इंजरी, रवि बिश्नोई चयन, भारत बनाम इंग्लैंड, भारत बनाम जिम्बाब्वे, टी20 क्रिकेट। इंग्लैंड और जिम्बाब्वे के खिलाफ आगामी सीमित ओवरों की श्रृंखलाओं से पहले भारतीय क्रिकेट टीम में दो अहम बदलाव किए गए हैं। चोट के कारण तेज गेंदबाज हर्षित राणा और स्पिनर वरुण चक्रवर्ती टीम से बाहर हो गए हैं। उनकी जगह चयनकर्ताओं ने प्रिंस यादव और रवि बिश्नोई को भारतीय टीम में शामिल किया है।मौजूद जानकारी के अनुसार हर्षित राणा को इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टी20 मुकाबले के दौरान दाईं हैमस्ट्रिंग में अचानक दर्द महसूस हुआ था। जांच के बाद उनके चोटिल होने की पुष्टि हुई और उन्हें प्रथम श्रेणी की मांसपेशी चोट पाई गई। इसी वजह से वह इंग्लैंड के खिलाफ होने वाली एकदिवसीय श्रृंखला में हिस्सा नहीं ले सकेंगे। अब वह भारतीय क्रिकेट बोर्ड के उत्कृष्टता केंद्र में विशेषज्ञों की निगरानी में उपचार और पुनर्वास की प्रक्रिया से गुजरेंगे।वहीं वरुण चक्रवर्ती भी उसी मुकाबले के दौरान बाईं हैमस्ट्रिंग की परेशानी से जूझते नजर आए। बाद में कराई गई जांच में उन्हें दूसरी श्रेणी की मांसपेशी चोट पाई गई। चिकित्सकों की सलाह पर उन्हें जिम्बाब्वे के खिलाफ होने वाली टी20 श्रृंखला से बाहर कर दिया गया है। वह भी आगे के इलाज और फिटनेस कार्यक्रम के लिए उत्कृष्टता केंद्र पहुंचेंगे।गौरतलब है कि भारतीय टीम हाल के समय में सीमित ओवरों के क्रिकेट में उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकी है। टीम को इंग्लैंड के खिलाफ पांच टी20 मैचों की श्रृंखला में 4–0 से हार

का सामना करना पड़ा। इससे पहले आयरलैंड के खिलाफ भी भारत को अप्रत्याशित श्रृंखला हार झेलनी पड़ी थी। ऐसे में आगामी दोनों श्रृंखलाएं टीम के लिए आत्मविश्वास हासिल करने के लिहाज से काफी महत्वपूर्ण मानी जा रही हैं। इसी वर्ष भारत ने लगातार दूसरी बार टी20 विश्व कप जीतने के बाद टीम की कप्तानी में भी बदलाव किया था। सूर्यकुमार यादव की जगह श्रेयस अय्यर को टी20 टीम की कमान सौंपी गई, जबकि इंग्लैंड के खिलाफ एकदिवसीय श्रृंखला में शुभमन गिल कप्तानी करेंगे। टीम में रोहित शर्मा, विराट कोहली, केएल राहुल, ईशान किशन, अक्षर पटेल, कुलदीप यादव, जसप्रीत बुमराह और अर्शदीप सिंह जैसे अनुभवी खिलाड़ी भी शामिल हैं।

लार्ड्स में इण्डिया महिला की धाक! इग्लैड को रौंदकर रचा ऐतिहासिक टेस्ट जीत का नया अध्याय

इस जीत में यस्तिका भाटिया, क्रांति गौड़ और स्नेह राणा ने शानदार प्रदर्शन किया। पहली पारी में क्रांति ने गेंदबाजी में कमाल दिखाया और पाँच विकेट लिए। वह लॉर्ड्स के मशहूर मैदान पर पाँच विकेट लेने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। भारतीय महिला टीम ने मशहूर लॉर्ड्स मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए इकलौते टेस्ट मैच में ऐतिहासिक जीत हासिल की है। शहोम ऑफ क्रिकेटश में खेले गए इस पहले टेस्ट मैच में श्वुमन इन ब्लूश ने इंग्लिश टीम को 270 रनों से हराया। इस जीत में यस्तिका भाटिया, क्रांति गौड़ और स्नेह राणा ने शानदार प्रदर्शन किया। पहली पारी में क्रांति ने गेंदबाजी में कमाल दिखाया और पाँच विकेट लिए। वह लॉर्ड्स के मशहूर मैदान पर पाँच विकेट लेने वाली पहली महिला खिलाड़ी बन गईं। इतिहासपहले बल्लेबाजी करते हुए भारत ने 285 रन बनाए, जिसके बाद क्रांति ने 17 ओवर में 37 रन देकर 5 विकेट लिए और इंग्लिश टीम को बड़ा झटका दिया। इस शानदार प्रदर्शन के साथ उन्होंने लॉर्ड्स के श्ऑनर्स बोर्डश पर अपना नाम दर्ज कराया। उनकी गेंदबाजी की बदौलत भारत ने मेजबान टीम को सिर्फ 170 रनों पर ऑल–आउट कर दिया और 115 रनों की बड़ी बढ़त हासिल की। पहली पारी के बाद ही श्वुमन इन ब्लूश इंग्लिश टीम पर हावी हो गई थीं, और दूसरी पारी में यस्तिका भाटिया ने शतक लगाकर जीत लगभग पक्की कर दी। हाल के समय में चोटों से जूझने वाली इस विकेटकीपर–बल्लेबाज ने 158 गेंदों पर 113 रन बनाए और भारतीय टीम को 341ध्7 (पारी घोषित) के स्कोर तक पहुँचाया, जिससे मेजबान टीम को दूसरी पारी में जीत के लिए 457 रनों का मुश्किल

लक्ष्य मिला। भारतीय गेंदबाजों ने शानदार प्रदर्शन किया। जहाँ बल्लेबाजों ने दूसरी पारी में बड़ा स्कोर खड़ा किया, वहीं गेंदबाजों ने जीत की नींव रखी। पहली पारी में बल्लेबाजों के 285 रन के औसत स्कोर के बाद, गेंदबाजों ने विरोधी टीम पर दबाव बनाया। क्रांति ने हालात का पूरा फायदा उठाया और पहली पारी में इंग्लैंड की टीम को लड़खड़ाने पर मजबूर कर दिया। इस तेज गेंदबाज ने टॉप पाँच में से चार बल्लेबाजों को आउट किया, जिनमें टैमी ब्यूमोंट भी शामिल थीं, जिन्होंने इस मैच के बाद इंटरनेशनल क्रिकेट से संन्यास ले लिया। दूसरी पारी में क्रांति के बाद स्नेह राणा ने मोर्चा संभाला और चार विकेट लिए। उन्होंने अपने 19.5 ओवर में 4ध्42 के आंकड़े के साथ शानदार गेंदबाजी कीय उन्होंने मैच का आखिरी विकेट सोफी एक्लेस्टोन का लिया, जिन्होंने दूसरी पारी में पाँच विकेट लिए थे।

बुनियादी ढांचे में सरकारी निवेश से चमका खनन एवं निर्माण उपकरण उद्योग

घरेलू खनन एवं निर्माण उपकरण उद्योग ने वित्त वर्ष 2025–26 में 1.40 लाख से अधिक इकाइयों की सकल बिक्री दर्ज की, जो सालाना आधार पर तीन प्रतिशत अधिक है। यह वृद्धि बुनियादी ढांचे में सरकार के निरंतर निवेश से संभव हुई है। देश में इंफ्रास्ट्रक्चर (बुनियादी ढांचे) के विकास को लेकर सरकार के निरंतर निवेश का असर अब घरेलू मैन्युफैक्चरिंग सेक्टर पर साफ दिखने लगा है। भारतीय खनन एवं निर्माण उपकरण उद्योग ने वित्त वर्ष 2025–26 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 1.40 लाख से अधिक इकाइयों (यूनिट्स) की सकल बिक्री दर्ज की है। यह आंकड़ा पिछले वित्त वर्ष के मुकाबले सालाना आधार पर तीन प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। यह जानकारी मंगलवार को नई दिल्ली में आयोजित श्माइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट समिटश के दौरान सामने आई। इस शिखर सम्मेलन का आयोजन भारतीय उद्योग परिसंघ (ब्प्प्) और भारी उद्योग मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में किया गया था। भारतीयनाैसेना

जानकारीटीकेआईएल इंडस्ट्रीज के प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) विवेक भाटिया ने मंगलवार को कहा कि खनन एवं निर्माण उपकरण क्षेत्र आर्थिक वृद्धि का एक महत्वपूर्ण आधार बनकर उभरा है।यह विश्वस्तरीय बुनियादी ढांचे के विकास, खनन गतिविधियों के विस्तार तथा विनिर्माण, ऊर्जा सुरक्षा एवं प्रौद्योगिकी प्रगति के लिए आवश्यक खनिजों की उपलब्धता सुनिश्चित करने में अहम भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि उद्योग का निर्यात 31.5 प्रतिशत बढ़ा है। यह इस क्षेत्र में संरचनात्मक बदलाव का संकेत है, जहां भारतीय विनिर्माता केवल घरेलू मांग पूरी करने तक सीमित नहीं रहकर विदेशी बाजारों में भी अपनी मजबूत मौजूदगी बना रहे हैं।स्थानीयकरण में वृद्धि, उत्पाद गुणवत्ता में सुधार और प्रतिस्पर्धी मूल्य निधारण इसकी प्रमुख वजह हैं। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) और भारी उद्योग मंत्रालय के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'माइनिंग एंड कंस्ट्रक्शन इक्विपमेंट समिट' को संबोधित करते हुए भाटिया ने कहा कि बुनियादी ढांचे के सभी क्षेत्रों में सरकार के लगातार निवेश से इस उद्योग की वृद्धि को गति मिली है।उन्होंने कहा कि उद्योग तेजी से मशीनीकरण, विश्वस्तरीय उपकरणों और नवीनतम पीढ़ी की प्रौद्योगिकियों को अपना रहा है। भाटिया ने कहा कि भारत पांच लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने और 'विकसित भारत 2047' के लक्ष्य की दिशा में आगे बढ़ रहा है तथा यह देश के विकास की यात्रा का एक निर्णायक दौर है। उन्होंने कहा कि राजमार्गों, रेलवे, बंदरगाहों, हवाई अड्डों, शहरी बुनियादी ढांचे, नवीकरणीय ऊर्जा और विनिर्माण क्षेत्र के विस्तार के साथ–साथ महत्वपूर्ण खनिजों पर बढ़ते जोर ने इस उद्योग के लिए अभूतपूर्व अवसर पैदा किए हैं।

कमजोर ग्लोबल संकेतों से शेयर बाजार में गिरावट! सेंसेक्स 344 अंक टूटा, निफ्टी 24,100 के नीचे फिसला

सेंसेक्स 77,616.40 पर और निफ्टी 50 24,211 पर बंद हुआ था। इसी तरह, शुरुआती सेशन में बड़े इंडेक्स भी गिरावट के साथ ट्रेड कर रहे थे। ठैम् मिडकैप सेलेक्ट इंडेक्स 122.69 अंक नीचे था, जबकि ठैम् स्मॉलकैप सेलेक्ट इंडेक्स 29.34 अंक या 0.33 प्रतिशत गिरकर 8,743.94 पर ट्रेड कर रहा था।अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते सैन्य तनाव का असर भारतीय शेयर बाजार पर साफ देखने को मिल रहा है। कमजोर वैश्विक संकेतों के चलते आज यानी 14 जुलाई, 2026 को घरेलू शेयर बाजार की शुरुआत गिरावट के साथ हुई। प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं। अमेरिका और ईरान के बीच जारी सैन्य हमलों ने निवेशकों के सेंटीमेंट को हिला दिया था। 30–शेयर वाला ठैम् सेंसेक्स 344.06 अंक या 0.44 प्रतिशत गिरकर 77,272.34 पर खुला, जबकि निफ्टी 143 अंक गिरकर 24,068 पर खुला। पिछले ट्रेडिंग सेशन में, सेंसेक्स 77,616.40 पर और निफ्टी 50 24,211 पर बंद हुआ था। इसी तरह, शुरुआती सेशन में बड़े इंडेक्स भी गिरावट के साथ ट्रेड कर रहे थे। ठैम् मिडकैप सेलेक्ट इंडेक्स 122.69 अंक नीचे था, जबकि ठैम् स्मॉलकैप सेलेक्ट इंडेक्स 29.34 अंक या 0.33 प्रतिशत गिरकर 8,743.94 पर ट्रेड कर रहा था।सेंसेक्स पैक में टाटा स्टील, अडानी पोर्ट्स, इंफोसिस, छज्च्ब् और भारती एयरटेल बढ़त बनाने वाले शेयरों में शामिल थेय शुरुआती कारोबार में टाटा स्टील लगभग 0.75 प्रतिशत की बढ़त के साथ सबसे आगे था।

लोकेश कनगराज का धाकड़ डेब्यू, डीसी में खूंखार देवदास बनकर हिला देंगे पर्दा, रिलीज डेट तय

डीसी की रिलीज डेट तय हो गई है। मशहूर डायरेक्टर लोकेश कनगराज इस फिल्म से एक्टिंग की दुनिया में कदम रख रहे हैं। फिल्म का नाम डीसी है और इसे अरुण मथेश्वरन डायरेक्ट कर रहे हैं। फिल्म में वामिका गब्बी फीमेल लीड रोल में हैं।

ताजा जानकारी के मुताबिक, मेकर्स ने फिल्म की रिलीज डेट तय कर ली है। यह फिल्म 31 जुलाई 2026 को रिलीज होगी। मेकर्स ने किरदारों को दिलचस्प और आकर्षक अंदाज में पेश करते हुए नया पोस्टर जारी करके इसकी पुष्टि की। पोस्टर जारी करते हुए मेकर्स ने लिखा, देवदास और चंद्रा बड़े पर्दे पर धूम मचाने के लिए तैयार हैं! डीसी 31 जुलाई से दुनिया भर में रिलीज हो रही है।

मेकर्स आने वाले दिनों में फिल्म का ट्रेलर रिलीज करेंगे। अरुण और फ्रैंकलिन जैकब ने डायलॉग लिखे हैं, जबकि अरुण रंजन ने अतिरिक्त स्क्रीनप्ले लिखा है। यह फिल्म सन पिक्चर्स बैनर तले बन रही है। फिल्म में संजना कृष्णमूर्ति भी अहम भूमिका में हैं और अनिरुद्ध रविचंदर इसके म्यूजिक डायरेक्टर हैं।

सीरीज आदर्श बाल विद्यालय का ट्रेलर जारी, स्कूल की व्यवस्था सुधारते दिखे केके मेनन

हिमांक गौर के निर्देशन में बनी नई कॉमेडी–ड्रामा सीरीज आदर्श बाल विद्यालय्य का आधिकारिक ट्रेलर रिलीज हो चुका है। ये सीरीज प्राइम वीडियो पर स्ट्रीम होने वाली है।बच्चों की अतरंगी मस्ती से भरपूर सीरीज आदर्श बाल विद्यालय्य का ट्रेलर सामने आ गया है। ट्रेलर में ज्ञानेश्वर त्रिपाठी (केके मेनन द्वारा अभिनीत) नाम का एक लापरवाह स्कूल प्रिंसिपल नजर आता है, जो कैम्ब्रिज में सरकार द्वारा प्रायोजित एक ट्रेनिंग प्रोग्राम में अपने स्कूल के बच्चों को भेजना चाहता है। उनकी इसी इच्छा के कारण वे अपनी टीचर्स की टीम के साथ मिलकर स्कूल के बच्चों को सुधारने की कोशिश करते हैं, लेकिन बिगड़ेल बच्चों की हरकतों की वजह से उसे कैम्ब्रिज का सपना अधूरा लगने लगता है। इस बीच उसे कई मुश्किलों का सामना करना पड़ता है।ट्रेलर में हल्की–फुल्की कॉमेडी, बच्चों की मस्ती और मनोरंजन से भरपूर एक सीरीज की झलक देखने को मिलती है।आदर्श बाल विद्यालया सीरीज में केके मेनन, अर्चना पूरन सिंह, नवीन कस्तूरिया, प्रसन्ना बिष्ट, देवेन भोजानी, अजितेश गुप्ता, अन्नपूर्णा सोनी, प्राची शाह और अभिमन्यु सिंह नजर आएंगे।सीरीज का प्रीमियर 24 जुलाई को अमेजन प्राइम वीडियो पर किया जाएगा।

सलमान खान की मातृभूमि के लिए करना पड़ सकता है लंबा इंतजार, आया ये अपडेट

सलमान खान की फिल्म मातृभूमिरू मे वॉर रेस्ट इन पीस को अगस्त में रिलीज किया जाना था। अब लगता है कि फैंस को इसके लिए लंबा इंतजार करना पड़ सकता है, क्योंकि इसकी रिलीज के आसार इस साल तो दूर–दूर तक नहीं दिख रहे हैं। ताजा अपडेट है कि फिल्म को रिलीज करने की हर संभव कोशिश जारी है, लेकिन यह इस साल तक टल सकती है। बता दें, फिल्म मातृभूमि का निर्देशन अपूर्व लाखिया ने किया है। रिपोर्ट के मुताबिक, सूत्र ने कहा, मामले अभी तक सुलझे नहीं हैं। अगर ये जल्द सुलझ भी जाते हैं, तब भी अच्छी रिलीज स्लॉट मिलना मुश्किल होगा, क्योंकि ज्यादातर तारीखें बुक हो चुकी हैं। हमारी इंडस्ट्री में यह आम बात है कि अभिनेता और फिल्म निर्माता किसी दूसरी फिल्म की पहले से बुक की गई तारीख पर फिल्म रिलीज कर देते हैं।

धमाल 4 का दुनियाभर में कहर, अल्फा से पेद्दी तक 26 फिल्मों के उड़ाए परखच्चे, 100 करोड़ से रह गई इंचभर दूर

अजय देवगन की फिल्म धमाल 4 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। अपने नाम की तरह ही इस कॉमेडी–ड्रामा ने दुनियाभर के बॉक्स ऑफिस पर भी धमाल मचाकर रख दिया है। इंद्र कुमार के निर्देशन में बनी यह फिल्म ध माल फ्रैंचाइजी की चौथी कड़ी है, जो रिलीज के बाद से ताबड़तोड़ कारोबारी करती जा रही है। इसके आगे आलिया भट्ट की अल्फा और अक्षय कुमार की वेलकम टू द जंगल का कैसा हाल रहा? आइए जानते हैं।सैकनिल्क के मुताबिक, इसने रिलीज के तीसरे दिन 28.50 करोड़ रुपये का शानदार कारोबार किया है।फिल्म ने 14 करोड़ रुपये से अपना खाता खोला था और दूसरे दिन 22.50 करोड़ रुपये कमाए

थे।इसके बाद घरेलू स्तर पर फिल्म कुल 65 करोड़ रुपये की कमाई कर चुकी है। वहीं इसका वैश्विक कुल कलेक्शन 92 करोड़ तक पहुंच गया है।फिल्म में रितेश देशमुख, अरशद वारसी, रवि किशन और जावेद जाफरी भी अहम किरदारों में शामिल हैं।उध धर आलिया अभिनीत फिल्म अल्फा ने रिलीज के 10वें दिन 2. 25 करोड़ रुपये की कमाई की है।इसी के साथ घरेलू स्तर पर फिल्म का कुल नेट कलेक्शन एक सप्ताह में महज 53.60 करोड़ रुपये हो सका है।फिल्म में शरवरी वाघ, बॉबी देओल और अनिल कपूर भी हैं।दूसरी ओर, वेलकम टू द जंगल भी सुस्त गति से आगे बढ़ रही है।

जया कृष्णा घट्टामनेनी और राशा थडानी की फिल्म श्रीनिवास मंगपुरम की रिलीज की तारीख से उठा पर्दा, 30 जुलाई को रिलीज होगी

जया कृष्णा घट्टामनेनी की फिल्म श्रीनिवास मंगपुरम से वे बड़े पर्दे पर डेब्यू कर रहे हैं और यह फिल्म 30 जुलाई को दुनिया भर में रिलीज होगी। अजय भूपति के निर्देशन में बनी इस रोमांटिक–एक्शन फिल्म को एक अच्छा मौका मिला है क्योंकि इस दौरान किसी बड़े स्टार की फिल्म रिलीज नहीं हो रही है। प्रोड्यूसर पी. किरण और प्रेजेंटर अश्विनी दत्त फिल्म की चर्चा बनाए रखने के लिए जोर–शोर से प्रमोशन करने की योजना बना रहे हैं। राशा थडानी इस फिल्म से जया कृष्णा के साथ तेलुगु सिनेमा में डेब्यू कर रही हैं।

30 जुलाई की तारीख का एक खास महत्व है, क्योंकि इसी दिन 1999 में महेश बाबू की फिल्म राजकुमारुडु रिलीज हुई थी। पहले यह फिल्म 9 जुलाई को रिलीज होने वाली थी, लेकिन मेकर्स ने तारीख बदल दी ताकि यह अखिल की फिल्म लेनिन के साथ न टकराए। मोहन बाबू विलेन का रोल निभा रहे हैं, जिससे फिल्म में स्टार पावर जुड़ गई है। अजय भूपति ने तिरुपति–चित्तूर की पृष्ठभूमि में रोमांस, इमोशन और जबरदस्त एक्शन का मेल दिखाया है।

प्रमोशनल कंटेंट में जया कृष्णा की दमदार मौजूदगी और राशा के साउथ इंडियन लुक, एक्शन अवतार और डांस स्किल्स की तारीफ हो रही है। उनकी ऑन–स्क्रीन केमिस्ट्री चर्चा का मुख्य विषय है। जीवी प्रकाश कुमार के संगीत और शानदार विजुअल्स ने लोगों की उत्सुकता बढ़ा दी है। पोस्ट–प्रोडक्शन का काम तेजी से चल रहा है और जल्द ही ट्रेलर से जुड़ी जानकारी मिलने की उम्मीद है। अजय भूपति ने युवा प्रेम को पूरी शिद्दत के साथ दिखाया है और कमर्शियल एलिमेंट्स व जमीनी भावनाओं के बीच संतुलन बनाए रखा है। मोहन बाबू का अहम रोल कहानी के टकराव को और मजबूत बनाता है, जबकि राशा की बॉलीवुड में लोकप्रियता फिल्म की पहुँच बढ़ाने में मदद करती है। महेश बाबू के भतीजे के जरिए कृष्णा की विरासत को आगे बढ़ाते

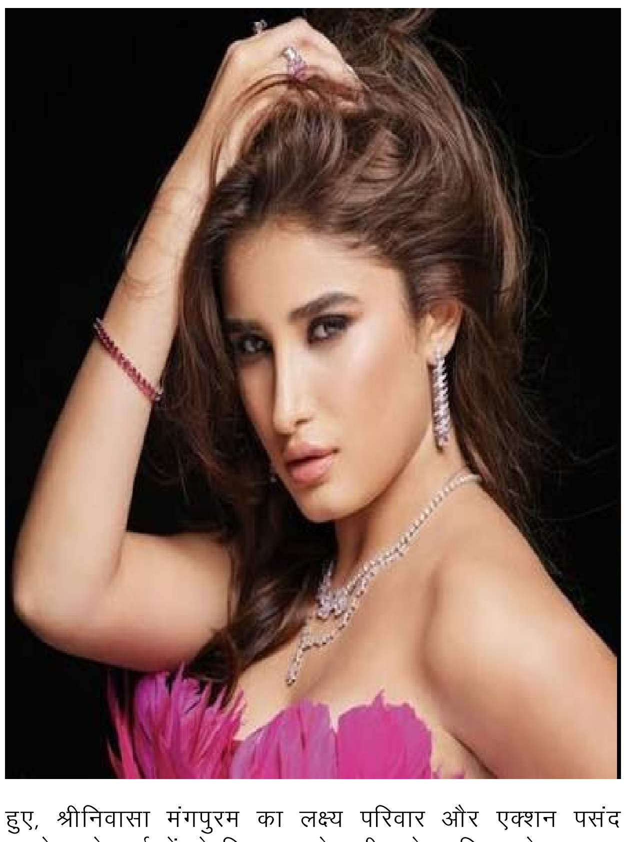

हुए, श्रीनिवासा मंगपुरम का लक्ष्य परिवार और एक्शन पसंद करने वाले दर्शकों के लिए एक बेहतरीन डेब्यू फिल्म पेश करना है।

रेड वेलवेट गाउन में कंगना शर्मा ने बढ़ाया इंटरनेट का पारा

अपनी बोल्डनेस और बेहतरीन स्टाइल स्टेटमेंट के लिए जानी जाने वाली एक्ट्रेस कंगना शर्मा एक बार फिर सुर्खियों में हैं। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी कुछ बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें साझा की हैं, जिन्हें देखकर फैंस के दिलों की धड़कनें तेज हो गई हैं।

तस्वीरों में कंगना शर्मा चमकीले लाल रंग का एक शानदार वेलवेट गाउन पहने नजर आ रही हैं। यह एक थाई–हाई स्लिट गाउन है, जो उनके टोंड लेग्स को पूरी तरह फ्लॉन्ट कर रहा है।

गाउन का डीप स्वीटहार्ट नेकलाइन डिजाइन कंगना के लुक को और भी ज्यादा बोल्ड और सिजलिंग बना रहा है। इस फुल–स्लीव्स आउटफिट के साथ उन्होंने मैचिंग रेड कलर का स्लिंग बैग कैरी किया हुआ है, जो उनके ओवरऑल अपीयरेंस को कॉम्प्लीमेंट कर रहा है।कंगना ने अपने इस लुक को पूरा करने के लिए बोल्ड रेड लिपस्टिक लगाई है, जो उनके चेहरे पर काफी निखर कर आ रही है। स्मोकी आइज और परफेक्ट ब्लश के साथ उनका फेशियल ग्लो देखते ही बनता है। बालों की बात करें तो उन्होंने अपने वेवी हेयर्स को साइड–पार्टिंग के साथ खुला रखा है, जो उनके कंधों पर बेहद खूबसूरत लग रहे हैं। गले में पहना हुआ हैवी स्टेटमेंट सिल्वर नेकपीस उनके नेकलाइन को एक रॉयल टच दे रहा है।

दुनियाभर में लेनिन का तहलका, तीन दिन में धुआंधार कमा डाले करोड़ो, अखिल अक्किनेनी की बनी सबसे बडी हिट

अखिल अक्किनेनी की फिल्म लेनिन 10 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी. मुरली किशोर अब्बुरु के निर्देशन में बनी इस रूरल एक्शन ड्रामा फिल्म को दर्शकों से अच्छा रिस्पॉन्स मिल रहा है. दमदार ओपनिंग के बाद फिल्म की कमाई में वीकेंड पर भी जबरदस्त उछाल देखा गया. चलिए यहां जानते हैं इस फिल्म ने रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे को कितना कलेक्शन किया है?

लेलिन को सिनेमाघरों मे रिलीज होन के बाद क्रिटिक्स से मिला–जुला रिव्यू मिल था. बावजूद इसके इस फिल्म को दर्शक खूब पसंद कर रहे हैं. फिल्म की अच्छी शुरुआत हुई थी और अपने ओपनिंग वीकेंड पर भी ये ऑडियंस को सिनेमाघरों तक खींचने में कामयाब रही.फिल्म के कलेक्शन की बात करें तो लेलिन ने पहले दिन 7.15 करोड़ रुपये कमाए थे. इसके बाद दूसरे दिन इसने 8.65 करोड़ का कारोबार किया.वहीं अब सैकनिल्क की अर्ली ट्रेंड रिपोर्ट के मुताबिक लेलिन ने रिलीज के तीसरे दिन यानी संडे को 2 हजार 324 शो से 9.65 करोड़ की नेट कमाई की है.

इससे भारत में फिल्म का कुल नेट कलेक्शन 25.45 करोड़ हो गया है. वहीं भारत में इसका कुल ग्रॉस कलेक्शन 29.27 करोड़ रुपये हुआ है.

लेनिन ने दुनियाभर में भी बॉक्स ऑफिस हिला डाला है. इसने ओवरसीज में तीसरे दिन 2.00 करोड़ कमाए, जिससे विदेश में इसका कुल ग्रॉस कलेक्शन 7.80 करोड़ हो गया है. वहीं दुनिया भर इसकी कुल ग्रॉस कमाई अब 37.07 करोड़ रुपये हुई है.

लेनिन ने रिलीज के तीन दिन में ही वर्ल्डवाइड 37 करोड़ से ज्यादा कमाई कर डाली है. इसी के साथ ये फिल्म अखिल की हाल से सालों में सबसे बड़ी कमर्शियल हिट बन गई है. खास तौर पर आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे अहम बाजारों में अच्छी ऑक्यूपेंसी के साथ इस फिल्म ने तहलका मचा दिया है. लेलिन अखिल के करियर के लिए अहम फिल्म साबित हो रही है. बता दें कि उनकी पिछली फिल्म एजेंट ने 2023 में सिनेमाघरों में रिलीज के दौरान दुनिया भर में लगभग 8.14 करोड़ रुपये की कमाई की थी, जबकि मिस्टर मजनू ने 2019 में ग्लोबली लगभग 7 करोड़ रुपये कमाए थे।अब देखने

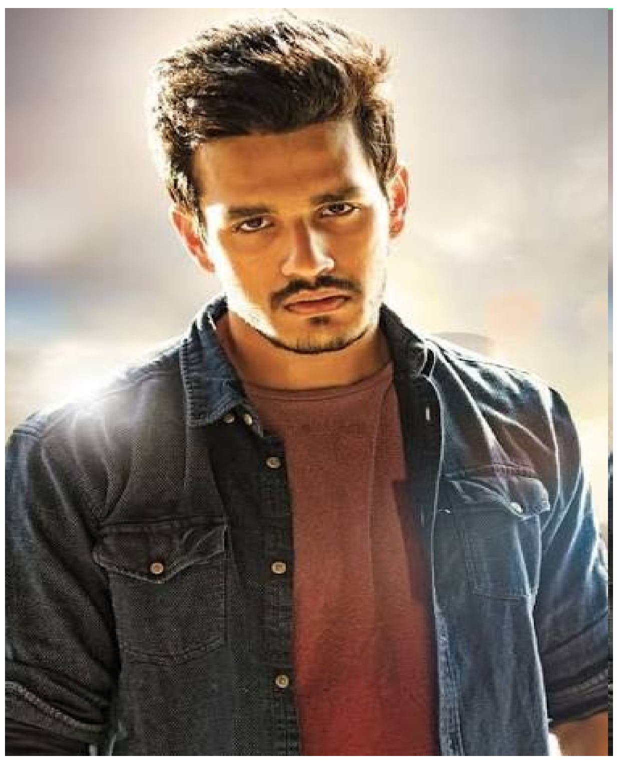

वाली बात होगी कि ये फिल्म अब वीकडेज में कैसा परफॉर्म कर पाती है.लेनिन के बारे में मुरली किशोर अब्बुरू द्वारा निर्देशित, लेलिन में अखिल अक्किनेनी के साथ भाग्यश्री बोरसे, शिवाजी, रामकी, सुनील, ब्रह्माजी और ईश्वरी राव प्रमुख भूमिकाओं में हैं. फिल्म में थमन का म्यूजिक, लियोन ब्रिटो की सिनेमैटोग्राफी और नवीन नूली की एडिटिंग है

पिटबुल के कान्सर्ट में झूमीं अनन्या पाडे, गाया रेन ओवर मी सान्ग

बॉलीवुड अभिनेत्री अनन्या पांडे ने हाल ही में विंबलडन 2026 पुरुष एकल सेमीफाइनल का मुकाबला देखा। इसके बाद उन्होंने क्यूबा–अमेरिकी रैपर पिटबुल के कॉन्सर्ट का आनंद लेते हुए अपनी कुछ झलकियां भी सोशल मीडिया पर साझा की। अपनी सोशल मीडिया स्टोरी में अनन्या पांडे ने पहले विंबलडन मुकाबले की कुछ झलकियां साझा कीं। इसके बाद उन्होंने पिटबुल के कॉन्सर्ट से एक वीडियो पोस्ट किया। वीडियो में वह अन्य प्रशंसकों के साथ वर्ष 2011 के लोकप्रिय गीत रेन ओवर मी पर झूमती और गाती नजर आईं। इस वीडियो के साथ अनन्या पांडे ने कैप्शन में लिखा, पिटबुल एट द पार्क।रेन ओवर मी पिटबुल का लोकप्रिय गीत है, जो उनके छठे स्टूडियो एल्बम प्लैनेट पिट का हिस्सा है। इस गीत में प्यूर्टो रिको–अमेरिकी गायक मार्क एंथनी ने भी अपनी आवाज दी है। इस गीत को पिटबुल, मार्क एंथनी और उनके सहयोगी गीतकारों ने मिलकर लिखा था।पिटबुल ने अपने संगीत करियर की शुरुआत 2000 के दशक की शुरुआत में की थी। वह रेगेटन, लैटिन हिप–हॉप और क्रंक संगीत के लिए जाने जाते हैं। उनका पहला एल्बम एम.आई.ए.एम.आई. था। इसके बाद उनके एल्बम एल मारिएल और द बोटलिफ्ट भी काफी लोकप्रिय हुए और बिलबोर्ड 200 की सूची में शामिल हुए।

पिटबुल के चौथे एल्बम पिटबुल स्टारिंग इन रेबेल्यूशन ने उन्हें मुख्यधारा में बड़ी पहचान दिलाई। इस एल्बम के आई नो यू वांट मी (कैले ओचो) और होटल रूम सर्विस जैसे गीत काफी लोकप्रिय हुए।

इससे पहले अनन्या पांडे पेरिस हॉट कूचर वीक में शामिल हुई थीं। इसके बाद वह विंबलडन में भी बेहद आकर्षक अंदाज में नजर आईं। मैच के दौरान उन्होंने चमकीले लाल रंग की पॉपलिन ड्रेस पहनी हुई थी।अभिनय की बात करें तो अनन्या पांडे की हालिया फिल्में तू मेरी मैं तेरा, मैं तेरा तू मेरी और चांद मेरा दिल बॉक्स ऑफिस पर उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सकीं।

चांद मेरा दिल एक रोमांटिक ड्रामा फिल्म है, जिसका निर्देशन विवेक सोनी ने किया है। इसकी कहानी विवेक सोनी और तुषार परांजपे ने मिलकर लिखी है। फिल्म में अनन्या पांडे के साथ लक्ष्य भी

अहम भूमिका में नजर आएंगे।यह फिल्म कॉलेज में प्यार करने वाले एक जोड़े की कहानी है।

क्या आपको निर्णय लेते समय महसूस होता है तनाव? इन 5 संकेतों से चलेगा पता

हम रोजमर्रा के जीवन में कई छोटे–बड़े फैसले लेते हैं, जैसे क्या पहनना है, क्या खाना है या कौन–सा शो देखना है। इन फैसलों का हमारे मानसिक स्वास्थ्य पर बड़ा असर पड़ता है। अगर आपको लगता है कि आप लगातार छोटे–छोटे फैसलों में भी थकावट महसूस कर रहे हैं तो यह संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। आइए इसके 5 संकेत जानते हैं।लगातार फैसले लेने में थकान होनाअगर आप रोजाना कई छोटे–छोटे फैसलों में भी थकावट महसूस करते हैं तो यह एक जरूरी संकेत हो सकता है। उदाहरण के लिए, अगर आप रोजाना यह सोचते हैं कि आज क्या पहनना है या क्या खाना है और इससे आपको मानसिक रूप से परेशानी होती है तो यह दिखाता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। ऐसी स्थिति में आपको अपनी दिनचर्या में थोड़ा बदलाव करने की जरूरत हो सकती है।छोटी–छोटी बातों पर ज्यादा सोच–विचार करनाअगर आप छोटी–छोटी बातों पर ज्यादा सोचते रहते हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है। जैसे कि क्या खाना है या कौन–सा कपड़ा पहनना है, इन मामलों में ज्यादा सोचने से मानसिक ऊर्जा खत्म हो सकती है। इससे आपका मूड भी प्रभावित होता है और आप चिड़चिड़े हो सकते हैं। ऐसे में बेहतर होगा कि आप कुछ फैसले पहले ही तय कर लें, ताकि आपको बार–बार सोचना न पड़े।मूड में उतार–चढ़ाव आनाअगर आपका मूड बार–बार बदलता रहता है और आप खुद को उदास या चिड़चिड़ा महसूस करते हैं तो यह भी एक संकेत हो सकता है कि आपको निर्णय लेने की थकावट हो रही है।

लेस के कपड़े पहनने की शौकीन हैं? इन 5 आउटफिट को बनाएं अलमारी का हिस्सा

लेस एक ऐसा कपड़ा है, जो नाजुकता और आकर्षण का अनोखा मेल प्रस्तुत करता है। यह न केवल सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि आराम भी देता है। आजकल लेस के कपड़े बहुत लोकप्रिय हो गए हैं, खासकर महिलाओं के बीच। इस लेख में हम आपको 5 ऐसे लेस के कपड़ों के बारे में बताएंगे, जो आपकी अलमारी में चार चांद लगा सकते हैं और आपको हर मौके पर खास महसूस करवाएंगे।लेस की ड्रेसलेस की ड्रेस किसी भी अवसर पर पहनने के लिए बेहतरीन विकल्प हो सकती है। चाहे वह शादी हो या कोई पार्टी, लेस की ड्रेस हमेशा आकर्षक लगती है।यह न केवल आपको सुंदर दिखाती है, बल्कि आरामदायक भी होती है। आप इसे अपने पसंदीदा जूतों और गहनों के साथ मिलाकर एक पूरा लुक बना सकती हैं।

हिन्दी दैनिक विजडम इंडिया

स्वामी,मुद्रक एवं प्रकाशक श्री शील कुमार शुक्ला द्वारा हिन्दुस्तान समाचार फीचर सेवा लि0 ,94, एम0जी0 मार्ग, हजरतगंज, लखनऊ से छपवाकर 633/387,गेहमर कुंज कालोनी, फैजाबाद रोड, चिनहट, लखनऊ उ0प्र0 से प्रकाशित।

सम्पादक–शील कुमार शुक्ला

सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ मान्य होगा।